THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

जब तक प्रज्वल को वापस नहीं ले आते, तब तक हम रुकेंगे नहीं : गृह मंत्री

बेंगलूरू, 17 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शुक्रवार को कहा कि हासन से सांसद और यौन शोषण मामले में आरोपी जेडीएस नेता प्रज्वल रेवन्ना को भारत वापस लाने की कोशिशें चल रही हैं। उन्होंने कहा कि एसआईटी मामले की जांच कर रही है और जांच सही दिशा में आगे बढ़ रही है। प्रज्वल रेवन्ना पर कई महिलाओं का यौन शोषण करने का गंभीर आरोप है। कर्नाटक के सेक्स स्कैंडल से राज्य की राजनीति में हंगामा जारी है। प्रज्वल रेवन्ना बीती 27 अप्रैल को जर्मनी के लिए रवाना हुए थे >14

वर्ष-28 अंक : 56 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.10 2080 शनिवार, 18 मई-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'पंजे और साइकिल के सपने टूट गए खटाखट'

> यूपी के फतेहपुर में पीएम मोदी का अखिलेश-राहुल पर बड़ा हमला

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान को धार देने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी आज यूपी पहुंचे हैं। यहां पर उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा है। पीएम ने कहा कि पंजे और साइकिल के सपने टूट गए, खटाखट खटाखट। अब 4 जून के बाद की प्लानिंग हो रही है कि हार का ठीकरा किसके सिर पर फोड़ा जाए, खटाखट खटाखट। इतना ही नहीं, पीएम ने कहा कि मुझे तो कोई बता रहा था कि विदेश यात्रा का टिकट भी बुक हो गया है, खटाखट खटाखट। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैंने यह कहा था कि शहजादा वायनाड से भाग जाएंगे और अमेठी की ओर जाने की हिम्मत नहीं करेंगे। यह सच हो गया। अब अपना सम्मान बचाने के लिए कांग्रेस ने मिशन-50 का फैसला किया है। इसके लिए भानुमती के कुनबे में हवा भरने की कोशिश हो रही है, लेकिन जिस इंडिया गठबंधन की गाड़ी का टायर पहले दिन से पंक्चर हो जाएगा वो कितना आगे जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि माफियाओं के लिए समाजवादी पार्टी का प्यार अभी खत्म नहीं हुआ है। उनके पार्टी प्रमुख माफिया की कब्र पर फातिया पढ़ रहे हैं। पाकिस्तान हमारे देश पर हमला करता था। कांग्रेस उन्हें क्लीन चिट देती थी और उन्होंने भगवा आतंकवाद की झूठी कहानी बुनी है।

बुलडोजर चलाने का ट्यूशन योगी से लेना चाहिए

पीएम मोदी ने यह भी कहा कि अगर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस सत्ता में आईं तो अयोध्या में राम मंदिर पर बुलडोजर चलाएगी। इंडिया अलायंस के सहयोगियों पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने आगे कहा कि विपक्षी दलों को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से यह सीखने के लिए ट्यूशन लेना चाहिए कि कहां पर बुलडोजर चलाना है और कहां नहीं। पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी लगातार तीन लोकसभा चुनाव जीतकर हैट्रिक लगाएगी। पीएम मोदी ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें ममता बनर्जी के रूप में नई बुआ मिल गई है। पीएम मोदी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के शहजादे अखिलेश यादव को एक नई बुआ के पास में शरण मिल गई है।

दिल्ली शराब घोटाला : ईडी की आठवीं चार्जशीट में सीएम केजरीवाल का नाम

* पहली बार किसी पार्टी को बनाया आरोपी

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। शराब घोटाला में प्रवर्तन निदेशालय ने आठवीं चार्जशीट दिल्ली की दिल्ली राउज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल की है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर मामले में यह आठवीं चार्जशीट है। ईडी ने बताया कि इस चार्जशीट में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी का नाम आरोपी के तौर पर दर्ज है।

पहली बार किसी पार्टी को बनाया आरोपी

प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने दिल्ली शराब घोटाला मामले में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। ईडी के द्वारा दायर की गई यह आठवीं चार्जशीट है। इस मामले में यह पहली चार्जशीट है, जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दाखिल की गई है। वहीं दूसरी तरफ सुप्रीम कोर्ट ने शराब घोटाला मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और ईडी की रिमांड को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है।

ईडी ने सुप्रीम कोर्ट को दी थी जानकारी

प्रवर्तन निदेशालय ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि वह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) को जल्द ही शराब नीति मामले में आरोपी बनाएगी। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ के समक्ष ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने बताया कि हम अरविंद केजरीवाल और आप के खिलाफ अभियोजन शिकायत (आरोपपत्र) दायर करने का प्रस्ताव कर रहे हैं। हम इसे शीघ्र ही करेंगे। यह प्रक्रिया में है। ईडी ने यह बात कथित दिल्ली शराब नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केजरीवाल की गिरफ्तारी को दी गई चुनौती पर सुनवाई के दौरान कही।

'लोकसभा चुनाव का वोटिंग डेटा 48 घंटे में जारी हो'

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को एक एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की याचिका पर तत्काल सुनवाई करने के लिए तैयार हो गया। याचिका में चुनाव आयोग से वोटिंग परसेंटेज का डेटा 48 घंटे के भीतर वेबसाइट पर अपलोड करने का निर्देश देने की मांग की गई है। मामले की सुनवाई सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच करेगी। एनजीओ की तरफ से एडवोकेट प्रशांत भूषण ने इस पर तुरंत सुनवाई की मांग की थी।

पिछले हफ्ते, एडीआर ने अपनी 2019 जनहित याचिका में एक अंतरिम आवेदन किया था जिसमें चुनाव पैनल को निर्देश देने की मांग की गई थी। कि सभी पोलिंग सेंटर्स के फॉर्म 17सी भाग-I (रिकॉर्ड किए गए वोटों का अकाउंट) की स्कैन की गई कॉपी वोटिंग के तुरंत बाद अपलोड की जाएं। एनजीओ ने दलील दी थी कि याचिका यह तय करने के लिए दायर की गई थी ताकि चुनावी अनियमितताओं का लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर असर न हो।

याचिका में दावा-वोटर टर्न आउट देर से जारी किया

याचिका में कहा गया है कि आयोग ने पहले दो फेज का वोटिंग डेटा देर से पब्लिश किया। पहले फेज की वोटिंग के 11 दिन बाद और दूसरे फेज की वोटिंग के 4 दिन बाद यह डेटा सामने आया था। फाइनल वोटर टर्नआउट जारी करने में हुई देर और पोल पैनल के प्रेस नोट में 5 प्रतिशत से ज्यादा के अंतर ने इसके सही होने पर चिंताएं और संदेह बढ़ा दिया है। वोटर टर्नआउट जारी न होने के साथ-साथ डाले गए वोटों के आंकड़े जारी करने में देरी के कारण वोटर्स में शुरूआती आंकड़ों और 30 अप्रैल को जारी आंकड़ों के बीच आए फर्क को लेकर आशंकाएं बढ़ गई हैं। इन्हें दूर किया जाना चाहिए। वोटर्स का भरोसा कायम रहे, इसके लिए जरूरी है कि आयोग अपनी वेबसाइट पर वोटिंग बंद होने के 48 घंटों के भीतर डाले गए वोटों का सर्टिफाइड डेटा पब्लिश करे।

स्वाति के बाद अब बिभव कुमार ने दर्ज कराई शिकायत

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार ने शुक्रवार को राज्यसभा सांसद स्वाती मालीवाल के खिलाफ अपनी शिकायत दर्ज करवाई है। स्वाती मालीवाल द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद बिभव कुमार ने भी अपनी शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत के मुताबिक

केजरीवाल को फंसाना था मालीवाल का मकसद

स्वाति मालीवाल मुख्यमंत्री आवास में जबरदस्ती दाखिल हुई थीं। उस वक्त मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपने आवास में मौजूद नहीं थे। जब उनको घर में मौजूद पुलिसकर्मियों ने रोका तो उन्होंने उन सभी को धमकी दी। उनसे ऊंची आवाज में बहस की। मालीवाल के सभी आरोप निराधार हैं। शिकायत में यह भी लिखा कि स्वाति मालीवाल सीएम के ड्राइंग रूम में जबरदस्ती घुसी थीं। बिभव कुमार ने इसका विरोध किया और सामने खड़े हो गए। >14

यह राजनीतिक हिटमैन की खुद को बचाने की कोशिश

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ सीएम आवास में हुई कथित बदसलूकी के मामले में एक वीडियो सामने आया है। जिसमें स्वाति मालीवाल और कुछ कर्मचारियों के बीच किसी बात को लेकर बहस होती दिख रही है।

उधर, इस वीडियो को लेकर स्वाति मालीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। स्वाति मालीवाल ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, हर बार की तरह इस बार भी इस राजनीतिक हिटमैन ने खुद को बचाने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। अपने लोगों से ट्वीट्स करवाके, आधी और बिना संदर्भ की वीडियो चलाके इसे लगता है ये इस अपराध को अंजाम देके खुद को बचा लेगा। कोई किसी को पीटते हुए वीडियो बनाता है भला? घर के अंदर की और कमरे की सीसीटीवी फुटेज की जांच होते ही सत्य सबके सामने होगा।

इंडिया गठबंधन की रैली में बोलीं सोनिया गांधी

अपना राहुल आपको सौंप रही हूं

रायबरेली, 17 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने इंडिया गठबंधन की संयुक्त रैली को संबोधित करते हुए रायबरेली की जनता को संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मेरा आंचल आपके प्रेम और आशीर्वाद से जीवनभर भरा रहा। आपके प्रेम ने मुझे कभी भी अकेले नहीं पड़ने दिया। मेरा सब कुछ आपका दिया हुआ है। मैं आपको अपना बेटा सौंप रही हूं। जैसे आपने मुझे अपना माना वैसे ही आपको राहुल को अपना मान कर रखना है, राहुल आपको निराश नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अमेठी-रायबरेली से हमारा रिश्ता 103 साल पहले किसान आंदोलन के समय से शुरू होता है और अब मैं अपना राहुल आपको सौंप रही हूं। इस दौरान सोनिया गांधी के साथ मंच पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं।

सोनिया गांधी ने कहा कि आपने मुझे सेवा करने का अवसर दिया। यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। रायबरेली और अमेठी मेरा परिवार है। पिछले 100 साल से हमारे परिवार की जड़ें इस मिट्टी से जुड़ी हुई हैं। गंगा मां की माटी से रिश्ता रहा है। इंदिरा जी के दिल में रायबरेली के लिए एक अलग जगह थी। उनके मन में आपके प्रति असीम लगाव था। मैंने राहुल और प्रियंका को वही सीख दी है जो इंदिरा जी ने मुझे दी थी। सबका आदर करो। अन्याय और अधिकार की रक्षा के लिए जिससे भी लड़ना पड़े उससे लड़ो। आपके प्रेम ने मुझे कभी अकेले नहीं पड़ने दिया। मेरा सब कुछ आपका है।

आईटीआई मैदान में गठबंधन की सेवा संकल्प सभा में कांग्रेस और सपा ने मिलकर ताकत दिखाई। महंगाई से लेकर इलेक्टोरल बांड तक के मुद्दों पर भाजपा पर निशाना साधा। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि पूरा देश देख रहा है। यह समाजवादी और कांग्रेस के कार्यकर्ता एक सैलाब बन गए हैं। पूरे देश को दिखाया है कि पूरे दिल से आप लगे हैं। परिश्रम किया है, यह रायबरेली क्षेत्र है। मेरे परिवार का रायबरेली से गहरा रिश्ता रहा है। इस रिश्ते को अटूट बनाने के लिए राहुल गांधी मैदान में हैं। दस साल से गरीब, किसान, मजदूर, महिलाएं परेशान हैं। जन जन की पुकार थी कि आपकी सुनवाई हो लेकिन नरेंद्र मोदी की सरकार में कोई सुनवाई नहीं हुई। आज इस देश में आंधी उठी है कि सत्ता से तानाशाही सरकार को हटाया जाए। रायबरेली की जनता ने 100 साल पहले आवाज उठाई थी। एक बार फिर रायबरेली देश को सत्ता परिवर्तन के लिए आवाज दे रहा है।

चारों धाम में रील्स-वीडियो बैन

देहरादून, 17 मई (एजेंसियां)। चारधाम यात्रा के लिए केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में श्रद्धालुओं की भीड़ प्रशासन के लिए लगातार चुनौती बन रही है। भारी भीड़ को देखते हुए उत्तराखंड सरकार ने 3 बड़े आदेश दिए हैं।

उत्तराखंड की मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा है कि चारों धाम के मंदिरों के 50 मीटर के दायरे में रील्स या वीडियो बनाने पर पाबंदी लगाई गई है। साथ ही वीआईपी दर्शन पर लगी रोक को भी 31 मई तक बढ़ा दिया है। पहले यह रोक 25 मई तक लगाई गई थी। इसके अलावा सरकार ने यात्रा के ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए ऋषिकेश और हरिद्वार में लगाए गए काउंटर को भी तीन दिन तक बंद कर दिया है। यानी अब श्रद्धालु सिर्फ ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन ही कर सकेंगे। दरअसल, ऋषिकेश और हरिद्वार में भी लगातार भारी भीड़ देखने को मिल रही थी। इस वजह से लोग बिना रजिस्ट्रेशन कराए डायरेक्ट दर्शन के लिए धामों में पहुंच रहे थे। >14

हनीट्रैप के जरिए जवानों को फंसाने के मामले में एनआईए सख्त

आरोपी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी भारतीय नौसेना के जवानों को हनीट्रैप में फंसाने की साजिश रच रही है। इससे जुड़े विशाखापट्टनम जासूसी मामले में अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मुंबई के एक शख्स के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है।

बताया जा रहा है कि एनआईए ने रक्षा प्रतिष्ठानों से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं जुटाने के लिए भारतीय नौसेना के जवानों को हनीट्रैप में फंसाने की पाकिस्तानी खुफिया इकाई के एक प्रमुख आरोपी अमान सलीम शेख के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। बता दें, राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने शेख को पिछले साल 20 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था। इसमें कहा गया है कि आतंकवाद रोधी एजेंसी ने आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में एनआईए की विशेष अदालत में गुरुवार को शेख के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया। अमान सलीम शेख को एनआईए द्वारा मुंबई (महाराष्ट्र) में दो स्थानों और असम के होजाई और नागांव जिलों में की गई छापेमारी के बाद मुंबई से गिरफ्तार किया गया था।

शेख की गिरफ्तारी के साथ, मामले में अब तक गिरफ्तार किए गए आरोपियों की कुल संख्या तीन हो गई है। दो फरार पाकिस्तानी गुर्गों सहित कुल चार लोगों के खिलाफ एनआईए पहले ही आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है।

शेख को उन सिम कार्डों के मामले में शामिल पाया गया था, जिनका उपयोग रैकेट में शामिल पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों द्वारा किया जा रहा था, जो पहली बार 2021 में सामने आया और आंध्र प्रदेश के काउंटर इंटेलिजेंस सेल ने 12 जनवरी, 2021 को मामला दर्ज किया था।

छापेमारी में दो मोबाइल भी जब्त :

एनआईए ने पिछले साल जून में मामला अपने हाथ में लिया था। टीमों ने आज उस स्थान से दो मोबाइल फोन भी जब्त किए थे, जहां से शेख को गिरफ्तार किया गया था। टीम द्वारा की गई छापेमारी में अन्य स्थानों से दो और मोबाइल फोन और कई संवेदनशील दस्तावेज जब्त किए गए थे।

पिछले साल 19 जुलाई को एनआईए ने फरार पाकिस्तानी नागरिक मीर बालाज खान समेत दो आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। जांच से पता चला था कि मीर बालाज खान, गिरफ्तार आरोपी आकाश सोलंकी के साथ, एक जासूसी मॉड्यूल का हिस्सा थे, जो भारतीय नौसेना से संबंधित संवेदनशील महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर रहे थे और पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स को लीक कर रहे थे।

केंद्रीय बलों में फौज वाले कानून लागू

> अदालत ने माना सीएपीएफ 'संघ के सशस्त्र बल' > फिर भी पेंशन नहीं

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में भारतीय सेना के कानून लागू होते हैं, फोर्स के नियंत्रण का आधार भी सशस्त्र बल है। इन बलों के लिए जो सर्विस रूल्स तैयार किए गए हैं, उनका आधार भी फौज है। इन सारी बातों के होते हुए भी केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को 'पुरानी पेंशन' से वंचित किया गया है। खास बात तो ये है कि दिल्ली उच्च न्यायालय भी यह मान चुका है कि केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीएपीएफ, भारत संघ के सशस्त्र बल हैं। अदालत ने इन बलों में लागू 'एनपीएस' को स्ट्राइक डाउन करने की बात कही। यानी सीएपीएफ, पुरानी पेंशन की हकदार है।

एलाइंस ऑफ ऑल एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस वेलफेयर एसोसिएशन के चेयरमैन एवं पूर्व एडीजी एचआर सिंह कहते हैं, ये दुर्भाग्य है कि अदालत से जीती हुई लड़ाई को केंद्र सरकार, हार में बदलने की मंशा रखती है। सरकार से सुप्रीम कोर्ट में स्टे ले लिया। अभी ये मामला खत्म नहीं हुआ है। लोकसभा चुनाव के विभिन्न चरणों में ओपीएस का मुद्दा है। सुप्रीम कोर्ट में ढाई महीने बाद इस केस में जवाब फाइल होंगे। सीएपीएफ में पुरानी पेंशन बहाली की लड़ाई जारी रहेगी। लोकसभा चुनाव में चार जून के नतीजों के बाद ओपीएस का आंदोलन तेजी से आगे बढ़ेगा। ओपीएस के लिए संघर्ष कर रहे केंद्रीय कर्मचारी संगठनों ने भी सीएपीएफ में पुरानी पेंशन बहाली को अपना समर्थन दिया है। बता दें कि केंद्र सरकार, कई मामलों में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को सशस्त्र बल मानने को तैयार नहीं होती। सीएपीएफ में पुरानी पेंशन का मुद्दा भी इसी चक्कर में फंसा हुआ था। एक जनवरी 2004 के बाद केंद्र सरकार की नौकरियों में भर्ती हुए सभी कर्मियों को पुरानी पेंशन के दायरे से बाहर कर उन्हें एनपीएस में शामिल कर दिया गया।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठन के चार सदस्य गिरफ्तार

अलग-अलग अभियानों के तहत पकड़े गए तीन तस्कर

इंफाल, 17 मई (एजेंसियां)। मणिपुर के थौबल जिले में प्रतिबंधित संगठन कंगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) के चार उग्रवादियों को मणिपुर पुलिस और असम राइफल्स ने मिलकर गिरफ्तार किया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उग्रवादियों के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी, जिसके बाद उन्होंने येरीपोक बाजार क्षेत्र में एक अभियान चलाकर उन्हें पकड़ा।

अधिकारी ने बताया कि उनके पास से पांच मोबाइल हैंडसेट, दो नौ मिमी पिस्तौल, पांच डिमांड लेटर, 5.56 मिमी के 20 गोला बारूद और 7.62 मिमी के चार गोलाबारूद बरामद किए। पुलिस ने पश्चिमी इंफाल जिले से केसीपी संगठन के एक सक्रिय सदस्य को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए सभी इंफाल इलाके के पाओना और थंगल बाजार में स्थित दुकानों से जबरन वसूली में शामिल थे। उनके आवास से चार जिंदा गोला बारूद समेत एक 0.32 पिस्तौल बरामद किए गए हैं। असम में अलग-अलग अभियानों में तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दी। तीनों मामलों में ड्रग्स पड़ोसी राज्यों से लाई जा रही थी। सीएम सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, असम पुलिस ने राज्य में नशीली दवाओं के तस्करों पर करारा प्रहार किया। उन्होंने अनगिनत युवाओं की जिंदगी बर्बाद होने से बचाई है। एक व्यक्ति को वाईएबीए गोलियों के साथ गिरफ्तार किया गया। बता दें कि भारत में वाईएबीए गोलियों पर प्रतिबंध लगाया गया है। जोरहाट और गोलाघाट पुलिस ने 358 ग्राम हेरोइन जब्त करने के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। >14

भारत में सीमा पार आतंकवाद के प्रति सहनशीलता बहुत कम

जयशंकर ने दी पाकिस्तान को चेतावनी

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सीमा पार से होने वाली आतंकी गतिविधियों को लेकर पाकिस्तान पर निशाना साधा है। साथ ही उन्होंने पड़ोसी देश को इसके परिणाम भुगतने की चेतावनी भी दी है। सीआईआई वार्षिक बिजनेस समिट 2024 में बोलते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि भारत में किसी भी तरह की सीमा पार आतंकवादी गतिविधि के प्रति सहनशीलता बहुत कम है। अगर ऐसा कुछ होता है तो एलओसी और सीमा पर इसका असर पड़ेगा। बिजनेस समिट में बोलते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान लगातार आतंकी गतिविधियों का अभ्यास कर रहा है। पहले हमारे देश में आतंकवाद को अपने पड़ोसी के सनकीपन के रूप में देखते थे। अब हमने आतंकवाद के साथ निपटने के लिए खुद को उसी तरह से तैयार किया है। एस जयशंकर ने कहा कि 2014 में भारत ने साफ तौर पर निर्णय लिया था कि हम सीमा पार के आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

बंद कर दे आंतक का धंधा तो...

विदेश मंत्री ने उरी और बालाकोट की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि इसका परिणाम उन्होंने देखा है। अगर हमारा पड़ोसी ऐसी हरकतें करना बंद कर दे तो हम भी उसके प्रति एक सामान्य पड़ोसी की तरह व्यवहार करेंगे। अब गेंद उनके पाले में है। अगर वे आतंक के अपने धंधे को बंद कर देते हैं जिसे उन्होंने कई दशकों में बनाया है, तो लोग उनके साथ एक सामान्य पड़ोसी की तरह व्यवहार करेंगे।

'कपिल सिब्बल को मेरी बधाई'

22 साल बाद एससी बार एसोसिएशन का चुनाव जीतने पर सीजेआई ने कही ये बात

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल को सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन का अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि एससीबीए के अध्यक्ष के रूप में चुने जाने पर कपिल सिब्बल को हमारी ओर से हार्दिक बधाई। हम आपके और (कार्यकारी समिति के) सदस्यों के सहयोग की आशा करते हैं।

हमारी तरफ से आपको पूरा सहयोग मिलेगा: कपिल सिब्बल सीजेआई द्वारा दिए शुभकामनाओं पर कपिल सिब्बल ने जवाब दिया। उन्होंने सीजेआई को धन्यवाद देते हुए कहा,यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि 22 साल बाद मुझे बार की सेवा करने का मौका दिया गया है। हमारी तरफ से आपको पूरा सहयोग मिलेगा और यह बेंच के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है। हम सहयोग के माध्यम से कोर्ट के एजेंडे को आगे ले जा सकेंगे। सिब्बल के अलावा, वरिष्ठ अधिवक्ता आदिश सी अग्रवाल, प्रदीप कुमार राय, प्रिया हिंगोरानी और अधिवक्ता त्रिपुरारी रे और नीरज श्रीवास्तव एससीबीए अध्यक्ष पद की दौड़ में थे। सूत्रों के मुताबिक, गुरुवार को हुए चुनाव में सिब्बल को 1,000 से ज्यादा वोट मिले, जबकि राय को 650 से ज्यादा वोट मिले।

तीन बार एससीबीए अध्यक्ष रहे सिब्बल

हार्वर्ड लॉ स्कूल से स्नातक सिब्बल 1989-90 के दौरान भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल थे। उन्हें 1983 में वरिष्ठ वकील के रूप में नामित किया गया था। 1995 और 2002 के बीच कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने तीन बार एससीबीए अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

एसिड अटैक सर्वाइवर्स के मामले में

सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को नोटिस, सीजेआई ने महत्त्वपूर्ण मुद्दा कहा

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने नौ एसिड अटैक सर्वाइवर्स की याचिका पर गौर किया है। अदालत ने इन 9 याचिकाकर्ताओं की डिजिटल केवाईसी की मांग पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। अदालत ने केंद्र सरकार से चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। सीजेआई ने कहा कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है। याचिका में केंद्र को एक इनक्लूसिव (समावेशी) डिजिटल नो योर कस्टमर (केवाईसी) प्रक्रिया के लिए दिशानिर्देश देने की मांग की गई है, जिसमें एसिड अटैक सर्वाइवर्स और इसी तरह के दूसरे मामलों में आंख गंवाने वाले व्यक्तियों को शामिल किए जाने की मांग भी है। इस मामले में अगली सुनवाई जुलाई में होगी।

क्या है ये पूरा मामला?

याचिकार्ताओं के मुताबिक एसिड अटैक का सामना करने और फिर उससे किसी भी तरह बच जाने के बाद उनका जीवन सामान्य नहीं हो पाता। उन्हें कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ये समस्याएं सिम कार्ड खरीदने से लेकर बैंक अकाउंट खोलने तक की हैं। इस दौरान उन्हें गैरजरुरी मुश्किलात का सामना करना पड़ता है। याचिकाकर्ताओं की दलील है कि उन्हें जीवन जीने के लिए जरुरी बुनियादी चीजों को पाने के लिए जूझना पड़ता है। सभी की दलील है कि उन्होंने कई बार ऑफलाइन मोड में और आमने-सामने केवाईसी कराने की गुहार लगाई लेकिन उनकी एक न चली। उनका कहना है कि सरकारी और निजी संस्थानों ने उनकी चिंताओं को नजरअंदाज किया। ऐसे में, सुप्रीम कोर्ट को इस बारे में एक दिशानिर्देश देना चाहिए।

याचिकाकर्ता लाइव फोटोग्राफ के प्रावधान से परेशान हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई है कि लाइव फोटोग्राफ में आंख झपकाने वाले क्राइटेरिया को नए सिरे से परिभाषित किया जाना चाहिए। साथ ही, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से भी लाइव फोटो की आवश्यकता में बदलाव या फिर संशोधन की मांग की गई है। एसिड अटैक से किसी भी तरह बच जाने वालों को उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद उनका जीवन आसान हो सकेगा।

'सीयूईटी पेपर लीक बीजेपी की गारंटी'

प्रियंका गांधी ने बताया कांग्रेस की सरकार आई तो क्या करेगी

कानपुर, 17 मई (एजेंसियां)। यूपी के कानुपर के महाराणा प्रताप ग्रुप ऑफ कॉलेज में सीयूईटी का पेपर लीक होने को लेकर कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने बीजेपी पर निशाना साधा। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, "उत्तर प्रदेश में एक और पेपर लीक हो गया। कानपुर के महाराणा प्रताप ग्रुप ऑफ कॉलेज में सीयूईटी का पेपर लीक होने की खबरें हैं। हर परीक्षा का पेपर लीक होना ही बीजेपी सरकार की गारंटी है।" उन्होंने आगे कहा, "अगर परीक्षा और भर्ती की व्यवस्था पारदर्शी होगी तो देश के युवा पढ़-लिख लेंगे, उनकी जिंदगी बन जाएगी। बीजेपी को यही मंजूर नहीं है। वे चाहते हैं कि युवा बेरोजगार रहे ताकि उनको बरगलाकर फायदा उठाया जा सके। देश में 45 साल की चरम बेरोजगारी यूं ही नहीं आई है। पूरे तंत्र को जान-बूझकर बर्बाद किया जा रहा है। इसी का नतीजा है कि आज 70 करोड़ भारतवासियों के पास कोई रोजी-रोजगार नहीं है।" प्रियंका गांधी ने दावा किया कि देश के युवाओं ने तय किया है कि इस बार इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी जो पेपर लीक और अनर्गल परीक्षा शुल्क से मुक्ति दिलाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने क्यों वापस ले लिया अपना ही दो साल पुराना एक फैसला?

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में दो जजों की पीठ को डिवीजन बेंच कहते हैं। ऐसी ही पीठ कल, गुरुवार को एक मामले की सुनवाई कर रही थी। इस दौरान दोनों जजों ने सुप्रीम कोर्ट के एक पुराने फैसले का जिक्र किया। 2022 के उस फैसले को सुनाते हुए दो जजों की बेंच ने सर्वोच्च अदालत ही के एक पुराने फैसले का ख्याल नहीं किया था। कल सुप्रीम कोर्ट ने इस बात को दर्ज किया और पिछले फैसले को वापस ले लिया। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने 2022 वाले फैसले की आलोचना की। वह फैसला तब के जज हेमंत गुप्ता और वी। रामासुब्रमण्निया की पीठ ने दिया था। जस्टिस गवई और जस्टिस मेहता की पीठ ने पाया कि जस्टिस गुप्ता की अगुवाई वाली बेंच ने अपना फैसाल सुनाते हुए 1967 के सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले की अनदेखी की।

1967 के फैसले में क्या था?

1967 के उस फैसले को ऐतिहासिक 'भगत राम और अन्य बनाम पंजाब राज्य और अन्य' के नाम से जाना जाता है। करीब पांच दशक पुराने इस फैसले को पांच जजों की एक बेंच ने सुनाया था। अदालत ने तब अपने आदेश में कहा था कि अगर गांव के लोगों ने सामुदायिक इस्तेमाल के लिए किसी जमीन को चिह्नित किया है, तो उस जमीन का इस्तेमाल में न आने वाला हिस्सा उसके असल मालिकों के बीच बांट दिया जाएगा।

अदालत ने पुराना फैसला क्यों लिया वापस?

वहीं, दो बरस पहले, 7 अप्रैल 2022 को जस्टिस गुप्ता और जस्टिस रामासुब्रमण्निया की पीठ ने 1967 के फैसले के एकदम उलट फैसला सुनाया था और कहा था कि जमीन का कोई भी टुकड़ा उसके मालिकों में दोबारा से नहीं बांटा जा सकता। कल हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट के दो जज (जस्टिस गवई और जस्टिस मेहता) ने पाया कि दो सदस्यीय पीठ ने एक बड़ी पांच सदस्यों वाली पीठ के फैसले की अनदेखी की, जो ठीक नहीं था।

पीएम मोदी के मन को भाए मोहन

पांच महीने बाद यूपी के आजमगढ़ में बताया क्यों बनाया मप्र का सीएम?

भोपाल, 17 मई (एजेंसियां)। शिवराज का चेहरा, शिवराज की योजनाएं और इन्हीं के नाम पर मिलता जनता का आदेश। लेकिन, प्रदेश के मुखिया का ताज आया एक नए चेहरे डॉ मोहन यादव के सिर। कयासों, रणनीति और फैसले को लेकर अंदरखाने की बातें अब तक परदे में थीं। लेकिन, अब इस बदलाव के पांच महीने बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद इस राज से पर्दा उठाया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में एक सभा के दौरान डॉ मोहन यादव पर भरोसा करने की वजह भी बताई और उनके लिए कसीदे भी पढ़े। गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उप्र के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने मंच से डॉ मोहन यादव को मध्य प्रदेश की बागडोर सौंपने की वजह बताई। उन्होंने कहा कि भाजपा यदुवंश का सम्मान करने वाली पार्टी है। इसी बात को आगे बढ़ाते हुए मप्र में डॉ मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाया गया है। पीएम मोदी ने इस मंच से आजमगढ़ सीट के भाजपा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ के समर्थन में वोट कर चुके कई जगह तारीफ पिछले महीने मप्र दौरे पर आए पीएम मोदी ने कई सभाओं में सीएम डॉ मोहन यादव की तारीफ की थी।

पुलवामा जैसा हमला, फेल हो गई थी साजिश

सुप्रीम कोर्ट ने कस दिया आतंकियों पर शिकंजा

जम्मू, 17 मई (एजेंसियां)। कश्मीर के बनिहाल में पुलवामा की ही तर्ज पर आतंकियों की साजिश के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए केस चलाने का आदेश दिया है। मार्च 2019 में सीआरपीएफ के काफिले पर हमले की साजिश रचने के आरोप में हिजबुल मुजाहिद्दीन के 6 आतंकियों को गिरप्तार किया गया था। इससे पहले 14 फरवरी को ही पुलवामा में आतंकी हमला हुआ था जिसमें 40 सीआरपीएफ जवानों की जान चली गई थी। यह हमला पाकिस्तान के जैश-ए-मोहम्मद ने करवाया था।

जस्टिस एमएम सुंदरेश और एसवीएन भट्टी की बेंच ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट के अप्रैल 2021 के फैसले को दरकिनार करते हुए केस चलाने के आदेश दिया है। बता दें कि हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा था जिसमें शुरू करने में कुछ कमी की वजह से संदिग्धों को दोषमुक्त करने का आदेश दे दिया गया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जो भी कमी थी उसे दूर किया जा सकता था। इसके लिए संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को तय प्रक्रिया के तहत काम करने की जरूरत थी। कोर्ट के फैसले को पढ़ते हुए जज ने कहा कि इसे मंजूरी के लिए अधिकारियों पर छोड़ दिया गया था। वहीं अडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू इस मामले में जांच एजेंसी की तरफ से पेश हुए थे। 30 मार्च 2019 को संदिग्ध हिजबुल आतंकियों ने सीआरपीएफ के काफिले पर पुलवामा जैसा ही आत्मघाती हमला करने की कोशिश की थी। बनिहाल में जम्मू-श्रीनगर हाइवे पर एक संदिग्ध अमीन ने संट्रो कार के जरिए विस्फोट कराने का प्रयास किया। हालांकि बस में सवार जवान बच गए। केवल बस के पीछे का शीशा टुटा था। सिलिंडर फटने की वजह से कार में पहले ही विस्फोट हो गया। अमीन भी किसी तरह भाग निकला था। हालांकि एक दिन बाद ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद एक-एक कर इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनके नाम उमर शाफी, आकिब शाफी शाह, वसीम अहमद डार, हिलाल अहमद मंटू और शाहिद अहमद वानी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एनआईए को जांच सौंप दी। एनआईए ने सितंबर 2019 में चार्जशीट फाइल की।

इसमें अमीन और अन्य पांच लोगों को आरोपी बनाया गया था। हालांकि मार्च 2020 में जम्मू-कश्मीर की एक विशेष अदालत ने अमीन को बरी कर दिया। कोर्ट का कहा था कि डीएम बिना सरकार की मंजूरी के इस मामले में केस नहीं दर्ज करवा सकते थे। अमीन को दोषमुक्त करने के फैसले को हाई कोर्ट ने भी बरकरार रखा। एनआईए ने फरवरी 2021 में एक सप्लिमेंट्री चार्जशीट फाइल की। इसमें जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक पूर्व पुलिस कॉन्स्टेबल नवीन मुश्ताक को भी आरोपी बनाया गया था। एनआईए के मुताबिक शाह भी आतंकी हमले की साजिश में शामिल था। उसके अलावा रिजाय अहमद नाइकू, रयीसी अहमद खान और सैफुल्लाह मीर सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए। नाइकू कश्मीर का वॉन्टेड आतंकी था।

घर में घुसकर हत्या करने वाले दो आरोपी दोषी करार कोर्ट ने दी उम्रकैद की सजा

उज्जैन, 17 मई (एजेंसियां)। उज्जैन में किराये के मकान में रहने वाले युवक की घर में घुसकर हत्या करने वाले 2 आरोपियों को न्यायालय ने उम्रकैद की सजा सुनाई। मामले में चार साल पहले देवासगेट थाना पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज किया था। जिला अभियोजन अधिकारी राजेन्द्र कुमार खाण्डेगर ने बताया कि 10 सितंबर 2021 को हीरामिल की चाल में किराये का मकान लेकर लिवइन में रहने वाले सोनू उर्फ अमन बैरागी की घर में घुसकर यशवंत उर्फ शेरा और सूरज उर्फ भय्यू ठाकुर निवासी हामूखेड़ी ने चाकू से हमला कर हत्या कर दी थी। इस मामले में देवासगेट थाना पुलिस ने मृतक के साथ लिवइन में रहने वाली मिनाक्षी की शिकायत पर दोनों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया था। 2 साल से अधिक चली सुनवाई के बाद अष्टम अपर सत्र न्यायाधीश विवेक कुमार चंदेल ने दोनों को हत्या का दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है।

एमपी: पीएससी के दो प्रश्नों के उत्तरों को कोर्ट ने माना गलत

सभी अभ्यार्थियों को मिलेगा लाभ; डिलीट करने के आदेश

जबलपुर, 17 मई (एजेंसियां)। हाई कोर्ट ने पीएससी-2023 की प्रारंभिक परीक्षा के एक प्रश्न (प्रेस की स्वतंत्रता) को गलत मानते हुए उसे डिलीट करने के निर्देश दिए। वहीं एक अन्य प्रश्न (कबड्डी संघ का मुख्यालय) का पीएससी द्वारा दिए गए उत्तर 'दिल्ली' को गलत माना। जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने इसके उत्तर जयपुर को सही करार दिया। डिलीट किए गए प्रश्न के अंक सभी अभ्यर्थियों को दिए जाएंगे। वहीं दूसरे प्रश्न का उत्तर जिन्होंने जयपुर दिया है, उन्हें भी उसके अंक मिलेंगे। हालांकि कोर्ट ने इसके पहले सिविल सेवा की 11 मार्च को आयोजित मुख्य परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दे दी थी। इन उम्मीदवारों का रिजल्ट अब हाईकोर्ट के इस फैसले के आधार पर तैयार किया जाएगा। इसके साथ ही न्यायालय ने राज्य वन सेवा की मुख्य परीक्षा के लिए नई मेरिट लिस्ट जारी करने के निर्देश दिये हैं। यह परीक्षा 30 जून से होना है। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अंशुल तिवारी ने बताया कि पीएससी-प्री परीक्षा में पूछे गए सवालों में से कुछ प्रश्न ऐसे हैं, जिन पर आपत्ति पेश की गई थी। इसे लेकर प्रदेश के अलग-अलग जगहों से 19 याचिकाएं मुख्यपीठ में दायर की गई थीं। भोपाल के अभ्यर्थी आनंद यादव ने राज्य सेवा परीक्षा 2023 के प्रारंभिक परीक्षा में पूछे गये तीन विवादित प्रश्नों को चुनौती दी थी। फ्रीडम ऑफ प्रेस से जुड़ा सवाल, ग्रीन मफलर किस प्रदूषण से संबंधित है, एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन का हेडक्वार्टर से जुड़े सवालों पर आपत्ति पेश की गई थी। पिछली सुनवाई के दौरान न्यायालय ने स्पष्ट कहा था कि चूंकि यह जनहित याचिका नहीं है, इसलिए उन्हीं उम्मीदवारों के प्रकरणों पर विचार किया जाएगा जिन्होंने आपत्ति पेश की है और याचिका दायर की है। एकलपीठ ने सुनवाई पश्चात न्यायालय ने उक्त आदेष जारी किये।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा नैनीताल से हाईकोर्ट शिफ्टिंग का मामला

बार एसोसिएशन ने आदेश के खिलाफ दायर की विशेष अनुमति याचिका

नैनीताल, 17 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन ने उच्च न्यायालय के नैनीताल से बाहर प्रस्तावित स्थानांतरण के विरूद्ध उच्चतम न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका दाखिल की है। उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन इस अदालत को नैनीताल से बाहर स्थानांतरित करने के कदम का विरोध कर रहा है। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने आठ मई को राज्य सरकार से उच्च न्यायालय को स्थानांतरित किए जाने के लिए सबसे उपयुक्त जगह चिन्हित करने को कहा था। बार एसोसिएशन में इस निर्णय के खिलाफ विरोध फूट पड़ा और तुरंत ही उसने उच्च न्यायालय को नैनीताल के बाहर स्थानांतरित किए जाने के विरूद्ध एक बैठक बुलाई। बार को इस बात का भरोसा दिलाया गया था कि इस आदेश पर दस्तखत नहीं किए गए हैं लेकिन बाद में उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से अदालत को कहीं और स्थानांतरित किए जाने के लिए उपयुक्त जगह ढूंढने को कहा। उच्च न्यायालय ने एक पोर्टल भी बनाया है जिससे इस मुद्दे पर लोग ऑनलाइन अपनी राय दे सकें। इस राय से लोगों का मत स्पष्ट हो जाएगा कि उच्च न्यायालय को नैनीताल से बाहर स्थानांतरित किया जाना चाहिए या नहीं। हालांकि, देहरादून बार एसोसिएशन उच्च न्यायालय को स्थानांतरित किए जाने के पक्ष में है और उसने विशेष अनुमति याचिका में उसे भी पक्ष बनाए जाने के लिए उच्चतम न्यायालय से प्रार्थना करने का निर्णय लिया है। देहरादून बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव शर्मा ने कहा कि सभी वकील इस मत पर सहमत हैं कि प्रदेश के लोगों के व्यापक हित में और याचिकाकर्ताओं की सुविधा को देखते हुए उच्च न्यायालय को नैनीताल से बाहर स्थानांतरित कर दिया जाना चाहिए। उच्च न्यायालय ने कहा है कि नए स्थान में इतनी जगह होनी चाहिए कि अदालत कक्षों, सम्मेलन कक्ष, कम से कम 7000 वकीलों के लिए चैंबर, कैंटीन तथा पार्किंग स्थल के अलावा न्यायाधीशों, न्यायिक अधिकारियों, उनके स्टॉफ के रहने के लिए भवनों की व्यवस्था हो सके।

रेत का अवैध परिवहन करते ट्रैक्टर जब्त, पुलिस ने घेराबंदी कर की कार्रवाई

अनूपपुर, 17 मई (एजेंसियां)। अनूपपुर जिले के पवित्र नगरी अमरकंटक से रेत का अवैध परिवहन करते हुए ट्रैक्टर को पुलिस द्वारा जब्त करते हुए विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि दुर्गा धारा की तरफ से एक ट्रैक्टर-टॉली में अवैध उत्खनन कर रेत भरकर अमरकंटक की ओर ले जाई जा रही है।

जिस पर धर्म पानी तिराहे के पास नाकाबंदी करते हुए ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 65जेड बी 4325 को रोकते हुए वाहन चालक ओम नारायण पांडे निवासी दमगढ़ से रेत परिवहन से संबंधित दस्तावेज मांगे गए।

जिसे प्रस्तुत न करने पर धारा 379, 414 और खनिज अधिनियम का अपराध दर्ज करते हुए टैक्टर-टॉली को जब्त कर लिया गया है। इस कार्रवाई में प्रधान आरक्षक संजीव त्रिपाठी,प्रवीण कुजूर, कमलेश बघेल, पंकज निरंकार शामिल रहे।

एयर इंडिया का प्लेन हादसे का शिकार

पुणे एयरपोर्ट के रनवे पर हुई घटना, 180 पैसेंजर्स की जान बाल-बाल बची

पुणे, 17 मई (एजेंसियां)। एयर इंडिया के प्लेन के हादसाग्रस्त होने की खबर सामने आई है। घटना बीते दिन पुणे एयरपोर्ट की है। 180 पैसेंजर्स की जान बची तो एयरपोर्ट अधिकारियों, पायलटों और क्रू मेंबर्स की जान में जान आई। पैसेंजर्स, पायलट और क्रू मेंबर्स सुरक्षित बताए जा रहे हैं, लेकिन प्लेन डैमेज हुआ है। एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने घटनाक्रम की जानकारी एएनआई को दी। अधिकारी ने बताया कि एयर इंडिया का प्लेन लैंडिंग के समय रनवे पर टग ट्रैक्टर से टकरा गया था। टक्कर लगते ही जोरदार झटका लगा, जिससे पैसेंजर्स में हड़कंप मच गया, लेकिन वे सुरक्षित हैं। वहीं प्लेन की आगे का हिस्सा और लैंडिंग गियर के पास वाला टायर क्षतिग्रस्त हुआ है। कड़ी सुरक्षा के बीच एहतियात के साथ पैसेंजर्स को प्लेन से उतारा गया। इसके बाद प्लेन को मरम्मत के लिए वर्कशॉप में भेज दिया गया।

कल फैली थी फ्लाइट में बम होने की अफवाह

बता दें कि बीते दिन एयर इंडिया की फ्लाइट में बम होने की अफवाह फैली थी। हालांकि बम और डॉग स्कवाड की चेकिंग में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था, लेकिन अफवाह फैलने से एयरपोर्ट अधिकारियों, पैसेंजर्स और क्रू मेंबर्स में हड़कंप जरूर मच गया था। एयर इंडिया की फ्लाइट गुजरात के वडोदरा के लिए टेकऑफ करने वाली थी। एक पैसेंजर को प्लेन को टॉयलेट में एक टिशू पेपर मिला, जिस पर बड़े-बड़े अक्षरों में बम लिखा हुआ था।

पैसेंजर ने वह टिशू पेपर प्लेन के क्रू मेंबर्स को दिया और उसके बाद प्लेन का टेकऑफ डिले कर दिया गया। पैसेंजर्स को प्लेन से उतारकर पूरे जहाज और यात्रियों के सामान की चेकिंग की गई। पुलिस और एयरपोर्ट अधिकारियों ने संतुष्टि होने के बाद ही प्लेन को टेकऑफ करने की अनुमति दी। वहीं एयरपोर्ट अधिकारियों की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज करके अफवाह फैलाने वाले की तलाश शुरू कर दी है।

मां के लिए प्रचार कर रहीं इल्तिजा मुफ्ती ने कहा- पुंछ-राजोरी में आतंकी घटनाएं सरकार के दावों के विपरीत

पुंछ, 17 मई (एजेंसियां)। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी और उनकी मीडिया सलाहकार इल्तिजा मुफ्ती इन दिनों पुंछ और राजोरी में के क्षेत्रों में चुनाव प्रचार कर रही हैं। यह क्षेत्र अनंतनाग-राजोरी लोकसभा सीट का हिस्सा है, जिस पर महबूबा मुफ्ती पीडीपी की उम्मीदवार के तौर पर मैदान में हैं। पीडीपी की तरफ से पुंछ में जगह-जगह रोड शो, नुक्कड़ सभाएं की जा रही है। खास बात यह है कि स्थानीय लोगों के साथ जुड़ने के लिए इल्तिजा मुफ्ती स्थानीय भाषा में ही संबोधन कर रही हैं। उनका कहना है कि वह अमन का पैगाम लेकर इस क्षेत्र में आई हैं और उनकी पार्टी बांटने की राजनीति नहीं करती है।

सुविचार: अपने काम के प्रति ईमानदार रहो, सफलता जरूर मिलेगी।

खुलने से पहले स्कूलों की व्यवस्था बेहतर की जाए : शांति कुमारी

सीएस ने कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस की

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने आज जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस की और अम्मा आदर्श पाठशाला के तहत किए गए कार्यों की प्रगति, स्कूल यूनिफॉर्म की सिलाई और धान की खरीद से संबंधित मुद्दों की समीक्षा की। अम्मा आदर्श पाठशाला कार्यक्रम के तहत कार्यों को शुरू करने और उन्हें प्रगति के अच्छे स्तर पर लाने के लिए कलेक्टरों की सराहना करते हुए मुख्य सचिव ने 12 जून को स्कूलों के फिर से खुलने से पहले उन्हें पूरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कलेक्टरों से यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि स्कूल खुलने के दिन हर बच्चे को नोटबुक, पाठ्यपुस्तकें और एक जोड़ी स्कूल यूनिफॉर्म दी जानी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि गुणवत्तापूर्ण काम सुनिश्चित करने के लिए छोटे-मोटे मरम्मत कार्य, विद्युतीकरण, शौचालय, पेयजल, पेंटिंग और फर्नीचर के कामों की निगरानी की जानी चाहिए।

धान खरीद पर, मुख्य सचिव ने कलेक्टरों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि धान का उठाव तेजी से हो और शेष धान की खरीद जल्द से जल्द हो। कलेक्टरों को खरीद केंद्र से मिलों तक धान की तेजी से आवाजाही के तरीके तलाशने चाहिए।

उन्होंने बारिश में भीगे धान को संभालने और उसे सुखाने में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए कुछ जिला कलेक्टरों के प्रयासों की सराहना की और अन्य कलेक्टरों से भी ऐसा ही करने को कहा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी किसान को नुकसान न हो। वीडियो कॉन्फ्रेंस में प्रमुख सचिव राजस्व नवीन मित्तल, प्रमुख सचिव नागरिक आपूर्ति डी एस चौहान, प्रमुख सचिव पीआर एंड आरडी संदीप कुमार सुल्तानिया, प्रमुख सचिव शिक्षा बी वेंकटेशम, सीडीएमए दिव्या, आयुक्त पीआर एंड आरडी अनीता रामचंद्रन और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री रेवंत आज कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करेंगे

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी शनिवार को कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करेंगे और कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेंगे। चूंकि 2 जून को तेलंगाना राज्य के गठन के दस वर्ष पूरे हो रहे हैं, इसलिए राज्य कैबिनेट द्वारा आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम से संबंधित लंबित मुद्दों और अन्य मामलों पर चर्चा किए जाने की संभावना है, जो दोनों तेलुगु राज्यों के बीच हल नहीं हुए हैं। मुख्यमंत्री, जिन्होंने पहले ही अधिकारियों को 15 अगस्त तक किसानों के ऋण माफ करने के लिए पहल करने का निर्देश दिया है, वादे के कार्यान्वयन के लिए धन जुटाने और अन्य आय स्रोतों के बारे में चर्चा करने की संभावना है। धान खरीद की प्रगति की समीक्षा की जाएगी और अगली खरीफ फसलों की योजना पर चर्चा की जाएगी। इसी तरह, कैबिनेट राज्य की आय बढ़ाने के लिए संसाधन जुटाने और राजस्व जुटाने के विकल्पों पर चर्चा करेगी। इसके अलावा, राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण ने हाल ही में क्षतिग्रस्त मेदिगड्डा और अन्नाराम बैराज की मरम्मत के संबंध में एक अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत की है। कैबिनेट की बैठक में सिफारिशों पर चर्चा होने की संभावना है और बैठक में आगे की कार्रवाई की जाएगी। चूंकि नया शैक्षणिक वर्ष जून से शुरू हो रहा है, इसलिए मुख्यमंत्री ने स्कूल और कॉलेज खोलने से पहले आवश्यक तैयारी करने का फैसला किया है। बैठक के दौरान छात्रों के पंजीकरण, पाठ्यपुस्तकों के वितरण, यूनिफॉर्म और अन्य संबंधित मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

इच्छा के विरूद्ध शादी, युवक ने की आत्महत्या

5 मई को सुरदापुर गांव में हुई थी शादी

कुमराम भीम आसिफाबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वानकिडी मंडल के तेजपुर गांव में गुरुवार की रात एक 27 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी मर्जी के खिलाफ एक लड़की से शादी करने के लिए मजबूर होने पर आत्महत्या कर ली। वडाई उमेश ने जहर खा लिया क्योंकि वह कथित तौर पर पावनी से शादी के बाद उदास था, जिसे वह जीवन साथी के रूप में स्वीकार करने में दिलचस्पी नहीं रखता था। खेत में कीटनाशक पीने के बाद उमेश ने अपने पिता को फोन किया। मंचेरियल के एक अस्पताल में ले जाते समय उनकी मृत्यु हो गई। उमेश की शादी 5 मई को सुरदापुर गांव की पावनी से हुई थी।

कोमटिरेड्डी ने दुर्घटनाओं को कम करने वाले कदमों पर चर्चा की

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटीरेड्डी वेंकट रेड्डी ने विजयवाड़ा-हैदराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग 65 पर 17 ब्लैक स्पॉट कार्यों की प्रगति की समीक्षा की है। समीक्षा बैठक शुक्रवार को यहां सचिवालय में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों के साथ मंत्री कोमाटीरेड्डी वेंकट रेड्डी की अध्यक्षता में हुई और राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा की गई। मंत्री ने कहा कि चूंकि राजमार्ग पर कुल 17 ब्लैक स्पॉट की पहचान की गई है, इसलिए एनएच-65 पर दुर्घटनाओं को कम करने के लिए सुधारात्मक उपाय किए जाने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में चेतावनी बोर्ड लगाने की सलाह दी और पूछा कि जिन स्थानों पर अंडरपास हैं, वहां क्या उपाय किए जाने चाहिए। मंत्री कोमाटीरेड्डी वेंकट रेड्डी ने जीएचएमसी अधिकारियों के साथ बैठक की और यातायात की समस्याओं को हल करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि शहर में थोड़ी सी भी बारिश होने पर कई किलोमीटर तक यातायात जाम हो जाता है और बारिश का पानी कॉलोनियों में घुस जाता है। इसके अलावा सड़कें भी क्षतिग्रस्त हो रही हैं। मंत्री ने सड़कों की मरम्मत और शहर में यातायात की समस्याओं से बचने के लिए किए जाने वाले उपायों की समीक्षा की। बैठक में ईएनसी गणपति रेड्डी, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज, जीएचएमसी इंजीनियरिंग अधिकारियों ने भाग लिया।

आसिफाबाद में मिला भालू का शव

कुमरम भीम आसिफाबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शरीर पर चोटों के साथ एक स्लॉथ भालू का शव शुक्रवार को पेंचिकलपेट मंडल के अगरगुडा गांव के जंगलों में पाया गया। भालू की मौत का कारण अभी तक पता नहीं चल सका है। पेंचिकलपेट वन रेंज अधिकारी सुधाकर ने कहा कि शव के विभिन्न हिस्सों पर चोटों के निशान देखे गए हैं। उन्होंने कहा कि भालू की मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए नमूने फोरेंसिक लैब में भेजे गए थे। जांच चल रही है।

ट्रॉली पलटने से 15 दिहाड़ी मजदूर घायल

मंचेरियल, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को दांडेपल्ली के बाहरी इलाके में एक ट्रॉली के नहर में पलट जाने से 15 मजदूर घायल हो गए। एक घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है। दांडेपल्ली उप-निरीक्षक एन स्वरूप राज ने कहा कि श्रमिक एक नहर के पास एक कार्यस्थल से लौट रहे थे। बंगारू मल्लव्वा (48) को सिर में गंभीर चोट लगी और उन्हें पहले लक्सेटिपेट के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया और फिर करीमनगर के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

एआईएसएफ ने मुख्यमंत्री से शिक्षा क्षेत्र में समस्याओं के समाधान का आग्रह किया

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय छात्र संघ की राज्य इकाई ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से शिक्षा क्षेत्र में समस्याओं के समाधान का आग्रह किया। एक पत्र में संगठन ने कहा कि तेलंगाना में शिक्षा क्षेत्र, जिसके लिए संघर्ष किया गया और जिसे हासिल किया गया, की घोर उपेक्षा की गई है। इसने कहा कि एआईएसएफ शिक्षा क्षेत्र को पटरी पर लाने के लिए तत्काल कदम उठाने के लिए कई बार अनुरोध कर चुका है। तेलंगाना में शिक्षा क्षेत्र में सुधार किया जाना चाहिए। बीआरएस के 10 साल के शासन के दौरान तत्कालीन शासकों ने शिक्षा क्षेत्र को भ्रष्ट कर दिया। विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति में कोई राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। निजी और कॉर्पोरेट कॉलेजों को बंद किया जाना चाहिए। छात्र संघों के लिए चुनाव होने चाहिए। तेलंगाना राज्य में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा क्षेत्र में पूरी तरह से सफाई होनी चाहिए। प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के केंद्र के रूप में एक खेल विद्यालय स्थापित किया जाना चाहिए।

इसने यह भी कहा कि हर गांव में एक स्कूल होना चाहिए और कहा कि शिक्षकों के रिक्त पदों को भरा जाना चाहिए, साथ ही स्कूलों के लिए पक्के भवनों का निर्माण किया जाना चाहिए। इसने यह भी कहा कि लंबित छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति निधि तुरंत जारी की जानी चाहिए और कहा कि कल्याण छात्रावासों के लिए पक्के भवनों का निर्माण किया जाना चाहिए। निजी और कॉर्पोरेट कॉलेजों द्वारा फीस के शोषण पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। फीस विनियमन कानून को सख्त बनाया जाना चाहिए। पैसे के लालच में छात्रों की जान लेने वाले कॉलेजों की अनुमति रद्द की जानी चाहिए। निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों में फीस को विनियमित किया जाना चाहिए और बी श्रेणी की सीटों को काउंसलिंग के जरिए भरा जाना चाहिए। विश्वविद्यालयों में बिना राजनीतिक हस्तक्षेप के कुलपतियों की नियुक्ति की जाए। विश्वविद्यालयों में शिक्षण एवं गैर-शिक्षण पदों को भरा जाए। बढ़ी हुई कोर्स फीस को कम किया जाए।

सतर्कता से महिला के 60 लाख बचें

सक्रियता दिखाने वाली टीम पुरस्कृत

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस की सक्रियता और महिला की सतर्कता से उसके 60 लाख बच गए। बीते 15 मई को शाम के समय साइबराबाद निवासी एक महिला को एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने दावा किया कि वह महाराष्ट्र पुलिस का एक अधिकारी है और कहा कि वह एक बड़े मनी लॉन्ड्रिंग अपराध में शामिल है और उसके खिलाफ वारंट लंबित है। जालसाज ने पीड़िता को पूरी रात स्काइप वीडियो कॉल पर रहने के लिए मजबूर किया और उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देता रहा। डर के कारण और धोखेबाजों की सलाह के अनुसार, पीड़िता ने अगली सुबह अज्ञात व्यक्तियों द्वारा बताए गए खाते में 60 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। रकम ट्रांसफर करने के बाद, उसे एहसास हुआ कि यह एक धोखाधड़ी है और उसने तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल किया। टीएस साइबर सुरक्षा ब्यूरो में साइबर क्राइम हेल्पलाइन ने तुरंत सीएफसीएफआरएमएस पोर्टल पर लेनदेन का विवरण अपलोड किया, एसबीआई बैंक को सतर्क किया, जिसमें राशि धोखाधड़ी से ट्रांसफर की गई थी और यह सुनिश्चित किया कि एक घंटे के भीतर 60 लाख रुपये की पूरी राशि को रोक दिया गया। यह पीड़ित द्वारा 1930 पर अपराध की सूचना देने तथा 1930 हेल्पलाइन स्टाफ द्वारा संबंधित बैंकों को सचेत करने तथा धोखाधड़ी वाले धन को संदिग्धों के हाथों में जाने से रोकने में की गई त्वरित कार्रवाई का एक उदाहरण है, जिसके परिणामस्वरूप पूरी राशि बच गई। शिखा गोयल, निदेशक, टीएससीएसबी ने 1930 कॉल सेंटर के एसआई जी शिरीषा, कांस्टेबल टी रहमान पीसी तथा बी. कृष्णा पीसी की सराहना की तथा उन्हें पुरस्कृत किया, जिन्होंने तत्परता से कार्य करते हुए सुनिश्चित किया कि पूरी राशि होल्ड पर रखी जाए।

विशेषज्ञों ने कौटाला ग्राम पंचायत का किया दौरा

कुमराम भीम आसिफाबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य और केंद्रीय भूजल विभाग (सीजीडब्ल्यूडी) के एक वैज्ञानिक ने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (नरेगा) के तहत किए गए विभिन्न विकासात्मक कार्यों के कार्यान्वयन पर संतोष व्यक्त किया। वह शुक्रवार को 5वें सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय जल पुरस्कारों के लिए कौटाला मंडल केंद्र में कार्यों का निरीक्षण कर रहे थे। सीडब्ल्यूसी के ए सतीश कुमार और सीजीडब्ल्यूडी के डी मोहंता ने कौटाला ग्राम पंचायत में बने वर्षा जल पुनर्भरण गड्ढों, मछली तालाबों और अन्य कार्यों का निरीक्षण किया। कार्यों की गुणवत्ता एवं योजना के उपयोग से वे संतुष्ट दिखे। उन्होंने अधिकारियों को केंद्र सरकार प्रायोजित अन्य योजनाओं के तहत कार्यों को लागू करने के लिए इसी जुनून के साथ काम करने की सलाह दी। विशेषज्ञों ने बताया कि जल संरक्षण, उपयोग, नवाचार, रोजगार सृजन, योजनाओं के क्रियान्वयन जैसे निकायों के प्रयासों को 100 अंक दिये जायेंगे। उन्होंने राय दी कि कौटाला मंडल मुख्यालय के पास पुरस्कार हासिल करने के लिए अन्य नागरिक निकायों के साथ प्रतिस्पर्धा करने की सभी पात्रता है। उन्होंने प्रभावी जल प्रबंधन प्रथाओं में भागीदार बनने के लिए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की।

उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए करना होगा यह काम

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर चिकित्सकों की सलाह

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आज मनाए जा रहे विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर चिकित्सा पेशेवरों ने उच्च रक्तचाप के जोखिम को कम करने के लिए 10 आसान जीवनशैली के संकेत दिए हैं। यह दिवस रक्तचाप की निगरानी के महत्व के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है, साथ ही इसके प्राकृतिक स्तरों के बारे में भी जागरूक किया जाता है। उच्च रक्तचाप, जिसे उच्च रक्तचाप के रूप में भी जाना जाता है, को 140एमएम एचजी के बराबर या उससे अधिक सिस्टोलिक बीपी और/या 90एमएम एचजी के बराबर या उससे अधिक डायस्टोलिक बीपी के रूप में परिभाषित किया जाता है।

आसान अभ्यास हैं : जंक फूड, पिज्जा, तले हुए खाद्य पदार्थ और मीठे पेय पदार्थों का सेवन कम करें, प्रोसेस्ड, अत्यधिक नमकीन स्नैक्स, नमकीन, पापड़, अचार आदि का अत्यधिक/दैनिक सेवन कम करें, धूम्रपान, वेपिंग और अत्यधिक शराब पीने की आदत छोड़ें, प्रतिदिन कम से कम 7/8 गिलास पानी पीकर हाइड्रेट रहें, बार-बार टहलें और प्रतिदिन 10,000 कदम चलने का लक्ष्य रखें, उचित मार्गदर्शन के तहत सप्ताह में 2-3 बार शक्ति प्रशिक्षण करें, 7-8 घंटे की गुणवत्तापूर्ण, आरामदायक और शांतिपूर्ण नींद लें, योग और प्राणायाम सीखकर माइंडफुलनेस अरोमा थेरेपी और गहरी सचेत सांस लेने का अभ्यास करें, अपने पाचन तंत्र को डिटॉक्स करने के लिए सप्ताह में एक बार उपवास करें, जिससे आपकी धमनियों की नियमित सफाई हो सके और सबसे पहले अपने मानव शरीर की देखभाल करके समग्र रूप से जीवन जिएं।

लड़कियों के साथ हो समान व्यवहार : कलेक्टर

एक लड़की के शिक्षित होने से पूरे परिवार को होगा लाभ

पेद्दापल्ली, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर मुजम्मिल खान ने लड़कियों के साथ लड़कों के समान व्यवहार करने और उन्हें सभी मोर्चों पर विकास करने के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। लड़कियों को कुछ क्षेत्रों तक सीमित रखने के बजाय खेल, सेना सहित सभी मोर्चों पर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने लड़कियों की खान-पान की आदतों पर प्रतिबंध न लगाने की बात कहते हुए कहा कि शिक्षा, खान-पान और वित्तीय मामलों में महिलाओं के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए। एक लड़की के शिक्षित होने से पूरे परिवार को लाभ होगा। इसके अलावा बेटियों के सशक्तीकरण से ही देश का विकास संभव है। कलेक्टर ने कहा कि कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी के बिना विकास संभव नहीं है, जो देश की आधी आबादी हैं।

कलेक्टर ने शुक्रवार को एनटीपीसी के काकतीय फंक्शन हॉल में जीईएम-2024 लड़कियों से बातचीत की।

उन्होंने कहा कि शिक्षा, वित्तीय स्वतंत्रता और आत्मविश्वास सशक्तिकरण की कुंजी हैं। शिक्षा सशक्तिकरण की दिशा में पहला कदम था। एनटीपीसी (रामागुंडम और तेलंगाना) के कार्यकारी निदेशक, केदार रंजन पांडु ने कहा कि एनटीपीसी का लक्ष्य इस कार्यशाला के दौरान ज्ञान, कौशल और आत्म-विश्वास की शक्ति प्रदान करना है जो एक ऐसे भविष्य को खोलने की कुंजी है जहां हर लड़की अपनी पूरी क्षमता का एहसास कर सकती है।

कलेक्टर ने कक्षा दसवीं में क्रमशः 9.8 जीपीए और 9.7 जीपीए स्कोर करने के लिए जीईएम-2019 बैच की लड़कियों जे सहस्र और बी अक्षरा को सम्मानित किया। लड़कियों ने नृत्य, योग, कराटे, गाने और भाषण जैसे विभिन्न प्रदर्शनों के माध्यम से अपना कौशल दिखाया। कार्यक्रम में सभी जीएम, एचओडी, डीएमएस के वरिष्ठ सदस्य, यूनियन और एसोसिएशन के प्रतिनिधि, एससी/एसटी एसोसिएशन, कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य, जीईएम प्रतिभागी और उनके माता-पिता भी उपस्थित थे।

डीडीजी एनसीसी निदेशालय (एपीएंडटी) ने एक भारत श्रेष्ठ भारत शिविर का दौरा किया

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक भारत श्रेष्ठ भारत-I, अखिल भारतीय शिविर 14 से 25 मई 2024 तक सीएमआर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मेडचल में चल रहा है। एपी और तेलंगाना निदेशालय के उप महानिदेशक, एयर कमोडोर वी एम रेड्डी ने एपी और तेलंगाना और राजस्थान निदेशालयों के छह सौ कैडेटों को संबोधित किया। सबसे पहले, डीडीजी ने कैडेटों, विशेष रूप से राजस्थान निदेशालय के कैडेटों का ईबीएसबी अखिल भारतीय शिविर में स्वागत किया और आशा व्यक्त की कि कैडेट अपने प्रवास का आनंद लेंगे और एपी और तेलंगाना के विभिन्न रीति-रिवाजों, परंपराओं और भाषाओं को सीखेंगे और अपने रीति-रिवाजों और परंपराओं का आदान-प्रदान करेंगे। कैडेटों से बातचीत करते हुए उन्होंने राजस्थान में अपने कार्यकाल के अविस्मरणीय अनुभवों को साझा किया तथा राजस्थान और तेलंगाना के बीच सांस्कृतिक और पारंपरिक समानताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि राजस्थान और तेलंगाना में कई जनजातियों की संस्कृतियों, पहनावे और वंश में कई समानताएं हैं। एयर कमोडोर ने राजस्थानी भाषा में कुछ वाक्य भी बोले और राजस्थान के कैडेटों ने जयकारे लगाए। भाषण के समापन पर एयर कमोडोर वी एम रेड्डी कैडेटों के साथ एक चाय पार्टी में शामिल हुए और मीडिया कर्मियों से विस्तार से बातचीत की। उन्होंने मीडिया से चर्चा के दौरान शिविर के महत्व पर जोर दिया और शिविर में आयोजित प्रशिक्षण गतिविधियों की कुछ झलकियां प्रदान कीं। एयर कमोडोर वी एम रेड्डी ने कैडेटों के रहने के क्वार्टर का भी निरीक्षण किया और प्रदान की गई सुविधाओं पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की।

आवश्यक दस्तावेज के सज्ज रहे समूह-IV के उम्मीदवार

टीएसपीएससी ने जारी किया निर्देश

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) ने शुक्रवार को समूह-IV सेवा भर्ती के उम्मीदवारों को सभी आवश्यक प्रमाणपत्र प्राप्त करने और उन्हें सत्यापन के लिए तैयार रखने की सलाह दी। आयोग ने कहा कि वह जल्द ही समूह-IV सेवाओं के तहत रिक्तियों पर भर्ती के लिए प्रमाणपत्रों के सत्यापन के लिए सभी उम्मीदवारों के लिए 1:3 और पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों के लिए 1:5 के अनुपात में पिक-अप सूचियां प्रकाशित करेगा। टीएसपीएससी ने अपनी वेबसाइट पर ग्रुप-IV सेवाओं की सामान्य रैंकिंग सूची पहले ही जारी कर दी है।

सभी उम्मीदवारों को ईडब्ल्यूएस (वर्ष 2021 से 2022 के लिए), समुदाय, बीसी, पीडब्ल्यूडी के लिए गैर-क्रीमी लेयर और अध्ययन/निवास (कक्षा से सातवीं) से संबंधित आवश्यक प्रमाण पत्र प्राप्त करने की सलाह दी गई है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB/0471

अधिसूचना
सेन्ट्रल हास्पीटल,लालागुडा, सिकंदराबाद में सीनियर रेसिडेन्ट्स तथा अनुबंध आधारित कान्ट्राक्ट मेडिकल प्रैक्टिशनर की भर्ती

दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा, सेन्ट्रल हास्पीटल, लालागुडा में, अनुबंध के आधार पर, सीनियर रेसिडेन्ट्स(डाक्टर) तथा कान्ट्राक्ट मेडिकल प्रैक्टिशनर(सीएमपी) पदों की भर्ती के लिए, योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

पद	स्पेशालिटी	पदों की संख्या	दि.1-5-2024 नुसार अधिकतम आयु	शैक्षिक योग्यताएं
सीनि. रेसिडेन्ट	जनरल मेडिसीन	2(युआर-1,ओबीसी-	युआर-40 वर्ष, ओबीसी-43 वर्ष	पीजी/डीएम/डीएनबी (या) एनएमसी रजिस्ट्रेशन सहित संबंधित स्पेशलाइजेशन में डिप्लोमा
सीनि. रेसिडेन्ट	जनरल सर्जरी	1(युआर)	40 वर्ष	
कान्ट्राक्ट मेडिकल प्रैक्टिशनर (सीएमपी)	जनरल सर्जरी	1(युआर)	सेवा निवृत्त अधिकारियों के लिए 53 वर्ष एवं 67 वर्ष	

संपूर्ण विवरण हेतु आफिशियल वेबसाइट:www.scr.indianrailways.gov.in पर लागआन करें।
A0598
प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, सिकंदराबाद

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB/0472

सं.वाय/सी. ई-नीलामी/एचवायबी/2024-25 दि.16-05-2024

हैदराबाद डिवीजन में वाणिज्यिक संविदाओं हेतु ई-नीलामी सूचना

क्रम सं.	केटगिरी	कैटलाग नं.	कार्य विवरण	नीलामी तिथि	नीलामी शुरू समय	नीलामी बंद समय
1	पार्किन्ग	एचवायबी-पीआरकेजी-036	वनपर्थी रोड रेलवे स्टेशन पर पार्किन्ग लाट प्रदान करना	25.05.24	11:30	12:00
2	पार्किन्ग	एचवायबी-पीआरकेजी-037	04 रेलवे स्टेशनों पर जैसे सफिलगुडा,गुन्डला पोचमपल्ली,सिताफलमंडी व फलकनुमा पर पार्किन्ग लाट प्रदान करना	27.05.24	11:30	12:30
3	टीएम-एचवायबी-एसटीपीडी-जीइएन-1-24-1 (एटीएम जनरल)	एचवायबी-एटीएम-013	हैदराबाद डिवीजन के इन-गेट रेल निलयम पर एटोमेटेड टेल्लर मशीन(एटीएम) की व्यवस्था करना।	30.05.24	10.00	10.30
4	एएटीएम-एचवायबी-एसटीपीडी-जीइएन-44-24-1(एटीएम जनरल)		सिकंदराबाद के रेल निलयम परिसरों में डिजीटल बैन्किन्ग युनिट की स्थापना करना।		10.00	10.40
5	एटीएम-एचवायबी-एलजीडीएच-जीइएन-41-24-1(एटीएम जनरल)		हैदराबाद डिवीजन के कैरेज एन्ड वैगन वर्कशाप, लालागुडा इस्टेट क्षेत्र में एटोमेटेड टेल्लर मशीन(एटीएम) की व्यवस्था करना।		10.00	10.50
6	एटीएम-एचवायबी-एसटीपीडी-जीइएन-2-24-1(एटीएम जनरल)		हैदराबाद डिवीजन के आउट गेट रेल निलयम पर एटोमेटेड टेल्लर मशीन(एटीएम) की व्यवस्था करना।		10.00	11.00
7	एटीएम-एचवायबी-एसटीपीडी-जीइएन-3-24-1 (एटीएम जनरल)		हैदराबाद डिवीजन के तारनाका के पास इरीसेट काम्प्लेक्स में एटोमेटेड टेल्लर मशीन (एटीएम) की व्यवस्था करना।		10.00	11.10

A0599
वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

सफारी पार्क में शेरनी नीरजा ने चार मरे शावकों को दिया जन्म

इस बात को लेकर प्रशासन को लगा झटका

फाइल फोटो

इटावा, 17 मई (एजेंसियां)। इटावा सफारी पार्क में शेरनी नीरजा ने रात्रि को चार मरे हुए शावकों को जन्म दिया। शेरनी नीरजा गर्भवती थी और उससे बड़ी उम्मीदें सफारी पार्क प्रशासन को लगी हुई थीं लेकिन इन उम्मीदों को झटका लगा है। सफारी के निदेशक डा। अनिल कुमार पटेल ने बताया कि शेरनी नीरजा ने रात्रि को साढ़े नौ बजे से 12 बजे तक चार शावकों को जन्म दिया था। चारों मरे हुए पैदा हुए हैं। इन सभी को पोस्टमार्टम के लिए भारतीय पशु चिकित्सा संस्थान बरेली भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि शेरनी नीरजा पहली बार गर्भवती हुई थी। शेरनी के पहली बार गर्भवती होने के बाद शावकों के जन्म में कई दिक्कतें आती हैं। हालांकि शावकों के जन्म को लेकर सारी व्यवस्थाएं की गई थीं। इसके लिए पशु चिकित्सा विशेषज्ञ डा। आरके सिंह को भी बुलाया गया था।

अंकित ठाकुर निकला फैज मलिक

नशीला पदार्थ खिला किया दुष्कर्म, पुलिस से शिकायत

कानपुर, 17 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक युवक ने इंस्टाग्राम में अंकित ठाकुर के नाम से अकाउंट बनाकर हिंदू लड़की से दोस्ती की। कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। युवक की असली पहचान सामने आने के बाद युवती ने दूरी बनाने की कोशिश की। इसके बाद उसे धमकी मिली और कहा धर्म परिवर्तन कर शादी कर लो, नहीं तो अश्लील वीडियो वायरल कर देंगे। बजरंग दल के साथ पुलिस कमिश्नर ऑफिस पहुंची पीड़िता ने आप बीती सुनाई। बजरंग दल के संयोजक ने कानपुर को मिनी पाकिस्तान बताया।

जेपी नड्डा को पहचानने से तेज प्रताप यादव ने किया इनकार

कहा- हम नहीं जानते

पटना, 17 मई (एजेंसियां)। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और राजद नेता तेजप्रताप यादव ने पीएम मोदी के रोड शो पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी और अमित शाह को निशाने पर लिया है। तेजप्रताप यादव ने कहा कि पीएम आएं, चाहे उनके पिताजी आएं, कोई फर्क नहीं पड़ता। 'इंडिया' गठबंधन इंटैक्ट है पूरी तरह से, 'इंडिया' महागठबंधन की जीत होने जा रही है। बता दें, पीएम मोदी ने रविवार को पटना में एक रोड शो किया था। वहीं, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा, 'कौन है जेपी नड्डा, हम नहीं जानते'

मासूम बहनों की नाबालिग सौतेली बहन ने गला घोंटा, मौत

बिजनौर, 17 मई (एजेंसियां)। नूरपुर थाना क्षेत्र में दो मासूम बहनों को महज 13 साल की सौतली बहन ने मौत की नींद सुला दिया। शुक्रवार की सुबह गला दबाकर हत्या की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी किशोरी को हिरासत में लेकर घटना की छानबीन शुरू कर दी है। नूरपुर थाना क्षेत्र के गोहावर में दो मासूम बहनों ऋतु (07) और पवित्रा (05) की हत्या गुरुवार की रात कर दी गई। घटना के वक्त दोनों बहनें सो रही थी और उनकी गला घोंटकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है। सगे बहनों की हत्या में 13 साल की नाबालिग सौतेली बहन को पकड़ा गया है।

बैग में भरकर ले जा रहा था शख्स 68 लाख रुपये कैश, स्टेशन पर ही पुलिस ने दबोचा

बेगूसराय, 17 मई (एजेंसियां)। बिहार के बेगूसराय में रेलवे पुलिस ने रूटीन चेकिंग के दौरान एक शख्स से करीब 68 लाख रुपये बरामद किए हैं और शख्स को हिरासत में ले लिया है। इस दौरान पकड़े जाने पर शख्स ने कहा कि वह पैसे उसके नही बल्कि किसी रिश्तेदार के हैं, जिन्होंने सुरक्षा के लिहाज से पैसे उससे मंगवाए थे। फिलहाल पुलिस की टीम मामले की जांच में जुटी है। पकड़े गए शख्स का नाम नीतिश कुमार है। पुलिस के मुताबिक,नीतिश कुमार जब वंदे भारत ट्रेन से यात्रा कर स्टेशन पर उतरा था, उसके हाथ में एक काफी बड़ा बैग था। बैग को देखकर जीआरपी की टीम को उसपर शक हुआ। पुलिस की टीम ने नीतिश को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। यहां पुलिस अधिकारी शराब कारोबार पर रोक लगाने के लिए रूटीन चेकिंग करते हैं।

मिले इतने पैसे

पुलिस ने नीतिश के बैग की जांच की तो नजारा देख पुलिस के होश उड़ गए। पुलिस ने देखा कि नीतिश के बैग में काफी सारा कैश है। वहीं, नीतिश से जब पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उसके बैग में 67 लाख 28 हजार रुपये यानि करीब 68 लाख रुपये है।

बताया संबंधी का है पैसा

नीतिश के मुताबिक, वह पटना के मरांची का रहने वाला है।साथ ही कहा कि यह पैसा उसका नहीं है। बल्कि उसके एक संबंधी अनुराग कुमार का है, जो कि जो तेघड़ा थाना क्षेत्र के पिढौली के रहने वाले है।नीतिश ने बताया कि उसके संबंधी अनुराग का सिक्योरिटी और कंस्ट्रक्शन का कारोबार है। इसी वजह से सुरक्षा के लिहाज से वह इन पैसों को नीतिश के जरिए मंगवा रहा था, जिसे पुलिस ने बेगूसराय स्टेशन पर पकड़ लिया है।

यूपी धर्मांतरण विरोधी कानून के कुछ प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 25 का उल्लंघन, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

लखनऊ, 17 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि उत्तर प्रदेश धर्मांतरण विरोधी कानून (यूपी निषेध गैरकानूनी धर्म परिवर्तन अधिनियम, 2021) के कुछ प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत गारंटीकृत धर्म के मौलिक अधिकार का उल्लंघन कर सकता है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ कथित जबरन धर्म परिवर्तन के एक मामले में सैम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज (एसएचयूएटीएस) के कुलपति डॉ। राजेंद्र बिहारी लाल और अन्य आरोपी व्यक्तियों की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। शुआट्स के वीसी डॉ राजेंद्र बिहारी लाल और अन्य आरोपियों

को सुप्रीम कोर्ट ने राहत दी। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई फिलहाल रोक लगाते हुए कहा कि अगली तारीख तक इन मामलों में एफआईआर पर आगे कोई कार्रवाही नहीं होगी। इस मामले की अगली सुनवाई 2 अगस्त को निर्धारित की गयी है।

संविधान के अनुच्छेद 25 का उल्लंघन

न्यायमूर्ति मिश्रा ने कहा, "यह धर्मांतरण विरोधी कानून कुछ हद तक अनुच्छेद 25 का उल्लंघन प्रतीत हो सकता है।" अंततः वर्तमान याचिकाओं को आंशिक सुनवाई मानते हुए पीठ ने आदेश दिया कि सुनवाई की अगली तारीख तक एफआईआर में कोई आगे की कार्यवाही नहीं होगी। यूपी कानून के प्रावधानों के अनुसार, धार्मिक परिवर्तन के लिए जिला मजिस्ट्रेट की पूर्व मंजूरी आवश्यक है।

अवैध धर्मांतरण मामले में पीठ ने कही ये बात

पीठ ने पूछा, "जब आप धर्मांतरण कहते हैं तो यहां किस प्रकार का धर्मांतरण हुआ?" आरोपी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने जवाब दिया कि विचाराधीन रूपांतरण हिंदू धर्म से ईसाई धर्म में था। पीठ ने पूछताछ की कि क्या यह जबरदस्ती किया गया था? यह वास्तविक रूपांतरण था? दवे ने जवाब दिया कि धर्मांतरण के संबंध में इस दावे के साथ एफआईआर दर्ज की गई हैं कि जबरन धर्मांतरण कराया गया।

तालाब के किनारे ही बना लिया था पूरा सिस्टम

लोकसभा चुनाव में खतरनाक थे उसके मंसूबे

सिद्धार्थनगर, 17 मई (एजेंसियां)। इटवा पुलिस ने अवैध शस्त्र फैक्ट्री पकड़ने में सफलता प्राप्त की। मौके से 14 तमंचा, इसमें चार निर्मित व 10 अर्द्धनिर्मित तथा तीन खोखा कारतूस और शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत इन दिनों गठित की गई पुलिस टीमों द्वारा चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में इटवा पुलिस को मुखबिर से खबर मिली कि थाना क्षेत्र के ग्राम सड़वा के निकट स्थित तालाब के बगल अवैध रूप से शस्त्र बनाया जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार तिवारी के नेतृत्व में पुलिस मौके पर पहुंची और उक्त स्थान को घेर लिया। इसकी भनक लगते ही आरोपी भागने लगा, जिसे पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम इकबाल अहमद पुत्र बबलू उर्फ मुबारक बताया जो ग्राम चौखड़ा हाल पता सड़वा का रहने वाला है। पुलिस ने मौके से चार अदद तमंचा, जिसमें 3 अदद तमंचा-12 बोर व एक अदद तमंचा 315 बोर व 1-1 अदद नाल 12 बोर, तीन खोखा कारतूस सहित तमंचा बनाने के विभिन्न उपकरण बरामद किए। आरोपी के विरुद्ध इटवा थाने में गोवध निवारण व गैंगस्टर अधिनियम के तहत मुकदमा पहले से पंजीकृत है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पुलिस ने अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

हाई कोर्ट में दायर रिट याचिका पर

रोहिणी आचार्य की पहली प्रतिक्रिया, कह दी बड़ी बात

सारण, 17 मई (एजेंसियां)। लोकसभा सीट से चुनाव लड़ मैदान में उतरी रोहिणी आचार्य की उम्मीदवारी को लेकर पटना हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर की गई है। इस पर रोहिणी आचार्य की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने शुक्रवार को फेसबुक पर विरोधियों को निशाने पर लेते हुए पोस्ट किया है।

रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर क्या लिखा?

रोहिणी आचार्य ने फेसबुक पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया है, लेकिन सीधे तौर पर अपने विरोधियों यानी बीजेपी को उन्होंने निशाने पर लिया है। रोहिणी ने अपने पोस्ट में कहा है कि पराजय की प्रबल संभावना से विरोधी परेशान हैं। प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी मेरे नामांकन के संदर्भ में भ्रामक प्रचार कर रहे हैं। रोहिणी आचार्य ने लिखा, सारण की जनता, करेगी झूठ-फरेब के कारोबारी को परास्त, जब सारण की जनता जनार्दन है सच के और मेरे साथ तो नहीं सफल होगा सारण में प्रपंच-षडयंत्र का कोई भी कुत्सित प्रयास। अपने इसी पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा, जब सारण खड़ा है मजबूती से अपनी इस बेटी-बहन के साथ तो सफल नहीं होने वाला है कोई भी झूठा भ्रामक प्रचार। आप सबों से अनुरोध है कि अफवाहों को करें नजरअंदाज और झूठ के कारोबारी को हर हाल में करें परास्त।

राजीव प्रताप रुडी ने बताया है रोहिणी की उम्मीदवारी पर खतरा

बता दें कि सारण लोकसभा सीट पर चुनाव के लिए तीन दिन ही बचे हैं। पांचवें चरण में 20 मई को यहां चुनाव होना है। बीजेपी से राजीव प्रताप रूडी मैदान में हैं। बीते गुरुवार को राजीव प्रताप रूडी ने कहा था कि रोहिणी आचार्य के खिलाफ हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर की गई है। दायर रिट याचिका से रोहिणी आचार्य की उम्मीदवारी पर खतरा है। उन्होंने गलत जानकारी दी है। गलत पता दिया है।

नोएडा में 8 साल के बच्चे को 'पिटबुल' ने काटा मां की एफआईआर के बाद डॉगी को पालने वाला सलाखों के पीछे

नोएडा, 17 मई (एजेंसियां)। गौतमबुद्धनगर के नोएडा शहर के सेक्टर-117 सोरखा गांव में एक कुत्ते ने 8 साल के बच्चे को काट लिया। बच्चे की मां ने शिकायत देकर एफआईआर दर्ज करवाई है कि पिटबुल नस्ल के कुत्ते ने हमला किया है। घायल बच्चे का एक निजी अस्पताल में इलाज हुआ है। एफआईआर के बाद सेक्टर-113 थाना पुलिस ने कुत्ता पालने वाले को गिरफ्तार किया है। वहीं, पुलिस का कहना है कि काटने वाला कुत्ता पिटबुल नस्ल का नहीं है। पुलिस को दी गई शिकायत में सोहरखा गांव निवासी संतोष ने बताया कि 14 मई की शाम सात बजे उनका बेटा शिवम अपनी मामी के घर गया था, जो कि पड़ोस में मूलचंद के मकान में किराए पर रहती हैं। उन्होंने बताया कि मकान मालिक मूलचंद का बेटा अभिषेक पिटबुल नस्ल का कुत्ता पाला हुआ है।

बिहार कोर्ट का अनोखा फैसला

डीएम ऑफिस की नीलामी का निकाला इश्तेहार

हाजीपुर, 17 मई (एजेंसियां)। बिहार की हाजीपुर कोर्ट ने डीएम के कार्यालय की नीलामी का इश्तेहार निकाल दिया है, जिसे देखकर हर कोई हैरान है। हालांकि कोर्ट का ये फैसला प्रशासन की लापरवाही पर आया है। लालफीताशाही और मुआवजे में देरी के कारण कोर्ट ने डीएम के दफ्तर को ही नीलाम करने का फरमान जारी कर दिया है।

क्या है मामला?

दरअसल हाजीपुर में 24 साल पहले एक युवक की मौत हो गई थी। ये मामला साल 2000 का है। बिद्दूपुर थाने के चकसिकन्दर इलाके में सरकारी रोड रोलर के कारण एक युवक हादसे का शिकार हो गया। युवक का नाम फैज खलीफा था। इस हादसे में फैज की मौत हो गई।

6 साल से नहीं मिला मुआवजा

फैज खलीफा की मौत के बाद परिजनों ने अदालत का दरवाजा

खटखटाया और 19 साल बाद कोर्ट ने मामले पर फैसला सुनाया। 2019 में हाजीपुर कोर्ट ने परिजनों को 8 लाख 10 हजार 840 रुपए मुआवजा देने की बात कही। कोर्ट ने प्रशासन को दो महीने के अंदर रकम चुकाने का आदेश दिया। मगर प्रशासन सोता रहा और 6 साल बाद भी परिजनों को मुआवजे की राशि नहीं मिल सकी।

नीलाम होगा डीएम का दफ्तर

लिहाजा हाजीपुर कोर्ट ने सख्त कदम उठाते हुए कहा कि सरकारी संपत्ति की नीलामी करके सूत समेत मुआवजा चुकाया जाएगा। इसी के साथ कोर्ट ने डीएम के दफ्तर को ही नीलाम करने का आदेश दे दिया। कोर्ट का इश्तेहार देखकर सभी दंग रह गए। हालांकि कोर्ट के अगले फैसले तक डीएम ऑफिस की नीलामी नहीं होगी। अदालत ने केस की अगली तारीख 18 मई यानी शनिवार की दी है। इस दौरान कोर्ट रिपोर्ट पेश करेगी, जिसके बाद नीलामी की प्रक्रिया शुरू हो सकती है।

यूपी में भूसे की तरह सड़क और खेत में मिले नोट, पुलिस अधिकारी भी रहस्य में उलझे

हरदोई, 17 मई (एजेंसियां)। जिले में सड़कों पर और खेतों में भारी मात्रा में कटे-फटे नोट मिलने का मामला सामने आया है। नोटों को देखने पर ऐसा लग रहा है कि इन्हें किसी मशीन से काटा गया हो और फिर इसे फेंक दिया गया हो। मामला कासिमपुर थाना क्षेत्र के कस्बा गौसगंज के कछौना लिंक रोड का है। वहीं बड़ी मात्रा भारतीय नोटों की कतरन मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया है। नोटों की कतरनें इतनी अधिक मात्रा में थीं कि उनके जगह-जगह ढेर लगे हुए थे।

स्थानीय लोगों को जब इसकी जानकारी मिली तो मौके पर भीड़ जुटने लगी। वहीं इतनी अधिक मात्रा में नोटों की कतरन देखकर कई तरह के सवाल भी उठ रहे हैं। बता दें कि थाना कासिमपुर के कस्बा गौसगंज क्षेत्र के कछौना लिंक रोड पर श्याम सिंह और राजेंद्र सूबेदार के खेत के पास सड़क के किनारे स्थानीय लोगों ने बड़ी मात्रा में नोटों की बारीक कतरन दिखी। नोटों की कतरन को भूसे के जितना बारिक काटा गया है। वहीं नोटों की कतरन के ढेर देखते ही मौके पर लोग पहुंचने शुरू हो गए। देखते ही देखते इलाके में ये मामला चर्चा का विषय बन गया। कुछ ग्रामीण तो नोटों की कतरनें भरकर अपने-अपने घर भी ले जाने लगे। नोटों की कतरनें देखकर अनुमान लगाया जा रहा था कि किसी मशीन से इन नोटों को काटा और कतरा गया है।

'नकारात्मकता में डूब चुके हैं प्रधानमंत्री' तेजस्वी यादव ने कहा हर मुद्दे पर मौन क्यों हैं?

पटना, 17 मई (एजेंसियां)। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पीएम मोदी पर लगातार हमलावर हैं। उनका कहना है कि पीएम ने नौकरी, बेरोजगारी और महंगाई पर बात नहीं करते हैं। एक बार फिर उन्होंने शुक्रवार को अपने एक्स अकाउंट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने लिखा है, प्रधानमंत्री जी नकारात्मकता में इतने डूब चुके है कि विकास-निवेश और बिहार की बेहतरी के बारे में कभी कोई सकारात्मक बात नहीं करते?

पीएम मोदी पर क्या बोले तेजस्वी यादव?

तेजस्वी यादव ने पीएम पर निशाना साधते हुए कविता की शक्ल में एक पोस्ट लिखी है। जिसमें लिखा है, वो नौकरी, बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी,

पलायन और किसानों से लेकर बेटी, शिक्षा और बिहार को विशेष राज्य के दर्जे तक पर मौन हैं। कुछ नहीं बोल रहे हैं। उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा है कि पीएम नकारात्मकता डूब चुके हैं। विकास-निवेश और बिहार की बेहतरी के बारे में कभी कोई सकारात्मक बात नहीं करते हैं। 39 सांसद होने के बावजूद बिहार के किसी भी क्षेत्र में कोई काम नहीं हुआ। सिर्फ वोट मांगने के लिए आते हैं और फिर बिहार को दरकिनार कर देते हैं। तेजस्वी यादव ने लिखा है, प्रधानमंत्री जी नकारात्मकता में इतने डूब चुके हैं कि विकास-निवेश और बिहार की बेहतरी के बारे में कभी कोई सकारात्मक बात नहीं करते? में से सांसद देने के बावजूद मोदी सरकार ने बिहार के लिए क्या किया? ये वर्ष में सिर्फ़ चुनाव में वोट लेने आते है, उसके बाद बिहार को दरकिनार कर देते है

चुनाव के 3 फेज की तैयारी जोरों पर

बहरहाल चुनाव के समय में पक्ष और विपक्ष का एक दूसरे पर हमला करके जनता को अपने पक्ष करना तो स्वाभाविक है, लेकिन इस बार जनता किस मूड में है और हवा का रुख किस ओर है ये तो चुनाव नतीजों के बाद ही पता चलेगा। 4 फेज का चुनाव हो चुका है बाकी बचे 3 फेज की तैयारी जोरों पर हैं। तमाम नेता एक दूसरे पर हमलावर हैं। अपने कामों को जनता तक पहुंचाने में लगे हैं। ताकि चुनाव में जनता का ज्यादा से ज्यादा वोट हासिल हो सके, लेकिन आम लोगों के भी अपने स्थानीय मुद्दे हैं, परेशानी है, जतियता हावी है, अपने-अपने समीकरण है, आकलन हैं। अब किसकी बातों में कितना दम है ये तो समय ही बताएगा।

फरमान: देवबंद दारुल उलूम में महिलाओं की एंट्री पर रोक, रील बनाने से खफा है प्रबंधन

सहारनपुर, 17 मई (एजेंसियां)। इल्म की नगरी देवबंद से बड़ी खबर है। यहां दारुल उलूम परिसर में महिलाओं की एंट्री पर रोक लगा दी गई है। प्रबंधन का कहना है कि युवतियां परिसर में आती हैं रील बनाती हैं इससे तलबाओं की पढ़ाई प्रभावित होती है। देवबंद दारुल उलूम में युवतियों और महिलाओं के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। संस्थान के इस फैसले को सुनकर हर कोई हैरान है लेकिन प्रबंधन तंत्र ने इस फरमान को लेकर साफ शब्दों में कहा है कि महिलाएं दारुल उलूम के परिसर में रील बनाती हैं। महिलाओं की इस एक्टीविटी से तलबाओं की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसलिए परिसर में महिलाओं की एंट्री पर बैन लगाया गया है। प्रबंधन तंत्र ने स्थानीय मीडियाकर्मियों को दिए बयान में कहा है कि देवबंद दारुल उलूम परिसर से युवतियां और महिलाएं रील बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर रही थी। दुनियाभर से इसकी शिकायतें मिल रही थी। यह सिलसिला तेजी से बढ़ रहा था। पहले इस पर कम ध्यान नहीं दिया गया लेकिन अब महिलाओं की संख्या लगातार बढ़ रही थी। बहुत बड़ी संख्या में महिलाएं यहां आकर रील बना रही थी। इससे दुनियाभर में छवि धूमिल हो रही थी। प्रबंधन तंत्र का कहना है कि इसी को देखते हुए महिलाओं की एंट्री पर बैन लगाया गया है। देवबंद दारुल उलूम के मोहतमिम मौलाना मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी ने मीडियाकर्मियों को बताया कि किसी तालीमगाह में इस तरह के कृत्य उचित नहीं। दारुल उलूम में शिक्षा का नया सत्र शुरू हुआ है। परिसर में काफी भीड़ हैं। ऐसे में महिलाओं का भी अधिक संख्या में आना और घूमते-फिरते हुए रील बनाने जैसी गतिविधियों से तलबाओं की पढ़ाई प्रभावित होती है।

पत्नी के पथरी का ऑपरेशन कराने ले गया पति निकलवा दी किडनी, दहेज के 3 लाख रुपए के लिए बेचा

बरेली, 17 मई (एजेंसियां)। यूपी के बरेली से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने अपने पति पर चोरी से उसकी किडनी निकलवाने का आरोप लगाया था। महिला का कहना है की उसके पति ने पथरी ऑपरेशन की ड्रेसिंग के बहाने उसकी किडनी निकलवा ली ताकी वह दहेज के तीन लाख रुपये निकलवा सके।

महिला का आरोप है की उसके ससुरालवाले उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करते हैं। महिला का कहना है की दहेज के एवज में तीन लाख रुपए की ससुरालियों ने की कई बार मांग की थी। उसे कई तरह से प्रताड़ित किया गया, साथ

ही पति ने उसे पीटा भी। पीड़ित महिला ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। महिला ने थाने में पति समेत पांच ससुरालियों पर एफआईआर दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामले की जांच की शुरू कर दी है साथ ही पीड़ित महिला का मेडिकल भी कराया गया है। पीड़िता बरेली के शीशगढ़ थाने की बल्ली गांव की रहने वाली है। महिला ने आरोप लगाया है की उसका पति पेट में ड्रेसिंग करवाने के बहाने से उसे अस्पताल ले गया और बेहोश करके उसकी किडनी निकाल के बेच दी। विवाहिता पूजा का कहना है कि उसका विवाह साल 2017 में बरेली के हरीश बाबू से हुआ था। शादी के समय उसके पिता ने अपनी हैसियत के हिसाब से दान दहेज दिया था लेकिन शादी के कुछ समय बाद ही दहेज लोभी ससुरालयों ने नगदी की मांग शुरू कर दी और रोज उसके साथ मारपीट करने लगे। कई बार मायके वाले और ससुराल वालों ने बैठकर समझौता किया लेकिन थोड़े समय बाद फिर वैसी स्थिति आ जाती थी। उसने बताया कुछ दिनों पहले उसके पेट में दर्द हुआ। डॉक्टर से चेकअप कराया तो पता चला कि उसके पेट में पथरी है। पथरी का ऑपरेशन हुआ और उसको सही सलामत घर ले जाया गया। एक हफ्ते बाद जब उसको ड्रेसिंग करने के लिए दोबारा अस्पताल लाया गया तो उसके पति ने एक फार्म पर उसके साइन ले लिए।

महिला को बेहोश करके ऑपरेशन थियटर में ले गए। उसके बाद से उसे लगातार दर्द रहने लगा। बाद में महिला को पता चला कि उसकी एक किडनी को निकाल लिया गया है। जब पति से इस विषय में बात की गई तो पति और ससुराल वाले उसके साथ मारपीट करके मामले को शांत कर देते थे, लेकिन जब उसने घर आकर मेडिकल करवाया तो मेडिकल में एक किडनी निकालने की पुष्टि हो गई।

उंगली की जगह 4 साल की बच्ची की कर डाली जीभ की सर्जरी, डॉक्टर सस्पेंड

कोच्चि, 17 मई (एजेंसियां)। केरल में हतप्रभ करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक चार साल की बच्ची को उसकी छठी उंगली हटाने के लिए गुरुवार को सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल के एक ऑपरेशन थियेटर में ले जाया गया था। लेकिन घंटों बाद जब वह सर्जरी के बाद बाहर आई तो जानकारी मिली कि उंगली के बजाय जीभ की सर्जरी कर दी गई है। परिवार के मुताबिक, चिकित्सा महाविद्यालय के मातृत्व एवं बाल देखभाल केंद्र में बच्ची की छठी उंगली को हटाने के लिए सर्जरी की जानी थी। उन्होंने बताया कि गलती तब सामने आई जब सर्जरी के बाद उन्होंने बच्ची के मुंह में रूई देखी जिसके बाद उन्होंने पूरे प्रकरण की अपने स्तर पर जांच की। परिवार के सदस्यों ने बताया कि बारीकी से देखने पर पता चला कि बच्ची के हाथ के बजाय जीभ की सर्जरी की गई है।

चुनाव के बाद कभी भी भाजपा के साथ जा सकते हैं अरविंद केजरीवाल, सुखबीर बादल का दावा

चंडीगढ, 17 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के तहत चार चरणों का चुनाव समाप्त हो चुका है। वहीं, आने वाले 3 चरणों के लिए सभी दल प्रचार में अपना जोर लगा रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में कांग्रेस के साथ गठबंधन किया है लेकिन पंजाब में दोनों ही दल अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा कभी लंबे समय तक एक साथ रही भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल भी अलग-अलग ही चुनाव लड़ रही है। ऐसे समय में पंजाब की राजनीतिक पार्टी शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने एक चौंकाने वाले दावा किया है।

भाजपा के साथ जाने वाले हैं केजरीवाल- सुखबीर

चुनाव प्रचार के दौरान शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने संवादातओं से बात की है।

इस दौरान उन्होंने दावा किया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल जल्द ही भाजपा में शामिल हो सकते हैं (या साथ जा सकते हैं)। उन्होंने कहा कि अब कैंपेन दल दिन भी नहीं रह गया है। सुखबीर ने आगे कहा कि वह चुनाव के बाद किसी भी वक्त भाजपा के साथ जा सकते हैं।

आप-एसएडी को वोट देना मतलब भाजपा का समर्थन- कांग्रेस

दूसरी ओर पंजाब प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने बृहस्पतिवार को लोगों को आगाह किया कि आम आदमी पार्टी और शिरोमणि अकाली दल के पक्ष में मतदान करने का मतलब है कि वे परोक्ष रूप से भाजपा की मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि दोनों में से कोई भी दल भाजपा को हराने की स्थिति में नहीं है, इसलिए दोनों दल केवल भाजपा विरोधी वोट काटेंगे। उन्होंने कहा कि अगर आप भाजपा को हराना चाहते हैं तो आपके लिए एकमात्र विकल्प कांग्रेस को वोट देना है।

पंजाब में कब होंगे चुनाव?

पंजाब में लोकसभा की कुल 13 सीटें हैं और यहां चुनाव एक ही चरण में संपन्न कराएगा। पंजाब में लोकसभा चुनाव के अंतिम यानि 7वें चरण में 1 जून को मतदान होगा। इसके साथ ही यहां मतगणना 4 जून को ही होगी। बता दें कि देश के विभिन्न हिस्सों में पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल, दूसरे चरण का 26 अप्रैल, तीसरे चरण का 07 मई, चौथे चरण का मतदान 13 मई, पांचवें चरण का मतदान 20 मई, छठे चरण का मतदान 26 मई और सातवें चरण का मतदान 1 जून को संपन्न कराया जाएगा।

कमलनाथ का भाजपा पर चुनाव को सांप्रदायिक रंग देने का आरोप

कहा- इनके ढोल की खुल गई पोल

भोपाल, 17 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ ने शुक्रवार को यह दावा किया कि बीजेपी की पोल खुल गई है। बीजेपी चुनाव को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश कर रही है लेकिन जनता शिक्षा और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों पर टिकी हुई है। कमलनाथ ने साथ ही कहा कि देश की जनता को समझ आ गया है कि देश के विकास का मतलब जन-जन का विकास होता है। पूर्व सीएम कमलनाथ ने 'एक्स' पर लिखा, 'इस लोकसभा चुनाव में भाजपा के ढोल की पोल खुल गई है। भारतीय जनता पार्टी शुरू से ही चुनाव को सांप्रदायिक रंग देने और जनता को बुनियादी मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रही है लेकिन जनता शिक्षा, रोज़गार, महंगाई और विकास जैसे बुनियादी मुद्दों पर टिकी हुई है। यह चुनाव देश की जनता की जागृति की अद्भुत मिसाल है।' कमलनाथ ने आगे लिखा, "अब भारत के 140 करोड़ लोगों को अच्छी तरह समझ आ गया है कि देश के विकास का मतलब जन-जन का विकास होता है। और यह विकास तब तक नहीं हो सकता, जब तक नौजवान को रोज़गार, किसानों को फ़सल का उचित मूल्य, महिलाओं को आर्थिक सहायता, व्यापारी को व्यापार करने का अनुकूल माहौल और समाज के वंचित वर्ग को बराबरी की हिस्सेदारी नहीं मिलती।" कमलनाथ ने दावा किया कि कांग्रेस के न्याय पत्र ने देश के नागरिकों में नई आशा और ऊर्जा का संचार किया है। चुनाव के पहले चार चरणों में मतदाता कांग्रेस के पक्ष में आए हैं और बाक़ी के तीन चरण में उससे भी ज़्यादा समर्थन कांग्रेस पार्टी को देने वाले हैं। बता दें कि मध्य प्रदेश की सभी लोकसभा सीटों पर मतदान संपन्न हो चुका है। मतदान का नतीजा 4 जून को आएगा।

'महंगाई को 'डायन' बताने वाले अब उसे 'डार्लिंग' बना घूम रहे हैं'

कांग्रेस नेता रागिनी नायक का बीजेपी पर हमला

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। दिल्ली लोकसभा चुनाव प्रचार प्रसार के बीच कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाने पर लेते हुए कहा, जनता हो होने वाली परेशानियों से बीजेपी कोई लेना देनान नहीं है। बीजेपी वाले एक तरफ बहन-बेटियों को 'लाड़ली' कहते हैं और दूसरी तरफ वह महंगाई की चौतरफा मार सह रही बहन-बेटियों का मजाक बनाते हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी के लिए उस बहन-बेटी के आंसू की कोई कीमत नहीं है।

यूपीए सरकार के कार्यकाल में जिस महंगाई को बीजेपी वाले 'डायन' कहते थे, आज उसे 'डार्लिंग' बना घूम रहे हैं। महंगाई

का हाल यह है कि आज लोगों के पास थाली है तो खाना नहीं, डिग्री है तो नौकरी नहीं, वाहन है तो पेट्रोल-डीजल नहीं, सिलेंडर है तो एलपीजी गैस नहीं, शौचालय है तो पानी नहीं, जीवन है पर सुख-चैन नहीं। इसके बावजूद पीएम मोदी जी इसे 'अच्छे दिन' और 'अमृतकाल' बताते हैं।

'दूध, दही, पनीर पर भी लगा दी जीएसटी'

रागिनी नायक का दावा है कि दूध, दही, पनीर, छाछ जैसी खाने पीने की चीजों से लेकर रोजमर्रा की जरूरी चीजों पर भी इस सरकार ने जीएसटी लगा दी है। विडंबना देखिए, अस्पताल के बिस्तर पर 5 फीसदी जीएसटी है और हीरों पर 1.5 प्रतिशत। पिछले 7 से 8 वर्षों में मोदी सरकार ने पूंजीपतियों के 16 लाख करोड़ रुपए के लोन माफ किए। कॉरपोरेट सेक्टर के लिए करीब 1।5 लाख करोड़ टैक्स की कटौती की गई। आम जनता से 27.5 लाख करोड़ रुपए इंधन टैक्स के रूप में वसूला गया। देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी ने तो प्याज की बढ़ती कीमतों से पल्ला झाड़ते हुए कह दिया था कि "मैं तो प्याज नहीं खाती" यानि प्याज महंगी हो तो जनता प्याज खाना छोड़ दें। इसी तर्ज पर पेट्रोल-डीजल सेन्चुरी लगाए तो तो बैलगाड़ी चलाने लगें। एलपीजी सिलेंडर 1100 रुपये का हो जाए तो चूल्हा फूंकने लगें। 2 करोड़ नौकरी जुमला साबित हो तो नाली की गैस से पकोड़ा तलने लगें।

पीएम बताएं- कौन किसका मंगलसूत्र छीन रहा?

कांग्रेस नेता रागिनी ने कहा, अभी मोदी जी मंगलसूत्र की बात कर रहे थे। जब सोना 75 हजार रुपये तोला कर दिया है। मोदी जी ने कितनी मां-बहनों सोने का मंगलसूत्र बनवा पा रही हैं, ये सभी जानते हैं। अब बताइए, कौन- किसका मंगलसूत्र छीन रहा है?

डॉक्टर की लापरवाही: शहडोल में छह साल के मासूम की इलाज के अभाव में हुई मौत

शहडोल, 17 मई (एजेंसियां)। आदिवासी बाहुल्य शहडोल जिले में सरकारी स्वास्थ्य सेवा की पोल खोलने वाली एक घटना सामने आई है। जिले के ब्यौहारी क्षेत्र गोपालापुर बुढ़वा के रहने वाले 6 वर्षीय रमेश विश्वकर्मा की तेज बुखार के चलते अचानक तबियत खराब होने के बाद उसे उपचार के लिए सिविल अस्पताल ब्यौहारी लाया गया, जहां एक ड्यूटी डॉक्टर द्वारा जांच के नाम पर मरीज के परिजनों से पहले 1100 रुपए ले लिए और इलाज भी नहीं किये। इस दौरान बच्चे की हालात बिगड़ती चली गई। परिजन बार-बार डॉक्टर से इलाज की गुहार लगाते रहे, लेकिन डॉक्टर इलाज करने नहीं आए, जिससे इलाज के अभाव में बच्चे की मौत हो गई,

पीओके वापस लेने के लिए क्यों है 400 सीटों की जरूरत? हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कारण

गुवाहाटी, 17 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के बीच पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की चर्चा जोरों पर है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर समेत भाजपा के सभी दिग्गज नेता एक सुर में पीओके को भारत का अटूट हिस्सा बता रहे हैं। भाजपा पूरे चुनाव में लोगों से 400 पार सीटें मांग रही हैं। ऐसे समय में सवाल उठ रहे हैं कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस लेने के लिए 400 सीटों की ही जरूरत क्यों है? ये काम बहुमत के लिए जरूरी 272 सीटों के साथ ही क्यों नहीं हो सकता? अब इस सवाल का जवाब भाजपा नेता और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने दिया है।

क्यों चाहिए 400 सीटें?

पीओके को वापस लेने के लिए 400 सीटों की जरूरत के सवाल पर हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि सिर्फ 272 सीटों के साथ यह संभव नहीं है। तब बहुत सारे ऐसे लोग होंगे जो कहेंगे कि पाकिस्तान के पास परमाणु बम है, उन्होंने चूड़ियाँ नहीं पहनी हैं वगैरह। हिमंत ने कहा कि हमारी संसद में पाकिस्तान के बहुत सारे दोस्त होंगे। इसलिए पीओके के भारत में विलय के लिए एक निर्णायक नेता और दृढ़ संसद जरूरी है।

पीओके भारत का हिस्सा है- अमित शाह

इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह ने कहा था कि पीओके भारत का हिस्सा है और इस पर हमारा अधिकार है, इसको कोई झुठला नहीं सकता। फारूक अब्दुल्ला और कांग्रेस के नेता आज कह रहे हैं कि पाकिस्तान के पास परमाणु बम है। पीओके की मांग न करिए। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि 130 करोड़ की आबादी वाला देश क्या किसी से डरकर अपने अधिकार जाने देगा। राहुल गांधी को बताना चाहिए कि पाकिस्तान के सम्मान की बात करके उनकी पार्टी के लोग क्या कहना चाहते हैं?

अखिलेश यादव का विवादित बयान, साध्वी निरंजन ज्योति को कहा- 'घटिया और खटारा इंजन'

फतेहपुर, 17 मई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने फतेहपुर से बीजेपी सांसद और केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति को लेकर विवादित बयान दिया है, जिसे लेकर वो विवादों में आ गए हैं। सपा अध्यक्ष ने फतेहपुर सीट से बीजेपी प्रत्याशी साध्वी निरंजन ज्योति को घटिया, खराब और खटारा इंजन बता दिया। अखिलेश यादव फ़तेहपुर में सपा प्रत्याशी नरेश उत्तम पटेल के समर्थन में चुनाव प्रचार करने पहुंचे था, जहां उन्होंने साध्वी निरंजन ज्योति पर निशाना साधते हुए ये विवादित बयान दे डाला। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, बताओ फतेहपुर वाला इंजन जो बार-बार चीख रहा है वो घटिया इंजन। खराब इंजन है या नहीं। बर्बाद इंजन है या नहीं

साध्वी निरंजन ज्योति को कहा- खटारा इंजन

उन्होंने आगे कहा, 'ये जो खटारा इंजन है फतेहपुर वाला इसके लिए हम एक गाना लेकर आए हैं। दिल्ली में बना है ये गाना। आपने सुना होगा।

बताओ ऐसे सांसद को हटाओगे या नहीं। अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, पिछले दस साल से डबल इंजन की सरकार जिले से बारिश का गंदा पानी भी नही निकाल पाई। अखिलेश यादव का ये बयान ऐसे समय में आया है जब अखिलेश यादव गुरुवार को ही राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल पर दिए बयान को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं।

महाराष्ट्र में सीएम पद को लेकर देवेंद्र फडणवीस का बड़ा बयान, 'बीजेपी बड़ी पार्टी है'

मुंबई, 17 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में पांचवे चरण का चुनाव 20 मई को है। इस दिन मुंबई की 6 सीटों समेत कुल 13 सीटों पर मतदान होगा। राज्य में बीजेपी ज्यादा से ज्यादा सीटें जितने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। लोकसभा चुनाव के बीच डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस का सीएम पद को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। देवेंद्र फडणवीस ने कहा, विधानसभा में 115 सीटों के साथ बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी है। अगर हम शिवसेना और एनसीपी की संख्या को जोड़ दें, तो भी बीजेपी बहुत आगे है। इसलिए हम अपने सहयोगियों से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि बीजेपी सीएम की कुर्सी पर दावा करेगी। सीएम कौन होगा इसका फैसला हमारा संसदीय बोर्ड हमारे सहयोगियों के परामर्श से करेगा।

महायुति में सीटों का बंटवारा

महाराष्ट्र के लोकसभा चुनावों में बीजेपी 'बड़े भाई' की भूमिका में है। बीजेपी राज्य में शिवसेना और एनसीपी की तुलना में सबसे ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। महायुति गठबंधन में सीटों का विभाजन पहले ही हो चुका है, जिसके अनुसार बीजेपी 28 सीटों पर, शिवसेना 15 सीटों पर, एनसीपी 4 सीटों पर और राष्ट्रीय समाज पक्ष 1 सीट पर चुनाव लड़ रही है। गठबंधन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि और राज्य सरकार के कार्यों को सामने रखकर 45 सीटों को जितने का लक्ष्य रखा है। बीजेपी जिन 28 सीटों पर अपनी ताकत आजमा रही है, उनमें मुंबई और नागपुर के विभिन्न क्षेत्रों सहित चंद्रपुर, भंडारा-गोंदिया, गढ़चिरौली-चिमूर, अकोला, अमरावती, वर्धा, नांदेड़, लातूर, सोलापुर, माढ़ा, सातारा, रत्नागिरि-सिंधुदुर्ग, नंदुरबार, जलगांव, रावेर, जालना, पुणे, सांगली, अहमदनगर, बीड, धुले, डिंडोरी, पालघर और भिवंडी शामिल हैं।

एनसीपी और शिवसेना किन सीटों पर लड़ रही चुनाव

एनसीपी बारामती, रायगढ़, धाराशिव और शिरूर से चुनावी दंगल में उतर रही है, जबकि शिवसेना मुंबई दक्षिण, मुंबई उत्तर पश्चिम, मुंबई दक्षिण मध्य, ठाणे, नासिक, कल्याण, कोल्हापुर, हातकणंगले, हिंगोली, यवतमाल-वाशिम, शिरडी, रामटेक, बुलढाणा, मावल और औरंगाबाद से अपने प्रत्याशी खड़े कर रही है।

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव 2019 के नतीजे

लोकसभा चुनाव 2019 के नतीजों की अगर बात करें तो बीजेपी ने कुल 25 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जहां पार्टी ने 23 सीटें जीती थी। शिवसेना ने 22 में से 18 सीटें अपने नाम कीं। दोनों दलों ने मिलकर कुल 48 लोकसभा सीटों में से 41 सीटें जीतीं, जबकि एनसीपी ने चार, कांग्रेस, एमआईएम और एक निर्दलीय प्रत्याशी ने एक-एक सीट पर विजय प्राप्त की थी।

नौकरियां खत्म करने से आरक्षण ही ख़त्म हो गया

अमित शाह के बयान पर बोले राजद सांसद मनोज झा

पटना/दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर राजद सांसद मनोज झा ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उनके पास संविधान को बदलने के कई तरीके हैं। गोलवलकर ने 'बंच ऑफ थॉट्स' लिखी थी, क्या उनमें से किसी ने कहा कि हम उस किताब को अस्वीकार करते हैं और हमारा उससे कोई लेना-देना नहीं है? 'नौकरियां खत्म करने से आरक्षण ही ख़त्म हो गया' मनोज झा ने कहा कि इस पुस्तक (संविधान) में, अनुच्छेद 15 और 16 में सार्वजनिक रोजगार में आरक्षण के बारे में बात की गई है। अमित शाह ने जनता को कितना रोजगार दिया? नौकरियां खत्म करने से आरक्षण ही ख़त्म हो गया। अमित शाह के रवैये के अनुसार, न तो देश और न ही संविधान उनके हाथों में सुरक्षित है इंदिरा गांधी के पास 400 (लोकसभा सीटें) नहीं थीं, लेकिन उन्होंने बांग्लादेश बनाया क्योंकि उनके पास हिम्मत और हौसला था जो आपमें नहीं हो सकता।

वहीं, आज कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव की रायबरेली में होने वाली जनसभा पर मनोज झा ने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण रैली है क्योंकि कल अमेठी और रायबरेली के लिए चुनाव प्रचार का अंतिम दिन है।

'2024 तो छोड़िए 2029 में भी पीएम बनेंगे मोदी'

अरविंद केजरीवाल के दावे पर राजनाथ सिंह का दो टूक जवाब

लखनऊ, 17 मई (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र के रिटायरमेंट को लेकर कुछ दिनों पहले दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि एक साल के बाद नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे और अमित शाह को पीएम बना दिया जाएगा। सीएम केजरीवाल के इस दावे पर भाजपा नेता लगातार जवाब दे रहे हैं। 17 मई को केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने सीएम केजरीवाल के दावे पर जवाब देते हुए कहा, मेरी बात आप सुन लीजिए। भारतीय जनता पार्टी के एक वरिष्ठ नेता होने के नाते ये मैं कहना चाहता हूं कि 2024 में भी वो भारत के प्रधानमंत्री बनेंगे और 2029 में भी वो भारत के प्रधानमंत्री बनेंगे। 'पीएम मोदी की वजह से दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी' राजनाथ सिंह ने आगे कहा,मैं समझता हूं कि इससे ज्यादा स्पष्ट रूप से और कुछ कहा नहीं जा सकता। जिस व्यक्ति ने देश का नाम दुनिया में बढ़ाया हो। पीएम मोदी ने देश की प्रतिष्ठा बढ़ाई हो। 2014 से पहले जो देश देश अर्थव्यवस्था के नाम पर 14वें नंबर पर था वो आज के समय दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है।

अगले साल पीएम मोदी रिटायर हो जाएंगे: अरविंद केजरीवाल

शराब घोटाले में जेल से पैरोल पर बाहर निकलने वाले अरविंद केजरीवाल ने कहा था,मैं बीजेपी से पूछता हूं कि उनका पीएम कौन होगा? मोदी जी अगले साल 17 सितंबर को 75 साल के हो रहे हैं।उन्होंने नियम बनाया था कि 75 साल के लोगों को रिटायर कर दिया जाएगा। अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा,लोकसभा चुनाव 2024 में नरेंद्र मोदी को वोट देने का मतलब अमित शाह को वोट देना है, क्योंकि नरेंद्र मोदी अगले बरस 75 साल के हो जाएंगे और उनके रिटायर हो जाने के बाद अमित शाह प्रधानमंत्री बनेंगे।

कांग्रेस ने संविधान की प्रस्तावना में बदलाव किया: राजनाथ सिंह

विपक्षी नेता लगातार ये दावे कर रहे हैं कि अगर चुनाव में एनडीए को 400 से ज्यादा सीटें मिलती है तो संविधान बदल दिया जाएगा। विपक्ष के इन दावों पर राजनाथ सिंह ने कहा कि संविधान में सबसे ज्यादा संशोधन उन्होंने (कांग्रेस) ने किए हैं। हम सभी चाहते थे कि संविधान की प्रस्तावना में कोई बदलाव न किया जाए, लेकिन कांग्रेस सरकार ने 1976 में जब इंदिरा गांधी प्रधान मंत्री थीं तब इसमें बदलाव किया गया।

मुंबई क्राइम ब्रांच को मिली घाटकोपर होर्डिंग हादसे की जिम्मेदारी, इन पहलुओं की होगी जांच

मुंबई, 17 मई (एजेंसियां)। मुंबई में आंधी चलने के दौरान घाटकोपर इलाके में एक विशाल होर्डिंग गिर गई थी जिसकी चपेट में आने पर कई लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के आरोपी को जहां गिरफ्तार किया जा चुका है वहीं इस मामले की जांच की जिम्मेदारी अब क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई है। पुलिस ने इस मामले में सोमवार को एफआईआर दर्ज कर ली थी। मुंबई के घाटकोपर इलाक़े में स्थित पेट्रोल पंप पर तेज़ हवा के चलते एक होर्डिंग गिर गई थी। इस घटना में 16 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी जबकि 75 लोग घायल हुए हैं। इस मामले में मुंबई पुलिस ने मुख्य आरोपी भावेश प्रभुदास भिंडे को उदयपुर से गिरफ्तार किया है। भिंडे के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि यह होर्डिंग अवैध थी क्योंकि यहां पर 40 एक्स 40 के होर्डिंग की इजाजत थी और जो होर्डिंग लोगों पर गिरी है उसकी माप 120 एक्स 120 फीट पाई गई। क्राइम ब्रांच को संभवतः इस एंगल से भी जांच करनी होगी कि अगर यह अवैध होर्डिंग थी तो फिर इतने दिनों तक प्रशासन की नजर क्यों नहीं गई और आखिरकार इस पर पहले कार्रवाई क्यों नहीं हुई। भावेश भिंडे एक कंपनी ईगो नाम की कंपनी का मालिक है। यह पहली बार नहीं है जब भिंडे के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है जबकि उसके खिलाफ रेप और छेड़छाड़ का भी केस दर्ज है। वह फिलहाल जमानत पर बाहर है।

उधर, घाटकोपर के होर्डिंग हादसे के बाद राहत कार्य करीब 66 घंटा चला। एनडीआरएफ ने सूचना मिलते ही राहत अभियान शुरू कर दिया था। इसके अलावा बीएमसी, मुंबई पुलिस, बीपीसीएल, मुंबई अग्निशमन विभाग और महानगर गैस भी अभियान में शामिल रहा। यहां लोग होर्डिंग के नीचे दब गए थे जबकि कई गाड़ियां भी दबी हुई थीं। एक दर्दनाक दृश्य भी सामने आया जब एक कार से बुजुर्ग दंपत्ति का शव बरामद किया गया जिनकी कार होर्डिंग के नीचे दब गई थी।

मनाली के होटल के कमरा नंबर-302 में भोपाल की शीतल का कत्ल, बैग में मिली लाश, आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, 17 मई (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल के शाहपुरा थाना क्षेत्र में रहने वाली एक 24 वर्षीय युवती की हिमाचल प्रदेश के मनाली में एक होटल के अंदर हत्या हो गई है। हत्या होटल में युवती के साथ रुके उसके हरियाणा के पलवल निवासी दोस्त विनोद ठाकुर के रूप में हुई है। युवती भोपाल से माता-पिता को बिना बताए 5 मई को सुबह करीब ग्यारह बजे के बार घर से लापता हुई थी। हालांकि उसने दिल्ली और फिर मनाली के लिए टिकट पहले ही बुक करा लिया था। परिजनों का आरोप है कि शाहपुरा पुलिस में गुमशुदगी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया था, लेकिन पुलिस ने बेटी को तलाशने कोई कार्य नहीं किया। हालांकि शाहपुरा थाना प्रभारी ने कहा कि युवती के परिजनों ने कोई गुमशुदगी दर्ज नहीं कराई थी। जानकारी के अनुसार 24 वर्षीय शीतल कौशल पिता कैलाश कौशल शाहपुरा थाना क्षेत्र में रहती है।

वह भोपाल के सरोजिनी नायडू स्नातकोत्तर महाविद्यालय (नूतन कॉलेज) से स्नातक की पढ़ाई की है। उसकी दोस्ती सोशल मीडिया के जरिए हरियाणा के पलवल निवासी विनोद ठाकुर से हुई थी। मनाली पुलिस ने पूछताछ के बाद जो जानकारी मीडिया को बताई है, उसके अनुसार मनाली के जिस एक होटल के कमरा नंबर 302 में मनाली के आधार कार्ड पर दोनों रूके थे। विनोद ठाकुर का कोई दस्तावेज भी होटल वालों ने जमा नहीं कराया था। शीतल और विनोद 13 मई को मनाली पहुंचे थे। होटल में शीतल का आधारकार्ड रजिस्टर्ड किया गया था। 14 मई को दोनों सिस्सू घूमने गए थे। शाम को वापस आने के बाद दोनों ने कमरे में ही होटल से खाना मंगवाकर खाया। कल 15 मई की शाम को विनोद ठाकुर ने होटल के मैनेजर से वोल्वो बस स्टैंड जाने के लिए टैक्सी मंगवाई। टैक्सी पहुंचने के बाद विनोद अकेला ट्रॉली बैग लेकर टैक्सी में बैठने जा रहा था। बैग भारी होने के कारण विनोद ठाकुर उसे अकेला संभाल नहीं पा रहा था। विनोद के साथ जो युवती होटल में ठहरी थी, वह भी नहीं दिख रही थी। इसके बाद होटल के कर्मचारियों को विनोद ठाकुर पर शक हुआ तो उन लोगों ने पूछताछ की और पुलिस का सूचना दे दी। इसके बाद विनोद ठाकुर वहां से अपना बैग छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने बैग की तलाशी ली तो उसमें भोपाल निवासी शीतल कौशल की लाश मिली।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 18 मई - 2024

दीदीगीरी को चुनौती

ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में बीजेपी से अपनी जमीन बचाने के लिए अकेले संघर्ष कर रही हैं। उनके इंडिया ब्लॉक के सहयोगी कांग्रेस और वाम दल ही उनकी राह में कांटे बिछाए हुए हैं। 2011 में टीएमसी ने वाम मोर्चे की 34 साल की सरकार को उखाड़ फेंका था। उनका नारा मां, माटी और मानुष ने वामपंथी दलों की चूलें हिला दीं थीं, लेकिन बंगाल अपने पुराने ढर्रे पर ही चलता रहा। टीएमसी ने वामपंथियों की तरह वैचारिक क्षेत्रवाद को बढ़ाया, जो बंगाली भद्रलोक ही बांग्ला संस्कृति को सर्वश्रेष्ठ बनाते हैं। इस विचारधारा में निम्न वर्ग और छोटे लोगों का स्थान नहीं है। बीजेपी ने टीएमसी की इस कमजोरी को पकड़ लिया है। बीजेपी ने 2019 से भद्र लोक से इतर उन तबकों में पैठ बनाने की कोशिश की, जिसे बंगाल की राजनीति में उचित हिस्सेदारी नहीं मिली। तिरस्कृत बंगाली तबके ने भी अपनी सियासी ताकत दिखाई और बीजेपी को बड़ी ताकत दी। बंगाल की राजनीति में हाशिये में पड़े मतुआ समुदाय के लोग रोटी और मछली जैसे हक के लिए बीजेपी के करीब होते गए। बीजेपी ने मतुआ को हिंदुत्व से जोड़ने की कोशिश की। इस समुदाय ने भी हिंदू धर्म के भीतर सम्मान की तलाश में रामनवमी और जन्माष्टमी जैसे त्योहारों को मनाना शुरू कर दिया। टीएमसी का समर्थन करने बंगाली भद्र लोक ने राम और कृष्ण से जुड़े इन त्योहारों को बंगालियों पर थोपने का आरोप लगाया। इस विवाद का असर यह रहा कि मतुआ वोटर बीजेपी और टीएमसी में बंट गए। मतुआ के दूसरे गुट की अगुवाई ममता बाला ठाकुर टीएमसी समर्थक हैं और उन्हें राज्यसभा के लिए नॉमिनेट किया गया है। ममता ठाकुर सीएए का विरोध करती हैं। मतुआ समुदाय के लोग 10 लोकसभा क्षेत्रों में जीत-हार तय करते हैं। भाजपा ने एससी-एसटी समुदाय में आने वाली जातियों को भद्रलोक की राजनीति के मुकाबले खड़ा कर दिया। हिंदू की नई परिभाषा दी। अब मीट-मछली खाने वाले और शराब पीने वाली जातियां भी खुद को हिंदू कहतीं हैं और बीजेपी को वोट देती है। 2019 में बीजेपी ने बंगाल में 42 में से 18 सीटें और 40.6 प्रतिशत वोट हासिल किया। टीएमसी को 22 सीटें और 43.3 फीसदी वोट मिले थे। लेकिन 2021 के विधानसभा चुनावों में बीजेपी के वोट में 2.6 फीसदी की गिरावट हुई और पार्टी सिर्फ 77 सीटें जीतीं। लोकसभा चुनाव के दौरान संदेशखाली में रेप के मामले और राज्यपाल सीवी आनंद बोस पर उत्पीड़न की खबरों के बीच भी वह टीएमसी के लिए मजबूत प्रतिद्वंद्वी बनी हुई है। बीजेपी अगर मिडिल और हाई क्लास में पैठ बना लेती है तो उसे बंगाल में ज्यादा सीटें मिल सकती हैं। एक तथ्य यह है कि 1971 के बाद से जिस पार्टी को बंगाल की 42 लोकसभा क्षेत्रों में से ज्यादा सफलता मिलीं, दिल्ली में उसकी सरकार नहीं बनी। इस चुनाव में हाशिये पर पड़ा लेफ्ट-वाम मोर्चा गठबंधन भी बीजेपी और टीएमसी के मुकाबले में है। बंगाल में इंडिया ब्लॉक का नमोनिशान नहीं है, इसलिए मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर त्रिपक्षीय मुकाबला हो रहा है। अगर मुस्लिम वोट टीएमसी से छिटके तो बीजेपी को फायदा हो सकता है। वोट काटने वाली पार्टियां अभी से ही बंगाल में होने वाले अगले विधानसभा चुनाव में अपनी जमीन हासिल करने की तैयारी कर रही हैं। बंगाल ब्रिटिश शासन के दौरान एक मुस्लिम बाहुल्य प्रांत था। आज भी बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है। इस चुनाव के नतीजे बताएंगे कि ममता की भद्रलोक पर दीदीगीरी चलेगा या नहीं?

डंडे पर झंडे कैसे-कैसे

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

राजनीति के रंगमंच में झंडा महज लहराता नहीं है, बल्कि उसका नृत्य शेक्सपियर के त्रासदी नाटकों और दिन भर के धारावाहिकों की तरह नाटकीयता से भरा होता है। यह एक प्रतीक है जो व्यंग्य और विडंबना से लैस है, जिससे किसी भी राजनीतिक निंदक की आँतें गुदगुदी से भर उठती हैं।

इस झंडे को महज एक कपड़े का टुकड़ा मानना भूल होगी, यह तो हर नेता की अलमारी में रखा एक सुपरहीरो का केप है। सुबह होते ही हमारे शूरवीर नेता इस केप को धारण कर लेते हैं, तैयार होते हैं ऊँची इमारतों को एक ही छलांग में पार करने के लिए—या कम से कम ऐसा वादा तो कर ही सकते हैं। यह राजनीतिक झंडा, अपनी जीवंतता और आकर्षण के साथ, भीड़ के ऊपर उठाया जाता है जैसे वादों का मशाल, जो अक्सर कैंडी की तरह मजबूत और स्थायी होते हैं। रंगों का क्या कहना! प्रत्येक रंग का चयन इत्तेफाक से नहीं बल्कि राजनीतिक सलाहकारों के अल्केमी से किया जाता है, जो बताते हैं कि नीला विश्वास का, लाल शक्ति का, और सफेद मासूमियत का प्रतीक है। लेकिन विडंबना देखिए, जब ये राजनीतिक धुलाईघर में मिलते हैं, तो अक्सर अस्पष्टता के धुंधले शेड्स में बदल जाते हैं। झंडा वीरतापूर्वक लहराता है, रंगों का एक भंवर, हर लहराहट मतदाताओं की ओर इशारा करती है, मुझ पर विश्वास करो, मैं अपने कपड़े के रंग जितना स्थिर हूँ। तारों, धारियों, या फैब्रिक पर अपना दावा जमाने वाले किसी भी प्रतीक को न भूलें।

ये महज डिजाइन नहीं बल्कि शक्ति की पहेलियों को उकेरने वाले हायरोग्लिफ्स हैं। तारे शायद नेताओं की आकाश-उच्च महत्वाकांक्षाओं का या राजनीतिक चुनौतियों के अंधेरे ब्रह्मांड को नेविगेट करने की क्षमता का अनुस्मारक होते हैं। धारियाँ? वे शायद उस बार को दर्शाती हैं जब नेता मुद्दों पर अपनी स्थिति बदल चुके होते हैं। वास्तव में, झंडे पर हर प्रतीक एक मिनी-राजनीतिक घोषणापत्र होता है, जिसे केवल उन्हीं लोगों द्वारा पढ़ा जा सकता है जिनके पास निराशा में डूबी व्यंग्य की अंगूठी हो।

इन झंडों का प्लेसमेंट शतरंज के खेल में चालों की तरह रणनीतिक होता है। सार्वजनिक कार्यालयों के बाहर, वे हवा में लहराते हैं, निरंतर सरकार की निगरानी की याद दिलाते हैं। रैलियों में, वे हाथ में लहराए जाने वाले जादू की छड़ियों में बदल जाते हैं, जिसे समर्थक विश्व कप फाइनल में खेल प्रशंसकों की तरह उत्साह के साथ लहराते हैं। और विज्ञापनों में? अह, वे राजनीतिज्ञ के वादों की तरह सर्वव्यापी होते हैं, पृष्ठभूमि में सुंदरता से लटके होते हैं, जितना सूक्ष्मता से एक स्लेजहैमर नट को क्रैक करता है। इस पल को सराहने दें कि ये झंडे बहसों और सार्वजनिक उपस्थितियों के दौरान किस प्रकार नियुक्त किए जाते हैं। यहाँ, ये महज सजावट के रूप में ही नहीं बल्कि अडिग साथी के रूप में काम करते हैं, जो तब भी मजबूत खड़े रहते हैं जब सामने पेश किए गए तर्क नहीं करते। जब एक राजनेता किसी प्रश्न को टालता है, तो झंडा अपनी उपस्थिति में अटल रहता है। यह हर चुनावी शॉट में अंतिम फोटोबॉम्ब है, जो सुनिश्चित करता है कि इसके रंग सार्वजनिक दृष्टि में उस समय तक रक्तिम हो जाएं, जब तक कि भाषण गूंज में फीके न पड़ जाएं। और मतदान के बूथ की शांत एकांतता में, क्या झंडे की शक्ति बनी रहती है? यह एक उत्सुक विचार है। आखिरकार, झंडा वोट नहीं देता; यह केवल लहराता है। यह उस खेल का मौन चियरलीडर है जहाँ स्कोर तालियों के बजाय बैलट में गिने जाते हैं। चुनाव के समय में, झंडा विशेष रूप से नाटकीय हो जाता है। यह हर जगह होता है, वसंत के मौसम में खरगोशों की तरह गुणा करता है। हर सड़क के कोने, हर बटनहोल, हर व्यापारिक सामग्री पर एक झंडा होता है।

ममता बनर्जी ने चार चरण के बाद क्यों बदली रणनीति ?

अशोक भाटिया

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि अगर लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में इंडिया ब्लॉक की सरकार बनती है तो उनकी पार्टी इस सरकार को बाहर से अपना समर्थन देगी। गौर करने वाली बात ये है कि कुछ हफ्ते पहले ही ममता बनर्जी ने कहा था कि पश्चिम बंगाल में इंडिया ब्लॉक से कोई गठबंधन नहीं है। तब इंडिया ब्लॉक के तहत कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे पर असहमति जाहिर करने वालीं ममता बनर्जी ने कहा था मैंने विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यहां तक कि गठबंधन का नाम भी मेरे द्वारा दिया गया था लेकिन यहां पश्चिम बंगाल में, सीपीआई (एम) और कांग्रेस भाजपा के लिए काम कर रहे हैं।

गौरतलब है कि लोकसभा के चुनाव सात चरणों में हो रहे हैं। 80 सीटों वाले उत्तर प्रदेश, 40 सीटों वाले बिहार की ही तर्ज पर 42 सीटों वाले पश्चिम बंगाल में भी इस बार लोकसभा चुनाव के सभी चरणों में मतदान होना है। सात में से चार चरण का मतदान हो चुका है। पश्चिम बंगाल की 42 में से 18 सीटों के लिए वोट डाले जा चुके हैं, 24 सीटों के लिए वोटिंग होनी है और सूबे की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मतदान के चार पड़ाव पार होने के बाद चुनाव बाद की रणनीति को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का रुख स्पष्ट कर दिया है।

टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने कहा है कि हम इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करेंगे, गठबंधन सरकार का बाहर से समर्थन करेंगे और दिल्ली में ऐसी सरकार बनाएंगे जिससे बंगाल के लोगों को कोई दिक्कत न हो। उन्होंने एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए ये भी कहा कि लेफ्ट-कांग्रेस पर विचार ना करें, बंगाल में ये हमारे साथ नहीं हैं। ये भाजपा के साथ हैं। ममता बनर्जी के इस बयान के सियासी मायने तलाशे जाने लगे हैं। सवाल ये भी उठ रहे हैं कि ममता बनर्जी को चार चरण के बाद इंडिया ब्लॉक के समर्थन की बात क्यों कहनी पड़ी?

राजनीतिक विश्लेषक अमिताभ तिवारी ने कहा कि यह राज्य का नहीं, देश की सरकार चुनने का चुनाव है। भाजपा के साथ सूबे के प्रो मोदी मतदाता इंटैक्ट हैं। एंटी भाजपा वोट के दो प्रमुख दावेदार हैं- ममता बनर्जी की अगुवाई वाली टीएमसी और कांग्रेस-लेफ्ट गठबंधन। ममता बनर्जी भी इस बात को बखूबी समझ रही हैं कि कांग्रेस-लेफ्ट गठबंधन जितनी मजबूती से लड़ेगा, टीएमसी को इसका उतना ही नुकसान उठाना पड़ेगा और इसीलिए वह इस तरह के बयान दे रही हैं। उनकी रणनीति एंटी भाजपा वोटर्स को यह संदेश देने की है कि भाजपा को रोकना है तो टीएमसी ही विकल्प है।

ममता के इस बयान के पीछे 2019 चुनाव के आंकड़े भी वजह बताए जा रहे हैं। पिछले आम चुनाव में पश्चिम बंगाल की 42 में से 18 सीटों पर जीत-हार का अंतर 0.1 फीसदी से 8.5 फीसदी के बीच रहा था। क्लोज कॉन्टेस्ट वाली 18 में से दो सीटों पर कांग्रेस को जीत मिली थी और बाकी 16 में से आठ-आठ सीटें टीएमसी और भाजपा ने जीती थीं। क्लोज कॉन्टेस्ट वाली इन सीटों पर तीन से चार फीसदी वोट स्विंग भी नतीजे बदल सकता है। भाजपा की रणनीति सूबे में पीएम मोदी की लोकप्रियता कैश कराने के साथ ही भ्रष्टाचार और संदेशखाली जैसे मुद्दे पर आक्रामक प्रचार के जरिए मतदाताओं को अपने पाले में लाने की है तो वहीं टीएमसी की कोशिश अपने वोटर्स को इंटैक्ट रखते हुए इसे और बढ़ाने की है। भाजपा का स्ट्रॉन्ग होल्ड माने जाने वाले उत्तर बंगाल में मतदान हो चुका है जहां पार्टी को आठ में से सात सीटों पर जीत मिली थी। अब साउथ बंगाल यानी कोलकाता और आसपास की सीटों पर वोटिंग की बारी है।

साल 2019 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा के मजबूती से उभरने तक सूबे की सियासत में टीएमसी और लेफ्ट-कांग्रेस ही मुख्य प्रतिद्वंद्वी हुआ करते थे। दोनों ही दलों का वोट शेयर और सीटों का ग्राफ चुनाव दर चुनाव गिरता चला गया। ममता बनर्जी ने पहले कांग्रेस नेतृत्व की ओर से मान-मनौव्वल के बावजूद पश्चिम बंगाल में टीएमसी के अकेले लड़ने का ऐलान किया तो उसके पीछे भी अस्तित्व तलाश रहे इन दो दलों को फिर से खड़े होने के लिए अपनी जमीन नहीं देने की रणनीति को 2014 का प्रदर्शन दोहराने की कवायद से जोड़कर देखा गया।

अब अगर ममता बनर्जी यह कह रही हैं कि हम दिल्ली में समर्थन करेंगे तो इसके पीछे दिल्ली के लिए एक सॉफ्ट सिग्नल है। ममता और उनकी पार्टी के नेता शुरू से ही सूबे में कांग्रेस के साथ चुनाव नहीं लड़ पाने के लिए अधीर रंजन चौधरी पर हमलावर रहे हैं लेकिन कांग्रेस नेतृत्व को लेकर आक्रामक बयानबाजियों से परहेज भी किया।

कांग्रेस नेतृत्व भी पश्चिम बंगाल में चुनाव को पार्टी के नजरिए से कितनी गंभीरता से ले रहा है इसे इस बात से भी समझा जा सकता है कि चार चरण में सूबे की 18 सीटों पर मतदान हो गया लेकिन राहुल गांधी, प्रियंका गांधी जैसे नेताओं की एक भी चुनावी रैली नहीं हुई। वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश अश्क ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व भी भविष्य में टीएमसी से गठबंधन की संभावनाएं खुले रखना चाहता है। शायद यही वजह है कि पार्टी बंगाल की लड़ाई अधीर बनाम ममता ही रहने देने की रणनीति पर चल रही है। पिछले चुनाव में टीएमसी, भाजपा , कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियां, सभी अलग-अलग चुनाव मैदान में थे। टीएमसी और भाजपा ने सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे तो वहीं कांग्रेस ने 40 और सीपीएम ने 31 सीटों पर। टीएमसी 43.7 फीसदी वोट शेयर के साथ 22 सीटें जीतने में सफल रही थी और 19 सीटों पर पार्टी के उम्मीदवार दूसरे स्थान पर रहे थे।

भाजपा को 40.6 फीसदी वोट शेयर के साथ 18 सीटों पर जीत मिली थी और 22 सीटों पर पार्टी दूसरे स्थान पर रही थी। वोटों के लिहाज से देखें तो टीएमसी को कुल मिलाकर 2 करोड़ 47 लाख 56 हजार 985 वोट मिले थे और भाजपा को 2 करोड़ 30 लाख 28 हजार 343। दोनों दलों के बीच वोटों के लिहाज से 17 लाख वोट का अंतर था और कांग्रेस-सीपीएम को ही मिला लें तो दोनों को 68 लाख वोट मिले थे। साल 2014 के चुनाव की बात करें तो टीएमसी को तब 39.8 फीसदी वोट शेयर के साथ 34 सीटों पर जीत मिली थी। 9.7 फीसदी वोट शेयर के साथ कांग्रेस को चार, सीपीएम को 23 फीसदी वोट शेयर के साथ दो और भाजपा को 17 फीसदी वोट शेयर के साथ दो सीटें मिली थीं। 2019 में टीएमसी को 2014 के मुकाबले 12 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा था।

उधर पश्चिम बंगाल कांग्रेस के प्रमुख अधीर रंजन चौधरी ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के ख़िलाफ़ फिर से कड़ी टिप्पणी कर रहे है। ममता के इस बयान पर कि तृणमूल कांग्रेस इंडिया गठबंधन को बाहर से समर्थन देगी, अधीर रंजन चौधरी ने ममता को अवसरवादी राजनेता करार दिया। उन्होंने कहा कि ममता ने अपनी विश्वसनीयता गँवा दी है और उनका यह बयान अब राष्ट्रीय राजनीति में बने रहने की एक चाल है। कांग्रेस नेता की यह तीखी टिप्पणी ममता के इस दावे के एक दिन बाद आई है कि लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद इंडिया गठबंधन केंद्र में सरकार बनाएगा और टीएमसी उसे बाहर से समर्थन देगी। उन्होंने ममता बनर्जी को एक अवसरवादी राजनेता भी करार दिया जिन्होंने बदलते राजनीतिक माहौल को महसूस करने के बाद अपना रुख बदल लिया। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कहा, 'यह साफ़ दिख रहा है कि इंडिया गठबंधन आगे बढ़ रहा है और सरकार बनाने की कगार पर है और यही कारण है कि एक चतुर और अवसरवादी नेता के रूप में ममता बनर्जी ने पहले ही अपना समर्थन देने का फैसला किया है।' उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी विश्वसनीयता गँवा दी है। वह इस वास्तविकता को समझ गई हैं कि मतदाता इंडिया गठबंधन की ओर बढ़ रहे हैं। उन्हें एहसास हो गया है कि वह राष्ट्रीय राजनीति में अलग-थलग पड़ गयी हैं।

बीजेपी के गढ़ बुंदेलखंड में किसकी होगी आवाज बुलंद ?

मुनीष त्रिपाठी

यूपी के बुंदेलखंड में चार लोकसभा सीटें हैं । पिछले दो लोकसभा चुनाव में चारों भाजपा के खाते में गई थीं. 2024 में भी भाजपा ने इन सीटों पर अपने पुराने उम्मीदवारों पर ही भरोसा जताया है, लेकिन इस बार जीत के साथ पार्टी के लिए हैट्रिक लगाना आसान नहीं । समय के साथ बदलाव ने भाजपा के सामने कड़ी चुनौती खड़ी कर दी है ।

चौथे चरण के लिए 11 मई को चुनाव प्रचार बंद होने से बाद से ही इटावा से चित्रकूट को जोड़ने वाले बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर आवाजाही बढ़ गई थी. पिछले कई दिनों से इटावा, कन्नौज, फर्रुखाबाद, अकबरपुर, कानपुर में डेरा जमाए राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं ने बुंदेलखंड एक्सप्रेस के जरिए अपने नए ठिकानों पर पहुंचना शुरू कर दिया था ।

पांचवें चरण के तहत यूपी के बुंदेलखंड की चार लोकसभा सीटों पर 20 मई को मतदान होना है और जैसे जैसे यह तारीख नजदीक आ रही है, आल्हा-ऊदल की धरती पर सियासी तपिश बढ़ती जा रही है. बुंदेलखंड में बांदा-चित्रकूट, हमीरपुर-महोबा-तिंदवारी, जालौन-भोगनीपुर गरौठा और झांसी-ललितपुर चार लोकसभा की सीटें हैं । वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में ये सभी सीटें भारतीय जनता पार्टी के खाते में गई हैं. इस बार भी भाजपा ने इन सभी सीटों पर अपने पुराने उम्मीदवारों को ही मैदान में उतारा है. झांसी-ललितपुर सीट पर ताल ठोकने वाले सियासी सूरमाओं में कोई नया नहीं है यहां से भाजपा के उम्मीदवार अनुराग शर्मा दोबारा संसद पहुंचने की ताक में हैं, तो इनके सामने इंडिया गठबंधन के तहत कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे प्रदीप जैन आदित्य राह में बाधा हैं ।

वर्ष 1980 में बैद्यनाथ ग्रुप के संस्थापक विश्वनाथ शर्मा झांसी-ललितपुर संसदीय सीट से सांसद चुने गए थे । फिर उन्होंने 1984 में इस सीट पर लोकदल से ताल ठोकी लेकिन हार गए. इसके बाद वे हमीरपुर से सांसद चुने गए. 39 वर्ष बाद विश्वनाथ शर्मा के बेटे अनुराग शर्मा ने भाजपा के टिकट पर झांसी से चुनाव जीतकर अपने पिता की विरासत पर कब्जा जमाया था. वहीं, कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे प्रदीप जैन आदित्य ने बुंदेलखंड महाविद्यालय में छात्र राजनीति से सियासी सफर शुरू किया । वे कांग्रेसी ही रहे और राहुल गांधी के करीबी भी । 2003 में बहुजन समाज पार्टी सरकार में विधायक व पूर्व मंत्री पं.रमेश कुमार शर्मा ने इस्तीफा दे दिया था. इसके अगले साल हुए उपचुनाव में जीतकर प्रदीप विधानसभा पहुंचे । 2007 में एक बार फिर वे विधानसभा पहुंचे।

वर्ष 2009 में प्रदीप ने विधायकी छोड़ सांसदी का चुनाव लड़ा और झांसी से देश की सबसे बड़ी पंचायत यानी लोकसभा पहुंचे. उन्हें केंद्र में मंत्री भी बनाया गया । इसके बाद कई सियासी जंग में हार का सामना करने वाले प्रदीप को इस बार कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के गठबंधन से अपनी नैय्या पार लगने की आस है. हालांकि बसपा ने अयोध्या के रहने वाले रवि मौर्य को अपना उम्मीदवार बनाया है जिनसे दलित और अति पिछड़े मतदाताओं में कुछ सेंधमारी होने की संभावना बढ़ी है ।

बांदा-चित्रकूट लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी आरके सिंह पटेल दूसरी बार मैदान में हैं । सपा-कांग्रेस गठबंधन से पहले शिव शंकर सिंह पटेल को टिकट दिया गया था. उनकी पत्नी कृष्णा देवी पटेल का भी नामांकन कराया गया था । दस्तावेजों की जांच में गड़बड़ी मिलने पर शिव शंकर का पर्चा खारिज हो गया. अब उनकी पत्नी कृष्णा देवी सपा से मैदान में हैं. वहीं, बसपा से मयंक द्विवेदी ताल ठोक रहे हैं । इस सीट पर ब्राह्मण मतदाताओं की खासी तादाद होने के चलते बसपा उम्मीदवार ने भाजपा की चिंता बढ़ा दी है. इसी तरह की चिंता हमीरपुर-महोबा-तिंदवारी लोकसभा सीट पर भी है । यहां भाजपा से पुष्पेंद्र सिंह चंदेल, सपा-कांग्रेस गठबंधन से अजेंद्र सिंह लोधी व बसपा से निर्दोष कुमार दीक्षित चुनावी मैदान में ताल ठोक रहे हैं. इस सीट से जहां भाजपा प्रत्याशी जीत की हैट्रिक लगाने की तैयारी में हैं तो सपा-कांग्रेस गठबंधन पीडीए समीकरण के जरिए अपनी ताकत दिखाने की कोशिश कर रहा है । बसपा ने ब्राह्मण प्रत्याशी को मैदान में उतारकर मुकाबला त्रिकोणीय बना दिया है ।

नामांकन के समय जालौन संसदीय सीट से 11 उम्मीदवारों ने अपना दावा पेश किया गया था । लेकिन इनमें से पांच ने तो बीच में ही मैदान छोड़ दिया. अब भाजपा से वर्तमान सांसद भानु प्रताप वर्मा, इंडिया गठबंधन से सपा प्रत्याशी नारायण दास अहिरवार और बसपा से सुरेश चंद्र गौतम के बीच मुकाबला है । सपा और बसपा प्रत्याशी जहां नए चेहरे हैं, इनका यह पहला लोकसभा चुनाव है । वहीं भाजपा के भानु प्रताप के पास पांच बार सांसद रहने का गहरा अनुभव है और अब वे जीत की हैट्रिक तलाश रहे हैं ।

राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि बुंदेलखंड क्षेत्र की सीटों पर प्रत्याशी और पार्टी की कुछ लहर के साथ प्रमुख रूप से जाति के आधार पर वोट पड़ते हैं । पिछले दस सालों से इन सीटों पर अभी तक ऐसा ही देखा गया है । हालांकि इस बार विश्लेषक टिकट वितरण और बदले राजनीतिक माहौल को लेकर कुछ उलटफेर होने की संभावना से इनकार नहीं कर रहे हैं. इसका आभास विजयी भाजपा प्रत्याशियों को भी है । इसीलिए उम्मीदवारी घोषित होते ही सभी अपने इलाके में सुबह शाम चुनाव प्रचार करने के लिए जुट गए थे ।

आरिफ मोहम्मद की अयोध्या यात्रा

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

अयोध्या धाम के भव्य श्री राम मंदिर में दर्शनार्थियों की संख्या कम नहीं हो रही है। मंदिर लोकार्पण के बाद से यह सि ल सि ला अनवरत जारी है। यहां प्रतिदिन लघु भारत के भी दर्शन होते है। भाषा अलग है। लेकिन श्रद्धा भाव समान है। भीषण गर्मी में भी किसी का उत्साह कम नहीं है। अयोध्या की सड़कें, मंदिर सभी जगह श्री राम की जय जयकार गूंजती रहती है। एक दूसरे की जो भाषा भी जो नहीं समझते वह भी जय श्री राम से परस्पर अभिवादन करते है। श्री राम लला के दर्शन कर लोग भावविह्वल होते है। दर्शनार्थियों के इस हुजूम में केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी शामिल हैं। उन्होंने श्री राम लला के दर्शन किए। मत्था टेका। उन्होंने समाजिक सौहार्द का एक बड़ा संदेश दिया है। आरिफ मोहम्मद अपने राष्ट्रवादी विचारों के लिए प्रसिद्ध हैं। वह ऊर्दू फारसी हिंदी संस्कृत आदि अनेक भाषाओं के जानकर हैं। बहुत अध्ययनशील हैं। अपने संबोधन में वह वेद पुराण उपनिषदों का उद्धहरण देते हैं। भारतीय संस्कृति की महत्ता का प्रतिपादन करते है. कहते हैं कि यह भारत है जिसने ज्ञान और उसके प्रसार का मानवीय चिंतन दुनिया को दिया. सूर्य सिद्धांत यूरोपीय पुनर्जागरण का आधार है.नौवीं शताब्दी में भारतीय सूर्य सिद्धांत ग्रंथ को लेकर भारतीय मनीषी अरब गए थे. बगदाद के सुल्तान ने उसका अनुवाद कराया. इसके बाद ग्रह ग्रंथ स्पेन के राजा ने मंगवाया. उसका अनुवाद वहां हुआ. युरोपीय पुनर्जागरण इसी भारतीय सिद्धांत पर आधारित है.

उपनिषद कहते हैं ज्ञान प्राप्त करो फिर उसको साझा करो. कपिल मुनि ने ज्ञान प्राप्त किया. फिर उसे अपनी माँ को सुनाया. यह प्रसार की ही ललक थी. भारतीय चिंतन में सेवा सहायता पूजा की भांति है. इसमें भेदभाव नहीं है. इस भारतीय विरासत पर अमल तय हो जाए तो सभी कार्य अपने आप होते चलेंगे. भारतीय ज्ञान का सारांश गीता में हैं. भारत मे ज्ञान की पूजा हुई. इस मार्ग से भटके तभी भारत परतंत्र हुआ. ज्ञान का प्रसार बंद कर दिया. इसलिए गुलाम हुए. जो ज्ञान को साझा नहीं करता वह सरस्वती का उपासक नहीं खलनायक होता है. महामना मालवीय ने इसी चेतना का जागरण किया. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय इसका एक निमित्त या पड़ाव मात्र है. भारतीय संस्कृति का जागरण हो रहा हैं. ज्ञान की तरह पवित्र करने वाला कुछ नहीं है.ब्रह्मचारी वह है जो विद्यार्थि है.जिसमें जिज्ञासा है. विज्ञान का महत्व है. विज्ञान प्रकृति पर नियन्त्रण का प्रयास करता है. ज्ञान ब्रह्म की ओर ले जाता है.भारत आगे बढ़ रहा है. लेकिन कोई यह नहीं कहता कि भारत खतरा है. क्योंकि भारत की यह संस्कृति नहीं है. एकता का आधार आत्मा है. मनुष्य ही नहीं जीव जन्तु सभी में आत्मा है. इसलिए भेदभाव नहीं होना चहिये. आरिफ मोहमद जनवरी में मणिराम दास छावनी में हुए अयोध्या उत्सव में सहभागी हुए थे। उसमें उन्होंने कहा था कि राम मंदिर के निर्माण से पूरा देश गर्व महसूस कर रहा है। उस खुशी में हिस्सा लेने के लिए आया हूं। श्रीराम का जीवन हमें सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। भक्ति आंदोलन की शुरुआत दक्षिण में उत्तर भारत से काफी पहले हो गई थी। आंदोलन में श्रीराम को अवतार के रूप में देखा गया है।

क्यों आदर्श आचार संहिता की नज़ीर पेश नहीं होती ?

प्रियंका सौरभ

आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) भारत के चुनाव आयोग द्वारा राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए उनके चुनाव प्रचार में मर्यादा बनाए रखने के लिए जारी दिशानिर्देशों का एक सेट है। इसमें चुनाव से पहले नेताओं और पार्टियों के लिए क्या करें और क्या न करें की एक सूची दी गई है। आदर्श आचार संहिता चुनावी धोखाधड़ी की समस्याओं से निपटने का प्रयास करती है और यह गारंटी देती है कि चुनाव निष्पक्ष और कानूनी रूप से आयोजित किए जाते हैं। आदर्श आचार संहिता राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को ऐसी किसी भी गतिविधि में भाग लेने से रोकती है जो पहले से मौजूद तनाव को बढ़ा सकती है, दुश्मनी को बढ़ावा दे सकती है। एक दूसरे के प्रति, और विभिन्न जातियों, समुदायों, धार्मिक और भाषाई समूहों के बीच संघर्ष को जन्म देता है। एमसीसी राजनीतिक दलों से अपने मंच की स्पष्ट व्याख्या और चुनाव के दौरान आवश्यक धन जुटाने की योजना की सामान्य रूपरेखा प्रदान करने का आग्रह करता है। आदर्श आचार संहिता का उद्देश्य सत्ता में मौजूद पार्टी द्वारा अपनी उपलब्धियों का प्रचार करने के लिए सरकारी मशीनरी के उपयोग पर प्रतिबंध लगाकर असमानताओं को कम करना है।

आचार संहिता लगने के बाद किसी भी तरह की सरकारी घोषणाएं, योजनाओं की घोषणा, परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास या भूमिपूजन के कार्यक्रम नहीं किया जा सकता। सरकारी गाड़ी, सरकारी विमान या सरकारी बंगले का इस्तेमाल चुनाव प्रचार के लिए नहीं किया जा सकता है।

किसी भी पार्टी, प्रत्याशी या समर्थकों को रैली या जुलूस निकालने या चुनावी सभा करने से पहले पुलिस से अनुमति लेनी होगी। कोई भी राजनीतिक दल जाति या धर्म के आधार पर मतदाताओं से वोट नहीं मांग सकता न ही वह ऐसी किसी गतिविधि में शामिल हो सकता है जिससे धर्म या जाति के आधार पर मतभेद या तनाव पैदा हो। राजनीतिक दलों की आलोचना के दौरान उनकी नीतियों, कार्यक्रम, पूर्व रिकार्ड और कार्य तक ही सीमित होनी चाहिए। अनुमति के बिना किसी की ज़मीन, घर, परिसर की दीवारों पर पार्टी के झंडे, बैनर आदि नहीं लगाए जा सकते। मतदान के दिन शराब की दुकानें बंद रहती हैं। वोटरों को शराब या पैसे बाँटने पर भी मनाही होती है।

मतदान के दौरान ये सुनिश्चित करना होता है कि मतदान बूथों के पास राजनीतिक दल और उम्मीदवारों के शिविर में भीड़ इकट्ठा न हों। शिविर साधारण हों और वहां किसी भी तरह की प्रचार सामग्री मौजूद न हो। कोई भी खाद्य सामग्री नहीं परोसी जाए। सभी दल और उम्मीदवार ऐसी सभी गतिविधियों से परहेज करें जो चुनावी आचार संहिता के तहत 'भ्रष्ट आचरण' और अपराध की श्रेणी में आते हैं- जैसे मतदाताओं को पैसे देना, मतदाताओं को डराना-धमकाना, फ़र्ज़ी वोट डलवाना, मतदान केंद्रों से 100 मीटर के दायरे में प्रचार करना, मतदान से पहले प्रचार बंद हो जाने के बाद भी प्रचार करना और मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक ले जाने और वापस लाने के लिए वाहन उपलब्ध कराना। राजनीतिक कार्यक्रमों पर नज़र रखने के लिए चुनाव आयोग पर्यवेक्षक या ऑब्ज़रवर नियुक्त करता है। आचार संहिता लागू होने के बाद चुनाव आयोग की इजाज़त के बिना किसी सरकारी अधिकारी या कर्मचारी का तबादला नहीं किया जा सकता है।

भारत के चुनाव आयोग को 1968 के चुनाव चिह्न आदेश के माध्यम से आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने पर किसी पार्टी की मान्यता निलंबित करने या वापस लेने का अधिकार है। इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप पार्टी को अपना आरक्षित प्रतीक खोना पड़ सकता है, जिससे उसकी चुनावी भागीदारी प्रभावित हो सकती है। ईसीआई को सभी पार्टियों और उम्मीदवारों पर एमसीसी लागू करने में तटस्थ रहना चाहिए। एमसीसी को कानूनी समर्थन देने के लिए चुनाव सुधारों पर स्थायी समिति के प्रस्ताव की जांच और जांच करना आवश्यक है।नई प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग से निपटने के लिए एमसीसी में संशोधनः फेसबुक और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के दुरुपयोग को संबोधित करने के लिए, जिनका उपयोग चुनाव के दिन जनता की राय को प्रभावित करने के लिए किया जाता है, एमसीसी को संशोधित किया जाना चाहिए, और ईसीआई की क्षमता का विस्तार किया जाना चाहिए।

एमसीसी उल्लंघन के मामलों को जल्द से जल्द निपटाने के लिए विशेष फास्ट-ट्रैक अदालतें बनाई जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 दिशानिर्देशों के उल्लंघन के लिए आपराधिक कार्यवाही शुरू करने के लिए ईसीआई को निर्देश भी दे सकता है। हालाँकि एमसीसी के पास कोई वैधानिक समर्थन नहीं है, लेकिन चुनाव आयोग द्वारा इसके सख्त कार्यान्वयन के कारण पिछले दशक में इसे ताकत हासिल हुई है। इन उपायों को लागू करके, भारत का चुनाव आयोग देश में चुनावों की अखंडता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने, आदर्श आचार संहिता को बनाए रखने में अपनी भूमिका को और मजबूत कर सकता है।

सभी नियमों को जानने-समझने के बाद रह जाता है एक सवाल कि क्या आदर्श आचार संहिता का पालन ठीक से होता है? वैसे तो आचार संहिता को लेकर कोई पुख्ता नियम नहीं हैं। इसका उद्देश्य सिर्फ और सिर्फ पारदर्शी और निष्पक्ष ढंग से चुनाव करवाना है। इसे लागू करने के लिए चुनाव आयोग नैतिक मंजूरी या निंदा का उपयोग करता है।

मोहिनी एकादशी कल

सतयुग से चले आ रहे इस व्रत के बारे में महर्षि वशिष्ठ ने श्रीराम को और श्रीकृष्ण ने अर्जुन को सुनाया था

इस बार यह व्रत 19 मई को रखा जाएगा। वैशाख शुक्ल एकादशी तिथि 18 मई को प्रातः 11 : 23 मिनट पर आरंभ होगी और इस तिथि का समापन 19 मई, रविवार को दोपहर 01:50 मिनट पर होगा। उदयातिथि के आधार पर मोहिनी एकादशी व्रत 19 मई, 2024 को रखा जाएगा।

19 मई, रविवार को वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी है। इसे मोहिनी एकादशी कहा जाता है। स्कंद पुराण के वैष्णव खंड के मुताबिक समुद्र मंथन से निकले अमृत की रक्षा करने के लिए इस दिन भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप लिया था।

इस एकादशी का व्रत करने वाले को एक दिन पहले यानी दशमी तिथि की रात से ही व्रत के नियमों का पालन करना होता है। इस व्रत में सिर्फ फलाहार किया जाता है।

वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष में होने से ये भगवान विष्णु की पूजा, व्रत और दान के लिए ये दिन बहुत ही खास माना जाता है। इस दिन नियम संयम से रहकर किए गए पूजा-पाठ और दान का फल कई यज्ञ के जितना होता है।

ये एकादशी व्रत सतयुग से चला आ रहा है। सतयुग में कौटिन्य मुनि ने इस व्रत के बारे में शिकारी को बताया था। व्रत करने से उस शिकारी के पाप खत्म हो गए। इसके बाद त्रेतायुग में महर्षि वशिष्ठ ने ये कथा श्रीराम को सुनाई। फिर द्वापर युग में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को इस व्रत के बारे में बताया। तब से मोहिनी एकादशी व्रत चला आ रहा है।

पूजा और व्रत की विधि

1. एकादशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर नहाएं। साफ कपड़े पहनकर भगवान विष्णु की पूजा करें
2. भगवान की मूर्ति के सामने घी का दीपक जलाएं और व्रत का संकल्प लें।
3. भगवान विष्णु की मूर्ति की पूजा करें। पंचामृत और जल से मूर्ति का अभिषेक करें।
4. पीले फूल और तुलसी पत्र चढ़ाएं। धूप, दीप से आरती करें।
5. मिठाई और फलों का भोग लगाएं। रात में भजन कीर्तन करें।

मोहिनी एकादशी का महत्व

मान्यता है कि वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी का व्रत रखने से मानसिक और शारीरिक मजबूती मिलती है। इस उपवास से मोह खत्म हो जाता है, इसलिए इसे मोहिनी एकादशी कहते हैं। कुछ ग्रंथों में बताया गया है कि इस एकादशी का व्रत करने से गौदान के बराबर पुण्य मिलता है। ये व्रत हर तरह के पाप खत्म कर आकर्षण बढ़ाता है। ये व्रत करने से ख्याति बढ़ती है।

मनी प्लांट को चुराकर लगाने से पहले आपको पता होनी चाहिए ये बातें

मनी प्लांट चुराने से आर्थिक तंगी होती है दूर

वास्तु शास्त्र के अनुसार मनी प्लांट घर में लगाने से आर्थिक तंगी दूर होती है लेकिन इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि आप जिस भी जगह से मनी प्लांट चुरा रहे हैं, वो शुभ जगह हो। इसका अर्थ है कि कई बार मनी प्लांट शमशान भूमि के पास भी उग जाता है। ऐसे में ऐसी जगह से कभी भी मनी प्लांट नहीं चुराना चाहिए। इसके अलावा विवादित भूमि खासकर जिस जमीन का मामला कोर्ट-कचहरी में चल रहा हो, वहां पर उगा मनी प्लांट भी नहीं चुराना चाहिए। मनी प्लांट को चुराने से आपकी आर्थिक तंगी तो दूर होती ही है। इसके साथ ही आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी होता है।

ऐसे घर से कभी न चुराएं मनी प्लांट

आपको कभी भी ऐसे घर से मनी प्लांट नहीं चुराना चाहिए, जिस घर में हमेशा लड़ाई-झगड़ा होता हो। इससे आपके घर में भी मनी प्लांट के द्वारा नकारात्मक ऊर्जा का सकती है। वहीं, जिस घर में किसी की अकाल मृत्यु हुई हो या फिर चोरी, मार-पीट जैसी घटनाएं हो चुकी हो, वहां से भी मनी प्लांट नहीं चुराना चाहिए।

पीले पत्तों को तुंरत हटा दें

कभी-कभी ज्यादा ठंड या गर्मी की वजह से मनी प्लांट के पत्ते सूखने लग जाते हैं। ऐसे में आपको मनी प्लांट के सूखे पीले पत्तों को आपको तुंरत हटा देना चाहिए। घर में हमेशा हरे-भरे मनी प्लांट को ही रखें। इससे आपके घर में सुख-समृद्धि बनी रहेगी।

जमीन पर गिरने न दें मनी प्लांट की बेल

आप मनी प्लांट को लगाते समय इस बात का ध्यान रखें कि जैसे-जैसे मनी प्लांट बढ़ा होगा, उसकी बेल नीचे की तरफ गिरने लगेगी। ऐसे में मनी प्लांट को सपोर्ट देने के लिए आपको एक रस्सी या डोरी बांध देनी चाहिए। इससे मनी प्लांट जमीन को नहीं छुएगा। मनी प्लांट कभी भी जमीन पर नहीं लटकना चाहिए।

घर में इस दिशा में लगाएं मनी प्लांट

आप अगर घर में कहीं से मनी प्लांट चुराकर लाए हैं, तो आपको घर में मनी प्लांट लगाने के लिए दिशा का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है। खासतौर पर आपको कभी भी उत्तर पूर्व दिशा में मनी प्लांट नहीं लगाना चाहिए। इससे आपको मनी प्लांट का शुभ प्रभाव नहीं मिलेगा। घर में मनी प्लांट लगाने का सबसे सही स्थान दक्षिण पूर्व दिशा है। सुख-समृद्धि पाने के लिए आपको इसी दिशा में मनी प्लांट लगाना चाहिए।

कभी गिफ्ट न करें मनी प्लांट

आजकल इनडोर प्लांट्स को गिफ्ट करने का ट्रेंड भी काफी बढ़ गया है लेकिन मनी प्लांट को गिफ्ट करने से बचना चाहिए। आप अगर मनी प्लांट को गिफ्ट करते हैं, तो ऐसा करने से न सिर्फ आपको धन की हानि होती है बल्कि आप घर की सकारात्मक ऊर्जा को भी घर से बाहर भेज देते हैं।

6 जून के बाद इन 3 राशियों की लगेगी लॉटरी

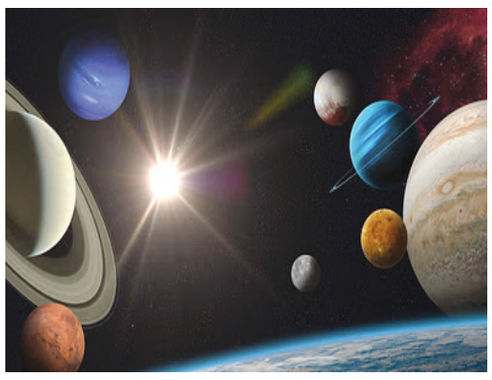

हर ग्रह एक निश्चित समय पर राशि परिवर्तन करता है। कभी कभी एक ही राशि में दो या दो से अधिक ग्रहों की युति हो जाती है। युति या ग्रहों के राशि परिवर्तन करने से सिर्फ राशि ही नहीं मानव जीवन पर भी प्रभाव पड़ता है। दो या दो से अधिक ग्रहों की युति कई शुभ योग या अशुभ योगों का भी निर्माण करती है। इसका प्रभाव किसी राशि के लिए बेहद सकरात्मक रहता है तो किसी राशि के लिए नकारात्मक रहता है। अच्छा समय भी बुरे समय में बदल जाता है। वहीं कई साल बाद वृषभ राशि में पंचग्रही योग का निर्माण होने जा रहा है, यानी पांच ग्रह एक साथ आने वाले हैं।

वृषभ राशि में कई ग्रहों की एक साथ युति होने जा रही है। गुरु और सूर्य वृषभ राशि में प्रवेश चुके हैं। वहीं गुरु एक साल तक वृषभ राशि में रहने वाले हैं। 06 जून को गुरु और सूर्य के साथ शुक्र, बुध और चन्द्रमा भी वृषभ राशि में प्रवेश करने वाले हैं। यानी 6 जून को वृषभ राशि में एक साथ पांच ग्रहों की युति होने वाली है। इसके कारण कई शुभ राजयोग का भी निर्माण होने जा रहा है जैसे महालक्ष्मी राजयोग, गजकेशरी राजयोग, बुद्धाआदित्य राजयोग, इत्यादि। ऐसा संयोग कभी कभार ही देखने को मिलते है। ये शुभ योग तीन राशि वालों पर पड़ने जा रहे हैं, इनमें मेष, सिंह और धनु राशि शामिल है।

इन राशियों पर पड़ेगा प्रभाव...

मेष राशि जातक के ऊपर बेहद सकारात्मक प्रभाव डालने वाली है। करियर कारोबार में वृद्धि होने वाली है। व्यापार में शुभ समय शुरू होने वाला है। अगर व्यापार में धन निवेश करते हैं तो आर्थिक लाभ भी होगा। इसके साथ ही कारोबार के सिलसिले से लंबी यात्रा पर जा सकते हैं। वह यात्रा काफी लाभप्रद रहने वाला है।

सिंह राशि जातक के ऊपर सकारात्मक प्रभाव पड़ने वाला है। घर में धार्मिक या मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार की प्राप्ति हो सकती है। पिता के सहयोग से अटका हुआ कार्य पूर्ण होने वाला है। कोई ऐसा कार्य करेंगे जिससे समाज में मान प्रतिष्ठा की वृद्धि होने वाली है। लव संबंध मामलों में आपको सफलता हासिल हो सकती है।

धनु राशि वालों के लिए पंचग्रही राजयोग बेहद शुभ रहने वाला है। आर्थिक स्थिति मजबूत होने वाली है। आपकी आय में वृद्धि होगी और धन अर्जित करने में सफलता हासिल होगी। अगर आप जमीन जायदाद के संबंध में मुकदमा लड़ रहे हैं तो फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। आपकी कोई लॉटरी लग सकती है। कोई कार्य ऐसा पूर्ण होगा जिसके कारण आपको तनाव से मुक्ति मिलने वाली है। जीवनसाथी के साथ कहीं धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं।

बालकनी या आंगन को गंदा कर रहे कबूतर, तो जाली के बजाये लगा लें ये पौधे

आपके घर में या फिर बालकनी में कबूतर जरूर आते होंगे। कबूतर सिर्फ आते ही नहीं बल्कि, घर में गंदगी भी फैला कर चले जाते हैं, जो दिखने में तो गंदा लगता ही है साथ ही, वास्तु शास्त्र के अनुसार यह काफी अशुभ भी है। इस तरह की गंदगी नकारात्मक ऊर्जा को घर में प्रवेश देती है, जिससे घर में कई सारे परेशानियां उत्पन्न हो सकती हैं।

घर में अगर कबूतर आकर गंदगी कर देते हैं तो उसे साफ करना जरूरी है, पर बार-बार गंदगी करने पर साफ करना भी मुश्किल हो जाता है और गंदगी रहना भी अशुभ है, क्योंकि इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा आती है और घर में कला और असफलता जैसी चीज देखने को मिलती है।

इन पौधों से मिलेगी राहत...

आप अपने घर की बालकनी या फिर आंगन में जहां पर अधिक कबूतर आते हों वहां पर सबसे पहले लहसुन का पौधा लगा दीजिये। दरअसल, लहसुन की सुगंध बहुत ही तेज होता है, जो कबूतर बर्दाश्त नहीं करता। इसलिए जहां पर लहसुन का पौधा होता है वहां आसपास कबूतर नहीं भटकता।

मिंट या पुदीना का पौधा भी काफी लाभदायक है। मिंट की सुगंध कबूतरों को रास नहीं आती। यही कारण है कि वह इस पौधे से अक्सर दूर रहते हैं। इसके साथ पुदीने के पौधे भी आप लगा सकते हैं।

कैक्टस का पौधा तो इस मामले में रामबाण माना जाता है, क्योंकि कई बार ऐसा होता है कि कैक्टस के पौधे में उसके पंख लग जाते हैं जिसे वह कई बार जख्मी भी हो जाते हैं। इसलिए ऐसे पौधे से वह कोसो दूर रहते हैं।

मोर पंख घर की किस दिशा में रखने से होता है धन लाभ

घर में दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखें मोर पंख

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में मोर पंख रखने के लिए सबसे अच्छी जगह दक्षिण-पश्चिम और पूर्व दिशा होती है। आप जिस भी दिशा की तरफ सोएं लेकिन कोशिश करें कि मोर पंख को दक्षिण-पश्चिम और पूर्व दिशा में ही रखें। इससे पति-पत्नी के बीच सम्बध अच्छे रहते हैं और दोनों के बीच बेहतरीन तालमेल भी बना रहता है। इसके अलावा अगर आपके बेडरूम में इनडोर प्लांट हैं, तो आप गमले में भी मोर का पंख सजाकर रख सकते हैं। इस गमले को दक्षिण-पश्चिम दिशा में जरूर रखें।

पैरों के पास कभी न रखें मोर पंख

मोर पंख को कभी भी पैरों के पास रखकर नहीं सोना चाहिए। ऐसा करने से आपकी सेहत पर इसका असर पड़ता है। वहीं, आपके घर में गृह क्लेश भी हो सकता है। इस कारण से बिस्तर के नीचे मोर पंख न रखें बल्कि आप चाहें, तो अपने तकिए के नीचे मोर पंख रखकर सो सकते हैं, लेकिन याद रखें कि रोजाना तकिए के नीचे सफाई करके ही फिर से मोर पंख रखें।

सजावट के समान के साथ न रखें मोर पंख

कई लोग मोर पंख को सजावट के तौर पर घर में इधर-उधर लगा लेते हैं लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार ऐसा करने से आप मोर पंख की सकारात्मक ऊर्जा खत्म कर देते हैं। आपको मोर पंख को एक अलग स्थान पर लगाना चाहिए। जहां पर कोई खिलौने, सजावटी सामान या फिर टूटा-फूटा सामान न रखा हो। इससे मोर पंख की सकारात्मक ऊर्जा आपको मिलती रहेगी।

मोर पंख पर न करें किसी और रंग का इस्तेमाल

कई लोग मोर पंख को अपनी आर्ट एंड क्रिएटिविटी के लिए भी प्रयोग करते हैं लेकिन ऐसा करने से मोर पंख सिर्फ डेकोरेटिव यानी सजावटी सामान ही बनकर रह जाता है। इसकी सकारात्मक ऊर्जा खत्म हो जाती है। आपको मोर पंख को उसके प्राकृतिक रूप में ही रहने देना चाहिए। इस पर कभी भी किसी और रंग का प्रयोग न करें।

मोर पंख को किसी को उपहार में न दें

कई लोग अपने करीबियों को मोर पंख भी गिफ्ट कर देते हैं लेकिन ऐसा करने से बचना चाहिए। भाग्य और सकारात्मक ऊर्जा से जुड़ी किसी भी चीज को उपहार में देने से बचना चाहिए। आप अगरआप घर में रखे मोर का पंख किसी और को गिफ्ट करते हैं, तो इससे आपके घर की सकारात्मक ऊर्जा बाहर चली जाती है और आपके खर्चें भी बढ़ने लगते हैं।

मोर पंख इस तरह मिले, तो खुल जाता है भाग्य

कई लोग अपने फायदे के लिए मोर पंख के लिए मोर को परेशान करने से भी नहीं चूकते। ऐसा करना हर तरह से गलत होता है। असल में जब मोर नाचता है या उड़कर कहीं और बैठता है, तो उसका पंख खुद ही नीचे टूटकर गिर जाता है। आप इस तरह से मोर पंख को उठा सकते हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार जब आपको मोर पंख कहीं पर गिरा हुआ मिलता है, तो यह आपका भाग्य खुलने का सूचक भी है।

खगोलविदों ने खोजा पृथ्वी के आकार का एक नया ग्रह

खगोलविदों ने पृथ्वी के आकार का एक नया ग्रह खोजा है जो बृहस्पति के आकार के एक अल्ट्राकूल बौने तारे की परिक्रमा करता है। यह बौना तारा हमारे सूर्य से दोगुना ठंडा है, साथ ही दस गुना कम विशाल है और सौ गुना कम चमकदार है।

गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार इस नए एक्स्ट्रा सोलर ग्रह या एक्सोप्लैनेट का नाम स्पेकुलोस-3बी है और यह पृथ्वी के अपेक्षाकृत करीब, केवल 55 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है। स्पेकुलोस-3बी हर 17 घंटे में एक बार लाल बौने तारे के चारों ओर घूमता है, जिससे ग्रह पर एक वर्ष पृथ्वी के एक दिन से छोटा हो जाता है। यह एक्सोप्लैनेट भी संभवतः अपने तारे से 'ज्वार से बंद' है, जिसका अर्थ है कि इसमें एक दिन और एक रात होती है।

सूर्य से अत्यधिक ऊर्जा प्राप्त करता है स्पेकुलोस

बैल्जियम में लीज विश्वविद्यालय के खगोलशास्त्री और अध्ययन के प्रमुख लेखक माइकल गिलोन के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अपनी छोटी कक्षा के कारण स्पेकुलोस-3बी को पृथ्वी द्वारा सूर्य से प्राप्त ऊर्जा की तुलना में प्रति सैकेंड लगभग कई गुना अधिक ऊर्जा प्राप्त होती है। वह कहते हैं कि हम मानते हैं कि ग्रह समकालिक रूप से घूमता है, इसलिए एक ही पक्ष, जिसे दिन का पक्ष कहा जाता है, हमेशा तारे का सामना करता है, जैसे चंद्रमा पृथ्वी के लिए करता है।

दूसरी ओर, रात का पक्ष अंतहीन अंधेरे में बंद हो जाता है। नेचर एस्ट्रोनॉमी में प्रकाशित यह खोज स्पेकुलोस परियोजना द्वारा की गई थी, जिसका नेतृत्व बैल्जियम में लीज विश्वविद्यालय ने बर्मिंघम, कैमब्रिज, बर्न और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी विश्वविद्यालयों के सहयोग से किया था।

धोनी अच्छे क्रिकेटर ही नहीं अच्छे इंसान भी हैं, मैं चाहती हूं वो 'मिसेज माही' के साथ फिल्म देखें : जान्हवी कपूर

फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। ये क्रिकेट पर बेस्ड फिल्म है। कल यानी मंगलवार की शाम फिल्म के सॉन्ग लॉन्च इवेंट में जान्हवी कपूर और राजकुमार राव पहुंचे। मीडिया के साथ सवाल जवाब में उनसे MS धोनी से जुड़ा सवाल किया गया। जब उनसे पूछा गया कि वो महेंद्र सिंह धोनी के कितने बड़े फैन हैं और क्या उन्हें ये फिल्म दिखाएंगे? इस पर राजकुमार राव ने कहा- हम क्या...पूरी दुनिया उनकी फैन है। हम उन्हें बहुत प्यार करते हैं।

वहीं जान्हवी ने कहा- हम सभी उनके फैन हैं। उन्होंने हमारे देश के लिए बहुत कुछ किया है। मैं ये कहना चाहूंगी कि सिर्फ क्रिकेटर होने के नाते हम उनसे प्यार नहीं करते हैं। उनका मिजाज, उनके उसूल और वो जिस तरह के इंसान हैं, उनका पूरा व्यक्तित्व मुझे बहुत पसंद है।

जान्हवी ने कहा मुझे याद है एक बार धोनी ने अपने इंटरव्यू में कहा था- नतीजे के बारे में नहीं है, प्रोसेस के बारे में है। प्रोसेस को ईमानदारी ने निभाओगे, मेहनत करोगे तो नतीजा अपने आप दिख जाएगा। आपके मेहनत करने के बाद नतीजा ना भी दिखे तो फर्क नहीं पड़ता है। जान्हवी का कहना है कि फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' महेंद्र सिंह धोनी की इस लाइन पर बनी है। जान्हवी उम्मीद करती हैं कि वो फिल्म में इस बात को ठीक तरीके से दिखा पाएं। एक्ट्रेस ने कहा कि हम उन्हें और उनकी वाइफ साक्षी धोनी को ये फिल्म दिखाना चाहते हैं, लेकिन मुझे लगता है वो काफी बिजी होंगे।

बता दें, इस फिल्म में राजकुमार राव और जान्हवी कपूर के बीच शानदार लव केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। दोनों की साथ में यह दूसरी फिल्म है। इससे पहले उन्हें 2021 की फिल्म रूही में देखा गया। फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' 31 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

महेंद्र सिंह धोनी का औरा सबसे अलग है

जब उनसे पूछा गया कि धोनी की सबसे अच्छी क्वालिटी क्या लगती है? इस पर राजकुमार ने कहा- वो इतने बड़े लीजेंड हैं, लेकिन जिस तरह से वो टीम को लीड करते हैं, वो तारीफ के काबिल है। धोनी बहुत डाउन टु अर्थ और हंबल इंसान हैं। हमें उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उनके अंदर किसी भी हालात से डील करने की अच्छी समझ है। जान्हवी ने कहा- हाल ही में मैं उनसे एक फंक्शन में मिली थी। वहां कई लोग उनके साथ सेल्फी लेने आ रहे थे, लेकिन वो केवल सेल्फी देकर हट नहीं रहे थे बल्कि उन लोगों के साथ खड़े होकर बड़े ही तमीज से बात भी कर रहे थे। उनका औरा ही सबसे अलग है।

ट्रेलर में दिखाया गया है कि महेंद्र बने राजकुमार और महिमा बनीं जान्हवी को लोग प्यार से माही बुलाते हैं। चंद दिनों की मुलाकात के बाद दोनों को प्यार हो जाता है और वे शादी कर लेते हैं। शादी के बाद कुछ दिन अच्छे बीतते हैं, फिर महेंद्र को पता चलता है कि महिमा का सपना क्रिकेटर बनने का था, लेकिन परिवार की जिद की वजह से वो अपने ख्वाब की कुर्बानी देकर डॉक्टर बन जाती है। ये जान महेंद्र उसे फिर से क्रिकेटर बनने के लिए मोटिवेट करता है। दरअसल, कभी वो खुद क्रिकेटर बनना चाहता था, लेकिन परिवार के प्रेशर में आकर उसे भी अपने सपने को भूलना पड़ा था।

आगे की कहानी में यही दिखाया गया है कि कैसे महेंद्र पत्नी को क्रिकेटर बनाने की जद्दोजहद में लग जाता है। इस दौरान उसे परिवार से तो लड़ना पड़ता ही है, कुछ समय के लिए महिमा और उसके बीच भी गलतफहमी आ जाती है। ट्रेलर से मालूम पड़ता है कि यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जिसमें रोमांस भी देखने को मिलेगा। इस फिल्म का डायरेक्शन शरण शर्मा ने किया है। जिन्होंने फिल्म 'गुंजन सक्सेनाः द कारगिल गर्ल' का भी डायरेक्शन किया था। इस फिल्म में भी जान्हवी कपूर लीड रोल में थीं। फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' में राजकुमार राव और जान्हवी के अलावा राजेश शर्मा, कुमुद मिश्रा, अभिषेक बनर्जी, जरीना वहाब और अर्जित तनेजा जैसे कलाकार भी दिखाई देंगे।

पार्टी में जाएं तो अतिरिक्त सतर्क रहें बेटियां, सीमाओं में रहने से कभी नहीं आएगी परेशानी : नाजिया

फिल्म 'से यस टू लव' से अभिनय की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री नाजिया जल्द ही अभिनेता से निर्देशक बने दीपक तिजोरी की फिल्म 'टिप्सी' में दिखाई देंगी। तेलुगु फिल्म 'नी जथागा नेनुंदाली' में अपनी भूमिका से प्रसिद्धि पाने वाली नाजिया पर इन दिनों हिंदी सिनेमा के दूसरे निर्देशकों और निर्माताओं की भी नजर है, बस सबको इंतजार अगले हफ्ते रिलीज होने जा रही उनकी नई फिल्म 'टिप्सी' का जिसकी रिलीज की जिम्मेदारी पैनोरामा स्टूडियोज ने ली है।

नाजिया फिल्म 'टिप्सी' में आइरिस की भूमिका निभा रही हैं। वह कहती हैं, 'मैं दीपक तिजोरी की पिछली फिल्म 'टॉम, डिक एंड हैरी रिटर्न्स' का हिस्सा थी। उन्होंने मुझसे 'टिप्सी' के बारे में जब बात की तो मैं तुरंत इसमें शामिल होने को तैयार हो गई क्योंकि 'टॉम, डिक एंड हैरी रिटर्न्स' में उनके साथ काम करने का अनुभव बहुत अच्छा था। सच पूछें तो ये मेरा उन पर भरोसा ही था कि मैंने अपने किरदार के बारे में विस्तार से जाने बिना ही फिल्म के लिए हां कर दी।'

नाजिया बताती हैं, 'फिल्म 'टिप्सी' में मेरे किरदार का नाम आइरिस है और वह एक बहुत ही साहसी लड़की है। आइरिस न केवल अपने व्यक्तित्व में बल्कि अपनी उपस्थिति में भी मुखर है। इस फिल्म में कुछ दृश्य हैं जहां मुझे अपने संकोच और बंधन से बाहर आना पड़ा क्योंकि वह बहुत मुखर है और जरूरत पड़ने पर वह कुछ भी कर सकती है। यह एक बहुत अच्छी तरह से सोची-समझी भूमिका थी और इसे तैयार करने में मुझे काफी मेहनत करनी पड़ी।'

निर्देशक दीपक तिजोरी ने उन्हें आइरिस के लिए तैयार होने में कैसे मदद की? ये पूछे जाने पर नाजिया बताती हैं, 'मैं उन्हें एक अभिनेता के निर्देशक के रूप में जानती हूं। वह खुद एक बहुत प्रसिद्ध अभिनेता रहे हैं। थिएटर पृष्ठभूमि के कारण उन्होंने कई कार्यशालाएं आयोजित कीं, जहाँ हम बैठकर स्क्रिप्ट के बारे में बात करते थे और साथ ही उन्होंने हमें चरित्र में अपनी रचनात्मकता को समाहित करने के लिए पूरी छूट दी थी।'

फिल्म 'टिप्सी' में नाजिया के साथ चार और लड़कियां मुख्य भूमिकाएं कर रही हैं। तो, ऐसे में उन्हें किसी तरह का संकोच तो नहीं हुआ? इस सवाल के जवाब में नाजिया कहती हैं, 'हां, ये सही है कि इस फिल्म में हम पांच लड़कियां हैं, जिन्हें पांच अलग अलग किरदार दिए गए हैं। निर्देशक दीपक तिजोरी ने इन किरदारों को इस तरह गढ़ा है कि हम सबको अपने अपने किरदारों के हिसाब से खुद को तराशने में काफी मदद मिली। ये सच है कि हम सभी के बीच मतभेदों और विचारों का टकराव था लेकिन ये कुछ ऐसा था जिसे हमें स्वयं ही सुलझाना था। अगर हमें किसी आश्वासन की जरूरत होती या हमारे मन में कोई संदेह होता तो दीपक सर हमेशा हमारे लिए उपलब्ध रहते थे।'

टिप्सी का मतलब नशे में या नशे से है, तो क्या ये फिल्म ऐसी कोई बात भी कर रही है। इस पर नाजिया कहती हैं, 'फिल्म में एक संदेश है। संदर्भ या हां शराब के बाद के हैंगओवर का है। यह फिल्म उन लड़कियों के बारे में है जो बैचलर पार्टी में जाती हैं और अनजाने में ड्रिंक में मिला दिए जाने वाले नशीले पदार्थ का शिकार हो जाती हैं। हमें इसके लिए बहुत जिम्मेदार होना होगा। फिल्म का यही संदेश है कि हमेशा सतर्क रहें और अपनी सीमाएं जानें।'

फिल्म 'टिप्सी' 10 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी जिसमें अलंकृता सहाय, नताशा सूरी, कायना तअरोड़ा, हरजिंदर सिंह, सोनिया बिरजे की भी प्रमुख भूमिकाएं हैं।

नाजिया फिल्म 'टिप्सी' में आइरिस की भूमिका निभा रही हैं।

22 साल से कांस का हिस्सा बन रही हैं ऐश्वर्या : चोटिल हाथ के साथ ग्लैमरस लुक में दिखीं एक्ट्रेस

ऐश्वर्या राय बच्चन कांस 2024 अटेंड करने फ्रांस पहुंची हैं। ऐश्वर्या पहली बार रेड कार्पेट पर ब्लैक गाउन में दिखीं। हाथ में चोट लगने के बावजूद उन्होंने खूबसूरत वॉक किया। गाउन कैरी करने के लिए उनकी बेटी आराध्या के अलावा 4 लोगों की टीम लगी। उनके ग्लैम स्क्वाड के ग्रुप को लॉन्ग ड्रेस ट्रेन को पकड़े हुए और रेड कार्पेट पर उन्हें ले जाते हुए देखा गया।

मोनोक्रोमैटिक लुक में नजर आईं ऐश

ऐश्वर्या के आउटफिट की बात करें तो उन्होंने ब्लैक और गोल्डन गाउन पहनी थी। इस ऑफ शोल्डर ड्रेस में उनकी ड्रेस पर गोल्डन एम्बेलिशमेंट्स की गई थी। ऐश्वर्या ने मेकअप मिनिमल रखा और गोल्डन कलर के बड़े हूप्स के साथ अपना लुक कंप्लीट किया। ऐश्वर्या के इस लुक को मोनोक्रोमैटिक लुक कहा जाता है।

उन्होंने ब्लैक मोनोक्रोमैटिक ड्रेस को व्हाइट श्रग के साथ पेयर किया। इसे फाल्गुनी और शेन की डिजाइनर जोड़ी ने डिजाइन किया है।

ऐश्वर्या और उनकी बेटी आराध्या का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें आराध्या उन्हें सहारा देती हुई नजर आ रही हैं। मां को इस तरह सपोर्ट करते देख यूजर्स उनकी तारीफ कर रहे हैं। कैजुअल स्टाइलिश ब्लैक ट्रैकसूट पहने आराध्या हर समय अपनी मां के साथ ही रहीं और उनका हाथ पकड़कर उन्हें होटल से उनकी कार तक ले गईं।

ऐश्वर्या राय के बाद कियारा आडवाणी, अदिति राव हैदरी, शोभिता धुलिपाला, जैकलीन फर्नांडीज, प्रतीक बब्बर और छाया कदम भी कांस फिल्म फेस्टिवल अटेंड करेंगे।

कांस के रेड कार्पेट को फैशन वर्ल्ड में काफी अहम माना जाता है। यहां वॉक करने वाले सेलेब्स फिल्मों के प्रमोशन के साथ नए डिजाइनर्स के आउटफिट्स भी शोकेस करते हैं। इसके साथ ही फ्रांस को भी अपनी संस्कृति को पेश करने का मौका मिलता है।

'यूईएफए यूरो 2024' की कैंपेन फिल्म में कार्तिक ने डाला एंटरटेनमेंट का तड़का, एलियन बने आए नजर

साल के सबसे बड़े फुटबॉल महोत्सव, 'यूईएफए यूरो 2024' का आगाज अगले महीने से होने जा रहा है। इससे पहले सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क ने जोर-शोर से प्रचार शुरू कर दिया है। इस कड़ी में ब्लॉकबस्टर कैंपेन 'यूनिवर्स का सबसे बड़ा फुटबॉल फेस्टिवल ऑफ 2024' लॉन्च किया है। इस कैंपेन फिल्म में फुटबॉल के लिए उनके ब्रांड एंबेसडर अभिनेता कार्तिक आर्यन नजर आए हैं। यह कैंपेन फिल्म काफी मजेदार है।

कैंपेन फिल्म में कमाल के विजुअल इफैक्ट्स हैं। इसे देखने के बाद यूईएफए यूरो 2024 के प्रति लोगों का उत्साह बढ़ जाएगा। दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉल इवेंट में क्या खास होगा, इसकी झलक इसमें दिखाई गई है। इस कैंपेन में कार्तिक आर्यन पहली बार एक एलियन के अवतार में नजर आए हैं, जो अंतरिक्ष में रहते हुए धरती पर चल रहे उत्सवों से प्रभावित होकर फुटबॉल के इस आयोजन में शामिल होने आते हैं।

कैंपेन फिल्म में देखा जा सकता है कि कार्तिक एलियन के रूप में 'प्लैनेट के' पर तपस्या कर रहे हैं। अचानक फुटबॉल मैच का शोर उनके कानों में पड़ता है। उनकी तंद्रा भंग होती है तो सवाल करते हैं, 'प्लैनेट के की शांति कौन भंग कर रहा है'? खोजबीन करने पर जवाब मिलता है, 'यह शोर तो किसी दूसरी गैलेक्सी से आ रहा है। प्लैनेट अर्थ से'। कार्तिक कहते हैं, 'यह तो फेस्टिवल लग रहा है। यह तो बड़ा भव्य है। चलें'? इसके बाद वे धरती पर फुटबॉल के आयोजन में शामिल होने आते हैं।

धरती पर आने के बाद उनकी मुलाकात अपने हमशक्ल से होती है। कार्तिक आर्यन इसमें डबल रोल में हैं। इसके बाद कार्तिक कहते हैं, 'सोनी स्पोर्ट्स होस्ट कर रहा है, फुटबॉल का सबसे बड़ा फेस्टिवल। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर यह 14 जून से शुरू हो रहा है। हम तो आ रहे हैं और आप'?

वर्क फ्रंट की बात करें तो कार्तिक आर्यन फिल्म 'चंदू चैंपियन' में नजर आएंगे। यह फिल्म 14 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बीते दिनों इस फिल्म से कार्तिक के दो नए पोस्टर जारी हुए। इनमें अभिनेता का बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन देखकर फैंस हैरान हैं। इस फिल्म में कार्तिक रेसलर की भूमिका में नजर आएंगे।

सारा अली खान बोलीं-'दादी की आज भी मेरी मां से अच्छी बॉन्डिंग है'

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान ने अपनी फैमिली के बारे में बात की है। दिल्ली में हुए एक इवेंट में उन्होंने अपनी दादी शर्मिला टैगोर की भी तारीफ की। सारा ने कहा कि उनके पेरेंट्स सैफ अली खान और अमृता सिंह भले ही 20 साल पहले अलग हो चुके हैं, लेकिन उनकी दादी ने पूरी लाइफ उन्हें और उनकी मां को सपोर्ट किया है।

सारा ने ये भी कहा किया कि शर्मिला टैगोर उनकी मां अमृता सिंह से स्पेशल बॉन्डिंग शेयर करती हैं। सारा ने कहा, 'मुझे या इब्राहिम को अगर कुछ हो जाए तो मुझे मालूम है कि बड़ी अम्मा (शर्मिला टैगोर) मेरी मां अमृता सिंह को कभी अकेले नहीं छोड़ेंगी।' सारा ने आगे कहा, 'मैं भी लाइफ में कभी ऐसे फेज से गुजरी हूं जब मुझे किसी के सपोर्ट की बेहद जरूरत थी और तब बड़ी अम्मा मेरे लिए आर्मी की तरह खड़ी रहीं।

उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया है। मुश्किल समय में ही हमें रिश्तों की असली कीमत समझ में आती है।' सैफ और अमृता ने 27 अक्टूबर 1991 में शादी कर ली थी। शादी के वक्त सैफ 21 साल के और अमृता की उम्र 33 साल थी।

दोनों की उम्र में 12 साल का अंतर था और इस शादी के 13 साल बाद 2004 में दोनों अलग भी हो गए थे। अमृता और सैफ दो बच्चों (सारा अली खान और इब्राहिम अली खान) के पेरेंट्स हैं। बाद में सैफ ने करीना कपूर से दूसरी शादी की। दोनों के दो बच्चे तैमूर और जेह हैं। वहीं अमृता ने दोबारा शादी नहीं की।

तीसरी बार टली कंगना स्टारर 'इमरजेंसी' की रिलीज

कंगना रनोट की अगली फिल्म 'इमरजेंसी' की रिलीज डेट फिर एक बार टल गई है। मेकर्स ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अनाउंसमेंट करते हुए यह जानकारी दी। मेकर्स ने लिखा, 'चूंकि कंगना इन दिनों देश सेवा में व्यस्त हैं ऐसे में हम फिल्म इमरजेंसी की रिलीज डेट आगे बढ़ा रहे हैं। हम जल्द ही आपको इस बारे में अधिक जानकारी देंगे।' बता दें कि इससे पहले यह फिल्म पिछले साल 24 नवंबर और फिर इस साल 14 जून को रिलीज होने वाली थी।

कंगना इन दिनों अपना पूरा वक्त चुनाव प्रचार को ही दे रही हैं। वो लोकसभा चुनाव 2024 में मंडी जिले से BJP प्रत्याशी हैं। ऐसे में वो इस फिल्म के प्रमोशन पर अपना वक्त नहीं दे पा रही हैं। इमरजेंसी में कंगना के अलावा अनुपम खेर, श्रेयस तलपडे, महिमा चौधरी और मिलिंद सोमण जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। यह दिवंगत एक्टर-डायरेक्टर सतीश कौशिक की भी आखिरी फिल्म है।b खुद कंगना ने किया फिल्म का निर्देशन फिल्म 'इमरजेंसी' की कहानी पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी पर आधारित है। फिल्म में इंदिरा के जीवन के कई अहम पड़ावों को दिखाया जाएगा। खुद कंगना ने इस फिल्म में एक्टिंग करने के साथ ही इसका निर्देशन भी किया है।

कैटरीना ने दिखाई विक्की के बर्थडे की झलक, फैंस को हुआ अंदेशा, कहीं दो से तीन तो नहीं होने वाले!

16 मई को बॉलीवुड सुपर स्टार विक्की कौशल ने अपना जन्मदिन मनाया। इस मौके पर उनके फैंस से लेकर तमाम बॉलीवुड के सितारों ने भी उन्हें बर्थडे विश किया। वहीं विक्की के फैंस लगातार इस इंतजार में थे कि उन्हें उनकी खूबसूरत पत्नी कैटरीना कैफ किस अंदाज में बर्थडे विश करेंगी। साथ ही साथ फैंस विक्की के बर्थडे सेलिब्रेशन की झलक भी देखना चाहते थे। आज कैटरीना ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से विक्की को जन्मदिन विश किया है। कैटरीना का वह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

कैटरीना कैफ और विक्की कौशल की जोड़ी के लाखों लोग दीवाने हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कैटरीना कैफ और विक्की इन दिनों लंदन में छुट्टियां मना रहे हैं। आज कैटरीना ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से अपने लंदन वेकेशन की कुछ तस्वीरों को साझा करते हुए पति विक्की को जन्मदिन भी विश किया है।

कैटरीना कैफ ने जो पहली फोटो साझा की है उसमें में विक्की कौशल सफेद टी-शर्ट में बड़ी दाढ़ी के साथ खिड़की के सामने बैठे नजर आ रहे हैं। विक्की के चेहरे से खुशी साफ झलक रही है। वहीं दूसरी फोटो विक्की हाथ में कप थामे बाहर खिड़की से बाहर देख रहे हैं।

सूत्रों की मानें तो कैटरीना कैफ ने विक्की कौशल के जन्मदिन को खास बनाने के लिए एक कोजी से रेस्टुरेंट का चुनाव किया। साथ ही साथ उन्होंने जो तीसरी तस्वीर साझा की है उसमें एक छोटी सी पेस्ट्री दिख रही है। विक्की इस तस्वीर में जोर से हंसते नजर आ रहे हैं।

कैटरीना कैफ की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। कैटरीना कैफ ने इन तस्वीरों को तीन हार्ट और तीन केक वाले इमोजी संग साझा किया है। अब कैटरीना और विक्की के फैंस कयास लगा रहे हैं कि कहीं दोनों सितारे माता-पिता तो नहीं बनने जा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है, 'तीन दिल यानी कैटरीना और विक्की अब दो से तीन होने जा रहे हैं'।

संन्यास के एलान से पहले सुनील छेत्री ने विराट कोहली को किया था मैसेज, कही थी यह बात

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने खुलासा किया है कि भारत के दिग्गज फुटबॉलर सुनील छेत्री ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा करने से पहले उन्हें मैसेज किया था। गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट कर भारतीय फुटबॉल आइकन ने एलान किया था कि वह छह जून को कुवैत के खिलाफ आखिरी बार भारतीय टीम की जर्सी पहनेंगे।

आरसीबी इनसाइडर शो पर एक इंटरव्यू के दौरान कोहली ने छेत्री के विनम्र स्वभाव की प्रशंसा की और कहा कि फुटबॉल आइकन संन्यास लेने के अपने फैसले से संतुष्ट दिखे। पिछले कुछ वर्षों में छेत्री और कोहली के बीच अच्छे संबंध रहे हैं। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में RCB और MI के बीच IPL 2023 मैच से पहले छेत्री ने कोहली और उनकी टीम से मुलाकात भी की थी।

राष्ट्रीय फुटबॉल कप्तान सुनील छेत्री ने भारत के लिए 150 मैच खेले हैं और 94 गोल किए हैं। उनके अच्छे दोस्त और भारत के स्टार क्रिकेटर कोहली ने कहा कि अगले महीने विश्व कप क्वालिफाइंग मैच के बाद संन्यास के फैसले से छेत्री संतुष्ट हैं। कोहली ने कहा, 'छेत्री महान खिलाड़ी है। उन्होंने मुझे मैसेज करके बताया था कि वह संन्यास लेने जा रहे हैं। मुझे लगता है कि वह इस फैसले से संतोष महसूस कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ साल में हम काफी करीब आए हैं और मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। वह बहुत प्यारे इंसान हैं।' कोहली ने यह भी बताया कि उनकी बेटी वामिका अब बैटिंग करने लगी है, लेकिन उन्होंने कहा कि वह अपने बच्चों पर कभी भी क्रिकेट खेलने के लिए दबाव नहीं बनाएंगे। उन्होंने कहा , 'मेरी बेटी ने बल्ला उठाया और उसे घुमाने में मजा आ रहा है, लेकिन आगे क्या

बनना है, यह उसका फैसला होगा।

इससे पहले संन्यास का एलान करते हुए छेत्री भावुक हो गए थे। उन्होंने अपने परिवार के साथ भावनात्मक समय को याद करते हुए कहा कि उनकी मां और पत्नी की आंखों में आंसू थे। छेत्री ने कहा- मैंने अपनी मां, मेरे पिताजी और मेरी पत्नी, मेरे परिवार को पहले बताया था। मेरे पिताजी सामान्य थे, लेकिन मेरी मां और मेरी पत्नी रोने लगे और मैंने उनसे कहा कि आप हमेशा मुझे कहा करते थे कि बहुत सारे खेल हैं और जब आप मुझे देखते हैं तो बहुत अधिक दबाव होता है। अब मैं आपको बता रहा हूं कि छह जून को मैच के बाद मैं अपने देश के लिए नहीं खेल पाऊंगा।

पूर्व क्रिकेटरों में वह क्यूं व वह क्यूं नहीं को लेकर बहस

दो जून से वेस्ट इंडीज व अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में क्रिकेट जगत के छोटे प्रारूप टी-20 विश्व कप का आगाज होने जा रहा है। आज से 10 दिन पहले घोषित टीम इंडिया को लेकर क्रिकेट विशेषज्ञों व क्रिकेट प्रेमियों में टीम में शामिल व कुछ नहीं शामिल किए गए खिलाड़ियों को लेकर बहस जारी है। मुख्य चयनकर्ता अजित आगरकर द्वारा चुनी गई टीम में संभवत अपना अंतिम टी-20 विश्व कप खेल रहे 37 वर्षीय रोहित शर्मा को कमान सौंपी गई है।

वहीं क्रिकेट प्रेमियों के चहेते 35 वर्षीय विराट कोहली के साथ हार्दिक पांड्या को इस आइपीएल में कमजोर प्रदर्शन के बावजूद उपकप्तान की भूमिका दी गई है। इस आइपीएल में सबसे बेहतरीन ओपनर की भूमिका निभा रहे यशस्वी जायसवाल, राजस्थान रायल्स के कप्तान संजू सैमसन, दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत, अपनी तेजतर्रार बल्लेबाजी से आइपीएल में धूम मचा रहे सूर्यकुमार, चेन्नई की ओर से आइपीएल में जलवा दिखा रहे शिवम दुबे व रवींद्र जडेजा, दिल्ली के लिए आलराउंडर की भूमिका में खेल रहे अक्षर पटेल टीम में बल्लेबाजी में बड़ा लक्ष्य रखने व पार करने के लिए चुने गए हैं। वहीं विपक्षी टीमों की बल्लेबाजी को धराशायी करने के लिए तेज आक्रमण की बागडोर दुनिया के बेहतरीन गेंदबाज व हर हाल में विकेट की गारंटी देने वाले जसप्रीत बुमराह, आइपीएल में पंजाब किंग्स की ओर से अपनी गेंदबाजी से दिल जीतने वाले अर्शदीप व रायल्स चैलेंजर बेंगलुरु के मोहम्मद सिराज के हाथ में रहेगी। दूसरी और अमेरिका या वेस्ट इंडीज की पिचें अगर धीमी रहती हैं तो स्पिन आक्रमण की बागडोर कुलदीप व यजुवेंद्र चहल के पास रहेगी। गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल, दिल्ली व राजस्थान रायल्स के तेज गेंदबाज खलील अहमद व आवेश खान के साथ पिछले कुछ समय से अपनी तेजतर्रार बल्लेबाजी से लोकप्रिय कोलकाता नाईट राइडर्स के रिंकू सिंह को आरक्षित खिलाड़ी के रूप में रखा गया है।

जिस खिलाड़ी को लेकर क्रिकेट विशेषज्ञ व क्रिकेट प्रेमी अपना पक्ष मजबूती से रख रहे हैं वे हैं रिंकू सिंह। उनको प्रमुख 15 खिलाड़ियों की सूची में शामिल न करने पर चयनकर्ताओं की खिंचाई की जा रही है। इसके बचाव में अजित आगरकर ने यह कहकर कि रिंकू को शामिल न करने का फैसला काफी मुश्किल भरा रहा। कह सकता हूं कि यह रिंकू का दुर्भाग्य ही है। टीम संतुलन के लिए हमें इन्हें बाहर रखने का फैसला लेना पड़ा।

क्रिकेट विशेषज्ञ तो यहां तक कह रहे हैं कि चयनकर्ताओं ने काम की बजाय नाम को महत्त्व दिया है। रिंकू के अलावा इस आइपीएल में सबसे ज्यादा रन बना चुके गुजरात के सुदर्शन व सबसे ज्यादा विकेट ले चुके हैदराबाद के नटराजन के साथ रियान पराग, ईशान किशन, रितुराज, कार्तिक, राहुल तेवतिया के साथ आरक्षित रखे गए शुभमन गिल, खलील अहमद व आवेश खान के प्रदर्शन को नजरअंदाज किया गया। वहीं आइपीएल में दमदार प्रदर्शन नहीं करने और मुंबई की कप्तानी में नाकाम रहने के बाद भी हार्दिक को टीम में शामिल ही नहीं उपकप्तान बनाना अखर रहा है। इनकी जगह रिंकू को लेना चाहिए था क्योंकि अगर टीम के सात विकेट गिर जाएं तो रिंकू से बढ़िया छक्के मारने वाला कोई फिनिशर टीम में में नहीं हैं। क्रिकेट प्रेमियों की समझ अलग होती है, लेकिन जब देश के लिए टीम चुनी जाती है तो उसमें केवल घर की पिचों पर शानदार प्रदर्शन के साथ जहां टूर्नामेंट हो रहा है, वहां के अनुकूल कौनसा खिलाड़ी बेहतर हो सकता है, इस बिंदु पर भी गौर किया जाता है। इसके अलावा यह विश्व कप है कोई आइपीएल नहीं। इसमें टीम चयन करते हुए दूसरे देशों के खिलाड़ी कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं, उसको ध्यान में रखना पड़ता है। इसलिए यह कहना कि चयनकर्ताओं ने सही टीम नहीं चुनी, न्यायसंगत नहीं है।

इस टीम में रोहित, यशस्वी, विराट व सूर्य जैसे दमदार शुरुआत देने वाले हैं तो मध्यक्रम में शिवम, संजू, ऋाभ के साथ आलराउंडर जडेजा, अक्षर व हार्दिक जैसे मजबूत खिलाड़ी हैं जो इस फार्मेट में बड़ी स्कोर तक टीम को पहुंचा सकते हैं। अगर मान लें यह बल्लेबाजी कभी किसी मैच में धराशायी भी होती है तो टीम के पास विपक्षी बल्लेबाजों को नेस्तनाबूद करने के लिए जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप व सिराज जैसे तेज गेंदबाज के साथ कुलदीप व चहल की स्पिन जोड़ी है। कुल मिलाकर एक-दो खिलाड़ियों को लेकर चर्चा का बाजार गर्म चल रहा है। उसके अलावा टीम पूरी तरह से संतुलित है।

छेत्री जैसे महान फुटबॉलर की कमी खलेगी : बाईचुंग भूटिया

यह भारतीय फुटबॉल के लिए एक दुखद दिन है, क्योंकि इस खेल के माहिर और दुनिया के बेस्ट फुटबॉलर में शुमार सुनील छेत्री ने कुवैत के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 मैच के बाद संन्यास लेने का ऐलान किया है। जैसे ही यह खबर फैली, भारत के कुछ सबसे बड़े नामों ने 39 वर्षीय की सेवानिवृत्ति कॉल पर अपने विचार साझा किए हैं। बाईचुंग भूटिया, जिनकी छेत्री सबसे अधिक प्रशंसा करते थे और जिनके अधीन छेत्री बड़े हुए थे। उन्होंने बताया कि ₹सुनील ने भारतीय फुटबॉल में बहुत योगदान दिया है। भारतीय फुटबॉल को उनके जैसे महान फुटबॉलर की कमी खलेगी। बाईचुंग ने कहा, उन्होंने भारतीय फुटबॉल में बहुत योगदान दिया है। भारतीय फुटबॉल को उनके जैसे महान फुटबॉलर की कमी खलेगी। अब एक बड़ी कमी को पूरा करना होगा। कुल मिलाकर मुझे लगता है कि वह बहुत पेशेवर थे और पीढ़ियों के लिए सबसे महान उदाहरणों में से एक हैं। उनका केंद्रित समर्पण अनुकरणीय है।

छेत्री ने अपना 150वां मैच इस साल मार्च में अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था। भारतीय फुटबॉल के प्रतिष्ठित नंबर 9 ने 2005 में राष्ट्रीय टीम के लिए डेब्यू किया और देश के लिए 94 गोल किए।

कप्तान भारत के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर और राष्ट्रीय टीम के लिए सर्वाधिक कैप्ड खिलाड़ी हैं। वह राष्ट्रीय टीम के लिए सक्रिय खिलाड़ियों में क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी के बाद तीसरे सबसे ज्यादा स्कोर करने वाले खिलाड़ी हैं।

ऐसे कुछ खिलाड़ी हैं जिनके बिना खेल अधूरा रह जाता है। सुनील छेत्री उनमें से एक हैं। हम भाग्यशाली हैं कि वह भारत के लिए खेले। यह अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्हें अभी भी कुवैत के खिलाफ हमारा नेतृत्व करना होगा और हमारे लिए जीत हासिल करनी होगी।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा, ₹सुनील और भारतीय फुटबॉल के लिए यह सबसे सुखद विदाई है। वह एक आइकन, लीजेंड हैं। उनके लिए भारतीय फुटबॉल को कई तरह से शुभकामनाएं मिली।

छेत्री के एक समय के साथी और देश के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपरों में से एक सुब्रत पॉल ने आईएएनएस से कहा, ₹मैं अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने के सुनील के फैसले का सम्मान करता हूं।

मैं समझता हूं कि यह एक बहुत ही कठिन फैसला है। हम मैदान के एक ही पक्ष में हैं। कई बार, सीखने और एक-दूसरे को आगे बढ़ाने के लिए वह एक प्रेरणा रहे हैं। उन्होंने असाधारण रूप से ऊंचे मानक स्थापित किए हैं। मेरे दोस्त, मैदान से परे आपके जीवन के लिए शुभकामनाएं।"

ब्राजील फीफा महिला विश्व कप 2027 का मेजबान बना

ब्राजील को यहां 74वीं फीफा कांग्रेस में महिला विश्व कप 2027 के लिए मेजबान नामित किया गया है। ब्राजील की बोली बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड के खिलाफ प्रबल रही, और फीफा कांग्रेस में खुले वोट के साथ मेजबानी का अधिकार पाने वाला पहला देश बन गया। ब्राज़ील को 119 वोट मिले जबकि जर्मनी, नीदरलैंड और बेल्जियम की संयुक्त बोली को 78 वोट मिले।

महिला विश्व कप पहली बार दक्षिण अमेरिका में आयोजित किया जाएगा। चीन, स्वीडन, अमेरिका, जर्मनी, कनाडा और फ्रांस सभी ने 2023 के आयोजन से पहले कम से कम एक अवसर पर मेजबानी की।

इससे पहले, ब्राजील ने 1950 में पुरुष विश्व कप और 2014 विश्व कप का आयोजन किया था। ब्राजीलियाई फुटबॉल परिसंघ के अध्यक्ष एडनाल्डो रोड्रिग्स ने कहा, आज हम बैंकॉक में एक ऐतिहासिक दिन का अनुभव कर रहे हैं। यह विश्व महिला फुटबॉल की जीत है। मैं आप सभी को आश्वस्त करता हूं कि यह इतिहास का सर्वश्रेष्ठ महिला विश्व कप होगा। उन्होंने कहा, विश्व कप में निवेश के अलावा, ब्राजील और उत्तरी अमेरिका दक्षिण में महिला फुटबॉल विकास में एक बड़ी छलांग लगाएंगे। यह फीफा महिला विश्व कप का दसवां संस्करण होगा। इसमें 32 देश शामिल होंगे और दस शहरों में खेला जाएगा। स्पेन वर्तमान फीफा महिला विश्व कप धारक है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका (चार खिताब), जर्मनी (दो), जापान और नॉर्वे के साथ उन देशों में शामिल हो गया है जिन्होंने बहुप्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती है।

इगा स्वियातेक दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ने अपने पिछले सात फाइनल भी लगातार जीते

इगा स्वियातेक 2000 के दशक में पैदा हुए करिअर के 20 खिताब जीतने वाली पहली टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ने अपने पिछले सात फाइनल भी लगातार जीते हैं। इगा के लिए हासिल करने के लिए बहुत कुछ नहीं बचा है, लेकिन उन्होंने शनिवार को मटुआ मैड्रिड ओपन में एक और उपलब्धि हासिल की। उन्होंने आर्यना सबालेंका पर 7-5, 4-6, 7-6 (7) की रोमांचक चैंपियनशिप जीत पाई। इसमें उन्होंने तीन मैच पाइंट से संघर्ष किया। स्वियातेक ने अपने करिअर में पहली बार डब्लूटीए 1000 टूर्नामेंट जीता।

मैड्रिड एकमात्र बड़ा क्ले-कोर्ट टूर्नामेंट था जो उनकी उपलब्धि में शामिल नहीं था। वे पहले ही तीन बार रोलांड गैरोस जीत चुकी हैं, दो बार रोम में डब्लूटीए 1000 और दो बार स्टटगार्ट में डब्लूटीए 500 जीत चुकी हैं।

यह स्वियातेक के करिअर का मील का पत्थर 20वां डब्लूटीए खिताब भी था, जिससे वे 2000 के दशक में जन्मीं पुरुष या महिला पहली टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं, जिन्होंने 20 करिअर टूर-स्तरीय खिताब हासिल किए । 2000 या उसके बाद दोहरे अंक वाले टूर-स्तरीय खिताब के साथ पैदा हुए एकमात्र अन्य टेनिस खिलाड़ी पुरुष वर्ग में हैं कार्लोस अलकराज और जानिक सिनर, जिनके नाम पर 13 एटीपी खिताब हैं। ऐसा लगता है कि कोको गाफ 2000 के दशक में जन्मी अगली खिलाड़ी बनने की राह पर हैं, जिन्होंने दोहरे अंकों में खिताब हासिल किया है। वर्तमान में 0 उनके पास सात डब्लूटीए खिताब हैं।

स्वियातेक के 20 करिअर खिताब (टूर-स्तर):

4 ग्रैंड स्लैम [2020 रोलैंड गैरोस, 2022 रोलैंड गैरोस, 2022 यूएस ओपन, 2023 रोलैंड गैरोस]

1 डब्लूटीए फाइनल [2023]

9 डब्लूटीए 1000 [2021 रोम, 2022 दोहा, 2022 इंडियन वेल्स, 2022 मियामी, 2022 रोम, 2023 बेजिंग, 2024 दोहा, 2024 इंडियन वेल्स, 2024 मैड्रिड]

5 डब्लूटीए 500 [2021 एडिलेड, 2022 स्टटगार्ट, 2022 सैन डिएगो, 2023 दोहा, 2023 स्टटगार्ट]

1 डब्लूटीए 250 [2023 वारसा]

22 वर्षीय पोल 2012 में कैरोलिन वोज्नियाकी के बाद 20 करिअर डब्लूटीए खिताब जीतने वालीं सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं।

स्वियातेक के बारे में कुछ और भी है जिसने उन्हें पिछले कुछ वर्षों में एक के बाद एक खिताब जीतने में मदद की है। जब फाइनल की बात आती है तो उन्होंने अपने खेल को ऊपर उठाने का एक स्पष्ट पैटर्न प्रदर्शित किया है। एक साल पहले मैड्रिड फाइनल में सबालेंका से 6-3, 3-6, 6-3 से हारने के बाद से, स्वियातेक ने अब लगातार अपने पिछले सात फाइनल जीते हैं और खिताबी मुकाबलों में उनका अविश्वसनीय करिअर कीर्तिमान 20-4 है।

स्वियातेक के पिछले सात फाइनल (7-0):

2023 में मुचोवा रोलैंड गैरोस एफ, 6-2, 5-7, 6-4

2023 में सीजमंड वारसा एफ, 6-0, 6-1

2023 बेजिंग एफ में सैमसोनोवा, 6-2, 6-2 2023 डब्लूटीए फाइनल में पेगुला एफ, 6-1, 6-

2024 में रयबाकिना दोहा एफ, 7-6 (8), 6-2 2024 इंडियन वेल्स एफ में सककारी, 6-4, 6-0 2024 मैड्रिड एफ में सबालेंका, 7-5, 4-6, 7-6 (7)

एलोर्डा कप बॉक्सिंग में भारतीय महिला मुक्केबाजों का जलवा, निकहत जरीन समेत चार मुक्केबाज फाइनल में

विश्व चैंपियन निकहत जरीन ने 52 भार वर्ग में कजाखस्तान की टोमिरिस मिर्जाकुल 5-0 से हराकर एलोर्डा कप बॉक्सिंग के फाइनल में प्रवेश कर लिया। उनके अलावा मीनाक्षी (48), अनामिका (50), मनीषा (60) ने भी सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनाई। मीनाक्षी ने कजाखस्तान की गुलनाज बुरिबायेवा को और मनीषा ने इसी देश की टांगातार आसेम को 5-0 से हराया। वहीं अनामिका ने कजाखस्तान की ही गुलनार को हराया। गुलनार को तीन चेतावनियों के बाद अयोग्य करार दिया गया। वहीं सोनू (63) और मंजू बांबोरिया (66) को सेमीफाइनल में हार के बाद कांस्य से संतोष करना पड़ा। सोनू को उज्बेकिस्तान के जीदा याराशेवा के खिलाफ कड़े मुकाबले में 2-3 से शिकस्त झेलनी पड़ी, जबकि मंजू को चीन की लियू यैंग के खिलाफ 0-5 से एकतरफा हार का सामना करना पड़ा। फाइनल मुकाबले शनिवार को खेले जाएंगे।

विप्रो के सीईओ ने इस्तीफा देने के बाद कंपनी के शेयर बेचकर कमा लिए 70 करोड़

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। विप्रो लिमिटेड के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकार (सीईओ) थिएरी डेलापोर्टे ने पिछले महीने 34.5 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। इसके चलते 6 अप्रैल को कंपनी से इस्तीफा देने के बाद से उनकी कमाई 70.63 करोड़ रुपये या करीब 8.5 मिलियन डॉलर हो गई है। डेलापोर्ट ने शेयर बिक्री से जो रकम हासिल की है। वह विप्रो द्वारा अपने किसी भी निवर्तमान अधिकारी को दिए गए अपनी तरह के पहले 36.13 करोड़ रुपये के नकद भुगतान के अतिरिक्त है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि विप्रो ने अपने कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना या ईएसओपी के तहत डेलापोर्ट को दिए गए शेयरों या उनके स्वामित्व वाले विप्रो के कुल शेयरों के त्वरित निहित होने की अनुमति दी है या नहीं। पिछले महीने श्रीनिवास पल्लिया को डेलापोर्ट की जगह सीईओ बनाया गया था। लेकिन वह सिर्फ 31 मई तक विप्रो के साथ बने रहेंगे। जहां पल्लिया को अपने पहले वर्ष में 7 मिलियन डॉलर तक की सैलरी मिलेगी। वहीं जब डेलापोर्ट जब पद

पर थे तो उनकी सालाना सैलरी 10.1 मिलियन डॉलर थी। वहीं साल 2023-24 के लिए डेलापोर्टे की सैलरी का पता तब पता चलेगा जब विप्रो अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करेगी।

इस्तीफे के बाद बेचे शेयर

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डेलापोर्ट ने अपने इस्तीफे के बाद सबसे पहले 26 अप्रैल को 21.4 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। इसके बाद 8 मई को 13.1 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। अब तक 14 मिलियन डॉलर के शेयर बेचे गए हैं। साल 2023-24 में विप्रो का राजस्व 3.8% घटकर 10.8 बिलियन डॉलर हो गया, जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड का राजस्व 4.12% बढ़कर 29 बिलियन डॉलर और इंफोसिस लिमिटेड का 1.9% बढ़कर 18.56 बिलियन डॉलर हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक, 6 जुलाई 2020 से 6 अप्रैल 2024 के बीच डेलापोर्ट के करीब चार साल के कार्यकाल के दौरान, उन्होंने 83.7 करोड़ मूल्य के विप्रो शेयर बेचे हैं, जिससे उनकी कुल शेयर बिक्री 118.2 करोड़ या करीब 14 मिलियन डॉलर हो गई है।

नीमचवाला ने इतनी कमाई की थी

इससे पहले नीमचवाला, जिन्होंने अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करने से पहले साल 2020 की गर्मियों में इस्तीफा दे दिया था, उन्होंने मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए 4.4 मिलियन डॉलर कमाए थे।

क्या एआई से नौकरियां जाने का है खतरा?

नारायण मूर्ति ने बताया क्या होने वाले है इसका असर

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। एआई का इस्तेमाल पूरी दुनिया में तेजी से बढ़ रहा है। दुनिया की कई कंपनियां अब एआई का खूब इस्तेमाल कर रही हैं। एआई के आने से कई काम आसानी से हो पा रहे हैं। लेकिन जिस तरह से एआई का इस्तेमाल बढ़ रहा है, उससे भविष्य में लोगों की नौकरियां जाने की संभावना भी जताई जा रही है। एआई के आने से भविष्य में नौकरी की संभावनाओं पर क्या असर पड़ने वाला है, इसी पर इंफोसिस के फाउंडर एनआर नारायण मूर्ति ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। नारायण मूर्ति ने एआई पर अपनी राय एक साक्षात्कार के दौरान रखी। उन्होंने कहा कि मनुष्य का दिमाग सबसे ज्यादा शक्तिशाली है। इससे कोई भी मुकाबला नहीं कर सकता है। उन्होंने साल 1975 की एक तकनीक 'केस टूल्स' का उदाहरण भी दिया, जिसके बारे में माना जाता था कि यह सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट में नौकरियों को कम कर देगा। एक मीडिया हाउस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि भगवान द्वारा अब तक का सबसे शक्तिशाली उपकरण मानव मस्तिष्क है।

एआई का करें स्वागत

नारायण मूर्ति ने कहा कि एआई से नौकरियां जाने का डर को कुछ ज्यादा ही बढ़ा-चढ़ाकर बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसपर चर्चा करने की जगह इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है कि एआई नौकरियों को किस तरह से बदल देगा। वहीं इसपर भी चर्चा होनी चाहिए कि यह किस तरह से मानव श्रम को बढ़ा सकता है। एआई का स्वागत किया जाना चाहिए। इसे नियंत्रित किया जाना चाहिए और इसे एक अच्छे टूल के रूप में यूज किया जाना चाहिए।

ऑल टाइम हाई पर पहुंची चांदी

86,271 प्रति किलो बिक रही, 10 ग्राम सोना 51 रुपए सस्ता होकर 73,387 का हुआ

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। सोने में आज यानी 17 मई को गिरावट और चांदी में बढ़त देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) की वेबसाइट के मुताबिक, कारोबार के दौरान 10 ग्राम सोना 51 रुपए सस्ता होकर 73,387 रुपए का हो गया।

वहीं चांदी ने आज अपना नया ऑल टाइम हाई बनाया है। ये 41 रुपए महंगी होकर 86,271 रुपए प्रति किलो ग्राम पर पहुंच गई। वहीं सोने का ऑल टाइम हाई 73,596 रुपए का है, जो उसने बीते महीने 19 अप्रैल को बनाया था।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,900 रुपए है।

मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,750 रुपए है।

कोलकाताः 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 67,600 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 73,750 रुपए है।

चेन्नईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,700 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,850 रुपए है।

भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,800 रुपए है।

इस साल सोने-चांदी में दिखी शानदार तेजी

IBJA के अनुसार इस साल अब तक सोने के दाम 10,035 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 73,387 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 86,271 रुपए पर पहुंच गए हैं।

सेंसेक्स 253 अंक की तेजी के साथ 73,917 पर बंदः

निफ्टी में भी 62 अंक की बढ़त रही, महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर टॉप गेनर रहा

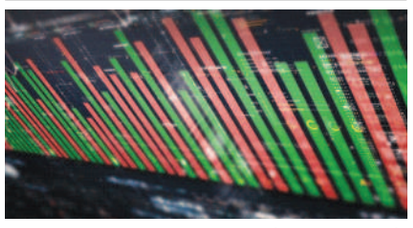

मुंबई, 17 मई (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 17 मई को तेजी देखने मिली। सेंसेक्स 253 अंक की तेजी के साथ 73,917 के स्तर पर बंद हुआ।वहीं निफ्टी में भी 62 अंक की तेजी है। ये 22,466 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में तेजी और 12 में गिरावट देखने को मिली। महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर निफ्टी का टॉप गेनर रहा

महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर आज 2,557 का ऑल टाइम हाई बनाया। हालांकि, बाद में यह थोड़ा नीचे आकर सुबह 5.83% की तेजी के साथ 2,510 के स्तर पर बंद हुआ। इसी के साथ महिंद्रा का शेयर निफ्टी का टॉप गेनर रहा। दरअसल, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने बीते दिन वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) की नतीजे जारी किए हैं। जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 31.5% बढ़कर 2,038 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी ने 1,549 करोड़ का मुनाफा हुआ था।

ऑपरेशन्स से कंपनी का रेवेन्यू, यानी आय 11.2% बढ़कर 25,109 करोड़ रही। पिछले साल की इसी अवधि में यह 22,571 करोड़ थी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 के लिए 21.10 रुपए के फाइनल डिविडेंड, यानी लाभांश का भी ऐलान किया है क्रिकेटर विराट कोहली के इन्वेस्टमेंट वाली कंपनी गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस के IPO में निवेश का आज आखिरी दिन है। यह पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए 15 मई को ओपन हुआ था। रिटेल निवेशकों को इस IPO के लिए मिनिमम एक लॉट, यानी 55 शेयर के लिए अप्लाय करना होगा।

अब नेपाल में एमडीएच-एवरेस्ट मसालों पर बैन लगा

कीटनाशक एथिलीन ऑक्साइड की जांच शुरू

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग के बाद अब नेपाल ने भी भारत के दो मसाला ब्रांड एवरेस्ट और एमडीएच की बिक्री, खपत और आयात पर रोक लगा दी है।

नेपाल के खाद्य प्रौद्योगिकी एवं गुणवत्ता नियंत्रण विभाग के प्रवक्ता मोहन कृष्ण महाराजन ने कहा, 'नेपाल में आयात किए जा रहे एवरेस्ट और एमडीएच ब्रांड के मसालों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। मसालों में हानिकारक केमिकल के अंश पाए जाने की खबर आने के बाद एक हफ्ते पहले आयात पर प्रतिबंध लगाया गया था और हमने मार्केट में भी इसकी बिक्री पर भी प्रतिबंध लगा दिया है।

इन दो ब्रांड्स के मसालों में केमिकल के लिए जांच चल रही है। अंतिम रिपोर्ट आने तक प्रतिबंध लागू रहेगा।'

इससे पहले अप्रैल महीने में सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग ने दोनों कंपनियों के कुछ प्रोडक्ट्स में पेस्टिसाइड एथिलीन ऑक्साइड की लिमिट से ज्यादा मात्रा होने के कारण उन्हें बैन किया था। इन प्रोडक्ट्स में इस पेस्टिसाइड की ज्यादा मात्रा से कैंसर होने का खतरा है।

आईटी कंपनी का कर्मचारियों को सख्त फरमान

नहीं लौटे तो जाएगी नौकरी

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। दिग्गज आईटी कंपनी कॉग्निजेंट ने अपने कर्मचारियों को सख्त चेतावनी दी है। कंपनी ने फरमान जारी किया है कि कर्मचारियों के पास नौकरी बचाने का आखिरी मौका है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी ने अपने कर्मचारियों को से कहा है कि अगर वह कई बार अपने कर्मचारियों को ऑफिस वापस आने की सूचना दे चुकी है। अगर कर्मचारी अब भी इस आदेश का पालन नहीं करते हैं तो उन्हें नौकरी से निकाला जा सकता है। दरअसल कंपनी ने अपने कर्मचारियों को पहले सप्ताह में 3 दिन ऑफिस आकर काम करने की सहूलियत दी थी। लेकिन अब कर्मचारियों को पूरी तरह से ऑफिस से काम करने का फरमान जारी किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी की ओर से बार-बार बुलाने के बाद भी कर्मचारी ऑफिस नहीं आ रहे हैं और वर्क फ्रॉम होम ही करना चाहते हैं। इससे पहले टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और इंफोसिस जैसी बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को ऑफिस बुलाया था।

कर्मचारियों को भेजा मेल

कॉग्निजेंट ने अपने कर्मचारियों को इस संबंध में मेल भेजा है। इसमें कंपनी ने लिखा है कि बार-बार याद दिलाने के बाद भी अगर कर्मचारी ऑफिस आकर काम नहीं करेंगे तो उन्हें नौकरी से निकाला जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी के करीब 3,47,700 कर्मचारी हैं। इनमें से भारत में ढाई लाख से ज्यादा कर्मचारी काम कर रहे हैं। कर्मचारियों के मुताबिक, भारत के कई शहरों में उनके कई सहकर्मियों को एचआर द्वारा मौखिक चेतावनी दी गई है कि अगर उनके प्रोजेक्ट में उन्हें कुछ दिनों के लिए ऑफिस से काम करने की जरूरत होती है तो वे काम पर वापस ऑफिस आ जाएं। वहीं कर्मचारियों का कहना है कि ऑफिस लौटने की कोई विशेष तिथि नहीं दी गई थी क्योंकि यह प्रोजेक्ट्स की जरूरत पर निर्भर करता है।

कई कंपनियों के कर्मचारी ऑफिस लौटे

दूसरी आईटी कंपनियों जैसे इंफोसिस, विप्रो, टीसीएस ने भी अपने सभी कर्मचारियों को ऑफिस बुला लिया है। इन कंपनियों के कर्मचारी साल 2023 से पूरे हफ्ते ऑफिस आकर काम करना शुरू कर चुके हैं। अब कई कंपनियां अपने कर्मचारियों को ऑफिस वापस बुला रही हैं।

स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम ने तीन अधिकारियों के खिलाफ दर्ज कराया केस

69 करोड़ रुपये गबन करने का आरोप

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। स्टेट बैंक ऑफ सिक्किम ने 69 करोड़ रुपये के गबन के आरोप में बैंक के तीन अधिकारियों के खिलाफ अपराध जांच विभाग (सीआईडी) में प्राथमिकी दर्ज कराई है। बैंक ने प्राथमिकी में धन के गबन के लिए तीन अधिकारियों दोरजी शेरिंग लेप्चा, महाप्रबंधक (संचालन), त्सेवांग दोरजी लेप्चा, सहायक प्रबंधक (आईटी) और तिलक राय, वरिष्ठ लेखा सहायक पर आरोप लगाए हैं। 14 मई को दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि तीनों अधिकारियों ने सरकारी अधिकारियों के नाम पर विभिन्न सावधि जमा खाते खोले और शेष बैंक धन को विभिन्न चल व अचल संपत्तियों में निवेश किया। बैंक ने सीआईडी से चल (बैंक खातों, एफडी, शेयर, म्यूचुअल फंड) और अचल संपत्तियों सहित सभी संपत्तियों को तुरंत फ्रीज करने का अनुरोध किया है जो उनके व्यक्तिगत नाम के साथ-साथ उनके परिवार के निकटतम सदस्यों के नाम पर दर्ज हैं।

एलन मस्क ने एक्स का डोमेन बदलकर x.com किया

पहले यह twitter.com था, 24 जुलाई 2023 को बदला था नाम और लोगो

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। एलन मस्क ने ट्विटर का नाम और लोगो बदलने के बाद अब उसके डोमेन को भी बदलकर x.com कर दिया है। उन्होंने X पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा,'सभी कोर सिस्टम अब x.com पर हैं।

24 जुलाई 2023 को मस्क ने ट्विटर का नाम और लोगो बदलकर X किया था। तब x.com को twitter.com पर रीडायरेक्ट किया गया था, लेकिन अब मेन डोमेन को x.com करने के साथ ही twitter.com को इसपर रीडायरेक्ट कर दिया गया है। प्राइवेसी और डेटा सेफ्टी सेटिंग्स वही

X के लॉगिन पेज के नीचे अब एक मैसेज भी दिखाई दे रहा है जिसमें लिखा है, 'हम आपको बता रहे हैं कि हम अपना यूआरएल बदल रहे हैं, लेकिन आपकी प्राइवेसी और डेटा प्रोटेक्शन सेटिंग्स वही रहेंगी।'

एलन मस्क ने 27 अक्टूबर 2022 को माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर (अब X) खरीदा था। ये डील 44 बिलियन डॉलर में हुई थी। आज के हिसाब से ये रकम करीब 3.6 लाख करोड़ रुपए होती है। तब से लेकर अब तक प्लेटफॉर्म में कई बड़े बदलाव किए गए हैं। मस्क X को 'एवरीथिंग ऐप' बनाना चाहते हैं।

1999 से मस्क का X से नाता

एलन मस्क का X से नाता साल 1999 से है। तब उन्होंने एक ऑनलाइन बैंकिंग कंपनी X.com बनाई थी। इसे बाद में एक अन्य कंपनी के साथ मर्ज कर दिया जो पेपाल बनी। साल 2017 में मस्क ने PayPal से यूआरएल X.com को फिर से खरीदा था। साल 1999 में एलन मस्क ने x.com नाम की एक ऑनलाइन बैंकिंग कंपनी बनाई थी जो बाद में मर्ज होकर पेपाल बनी। एलन मस्क ने यह इमेज सोशल मीडिया प्लेटफार्म का नाम बदलने के बाद शेयर किया था।

डायबिटीज से लेकर हार्ट डिजीज तक का इलाज

सरकार ने 41 दवाओं की कीमतें घटाई

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। यूं तो दुनिया में डायबिटीज के रोगी चीन में सबसे ज्यादा हैं। लेकिन भारत भी कोई पीछे नहीं है। साल 2021 का आंकड़ा बताता है कि भारत में उस सयम 7.41 करोड़ शुगर पेशेंट्स थे। शुगर पेशेंट्स के साथ-साथ हार्ट पेशेंट, लीवर की बीमारी से जूझ रहे पेंशेंट्स को अब थोड़ी आसानी होगी। आसानी इसलिए, क्योंकि इन बीमारियों के इलाज के लिए आमतौर पर इस्तेमाल होने वाली 41 दवाओं और छह फॉर्मूलेशन की कीमतें कम कर दी हैं। यह फैसला केंद्र सरकार की एजेंसी नेशनल फार्मास्यूटिकल्स प्राइसिंग अथॉरिटी का है।

कई दवाएं होंगी सस्ती

फार्मास्यूटिकल्स विभाग और राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल मूल्य निर्धारण प्राधिकरण द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, एंटासिड, मल्टीविटामिन और एंटीबायोटिक्स उन दवाओं में से हैं जो सस्ती हो जाएंगी। इसके साथ ही सभी फार्मा कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि वे विभिन्न दवाओं की कम कीमत की जानकारी तत्काल प्रभाव से डीलरों और स्टॉकिस्टों को दें। एनपीपीए की 143वीं बैठक में यह निर्णय लिया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आवश्यक दवाओं की कीमत जनता के लिए सस्ती रहे।

सस्ते में घूमने को मिला तो वियतनाम को निकल पड़े भारतीय

248% बढ़ी है पर्यटकों की संख्या

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। इस समय भारत का ट्रेवल मार्केट गुलजार है। पिछले कुछ महीनों से भारत से बाहर घूमने वाले पर्यटकों की संख्या में भी भारी इजाफा हुआ है। इस समय आंकड़े बता रहे हैं कि पूर्वी एशियाई देश वियतनाम भारतीयों के लिए एक पसंदीदा इंटरनेशनल डेस्टिनेशन के रूप में उभरा है। मास्टरकार्ड के इकोनॉमिक्स इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट, जिसका शीर्षक ट्रैवल ट्रेंड्स 2024ः ब्रेकिंग बाउंड्रीज़ है। इसमें कहा गया है कि इस समय भारतीय खुल कर वियतनाम घूमने जा रहे हैं। तभी तो वियतनाम जाने वाले भारतीयों की संख्या में अभी साल 2019 के मुकाबले 248 फीसदी की तगड़ी बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान अमेरिका और जापान घूमने वाले भारतीयों की संख्या में भी खूब इजाफा हुआ है। इन देशों के लिए वृद्धि दर क्रमशः 59% और 53% है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-46 सूर्यास्त. -18-38
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी 11-22 तक उपरान्त एकादशी
मास - वैशाख शुक्ल , शनिवार 18 May
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी 00-23 तक उपरान्त हस्त
योग - हर्षण 10- 24 तक उप वज्र
करण- गर 11-22 तक उप वणिज
विशेषः-
व्रत -त्योहार - श्री महावीर स्वामी कैवल ज्ञान

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष में	वृष--	05-34 बजे
चंद्र-	कन्या में	मिथुन..	07-34 बजे
मंगल	मीन में	कर्क...	09-47 बजे
बुध-	मेष में	सिंह....	12-00 बजे
गुरु-	वृष में	कन्या..	14-05 बजे
शुक्र-	मेष में	तुला.....	16-11 बजे
शनि-	कुंभ में	वृश्चिक..	18-21 बजे
राहु-	मीन में	धनु.....	20-35 बजे
केतु-	कन्या में	मकर....	22-41 बजे
		कुंभ....	00-31 बजे
		मीन...	02-09 बजे
		मेष....	03-45 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 08:59 से 10:36 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	05:46 - 07:21	अशुभ	लाभ.	18:38 - 20:04	शुभ
शुभ.	07:21 - 08:59	शुभ	उत्पात	20:04 - 21:27	अशुभ
रोग	08:59 - 10:36	अशुभ	शुभ	21:27 - 22:50	शुभ
उत्पात	10:36 - 12:13	अशुभ	अमृत	22:50 - 24:13	शुभ
चंचल	12:13 - 13:50	शुभ	चंचल	24:13 - 01:35	शुभ
लाभ	13:50 - 15:27	शुभ	रोग।	01:35 - 02:58	अशुभ
अमृत	15:27 - 17:04	शुभ	काल	02:58 - 04:21	अशुभ
काल	17:04 - 18:38	अशुभ	लाभ	04:21 - 05:46	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आपकी किसी से कोई महत्वपूर्ण बातचीत होने के आसार हैं टकराव की स्थिति भी बन सकती है या साधारण बातचीत भी हो सकती है लेकिन यह जो भी हो,इससे आपको सोचने के लिए काफी कुछ मिलेगा और आप पूरे दिन इसी में व्यस्त रहेंगे आप आज कोई विकर्षण सहन नही करेंगे फिर भी आपको यह महसूस होगा कि इस घटना पर अधिक सोचकर कुछ हासिल नही होगा

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
कार्यस्थल पर कोई आपके खिलाफ चुपचाप काम कर रहा है लेकिन आज आपको इस बात का पक्का सबूत मिलने वाला है कि वह कौन हैलेकिन अभी इस आदमी से ना उलझें ,आपको केवल यह पता चल जाने से भी काफी मदद मिलेगी कि आपके खिलाफ कौन काम कर रहा है और आप अपने दुश्मनों को अपने रास्ते से हटाने में कामयाब रहेंगे

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप आकर्षण का केंद्र रहेंगे फोकस का केंद्र रहना आपकी सहज विशेषता है जिसके कारण कई लोग आपसे ईर्ष्या करेंगे जब आप सहज रूप से वर्त्तमान .भूतकाल और भविष्य के बारे में सोचेंगे तो आपको बहुत से अपने जवाब और समाधान मिल जायेंगे

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपके पिछले कुछ समय से अपने करियर तथा निजी जीवन सम्बन्धी किये गये प्रयासों का फल मिलने का समय आ गया है ऐसा घटनाक्रम बनेगा कि आपको कोई बड़ी सफलता हाथ लगेगी आपको प्रयासों और परिश्रम को आपके सीनियर ध्यान से देखेंगे और वे आपके जबरदस्त समर्थक भी बन जायेंगे आपके दुश्मन आज असहाय अनुभव करेंगे

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होंगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा ,स्थितियां आपके सामने किसी पुरानी अवांच्छित बात को फिर से लाकर खड़ी कर सकती हैं,जिससे आप बचना चाहते थे आपको इस समस्या से निपटने के लिए सहनशील नजरिये से सोचना होगा क्योंकि आज आप बिना पर्याप्त कारण अपने आप सहित हर किसी पर सख्त रहें हैं इस टकराव से नए अवसरे भी आयेंगे अंतिम परिणाम अच्छा ही होगा

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है अगर आप अपनी नौकरी या करियर में कोई बदलाव लाने या कोई नया सम्बन्ध बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आज से अच्छा कोई भी दिन नही हो सकता अगर आपको इसमें कोई जोखिम लगता भी है तो भी एक मौका जरुर लें और सब कुछ जैसे आप चाहते हैं,बिलकुल वैसे ही होने की पूरी संभावना है

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
अगर आप आज रसोईघर में बनने वाले खाने के बारे में सोच रहे हैं तो बिलकुल सही सोच रहे हैंआज आपको कोई विशेष पकवान खाने को मिल सकता हैअपनी सेहत का ध्यान रखें और साफ़ सफाई बनाये रखें आपके मित्र के को हुई ग़लतफ़हमी आज दूर हो सकती है अप्रत्याशित श्रोतों से आय होने की भी संभावना है

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
अपनी आँखें खुली रखें ,आज आपकी मुलाकात अपने सपनों के साथी से हो सकती है प्रेम पाने की सम्भावना आज प्रबल है हालाँकि अलग से अंदाज के कारण उसे पहचानना मुश्किल हो सकता है आज आपको किसी अप्रत्याशित व्यक्ति से उपहार भी मिल सकता है कुल मिलकर आज का दिन आपके लिए घटनाओं से भरा रहेगा

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपके दिमाग में आज कोई अद्भुत विचार आएगा और आपको इसे हाथोहाथ केवल इसीलिए रद्द नही क्र देना चाहिए क्योंकि आपको इसका हो पाना मुश्किल लग रहा है आज बड़ा सोचने और ऊँचाइयों को छूने का दिन है ऐसा करने के लिए आपको बाधाओं की सूची बनाकर अच्छी योजना बनानी अहि और आप पायेंगे कि परेशानियों से खुद-ब-खुद समाधान नजर आने लगेंगे

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आपको अपने दृष्टिकोण को सांसारिक वास्तविकता के साथ संतुलित करने की जरुरत को समझने और इस कला में पारंगत होने की आवशयकता महसूस होगी आपकी योजनायें महत्वाकांक्षी हैं,लेकिन आपको इसके लिए वास्तविक समस्याओं को समझना होगा नही तो आप अपने अच्छे इरादे के बावजूद टकराव महसूस करेंगे

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

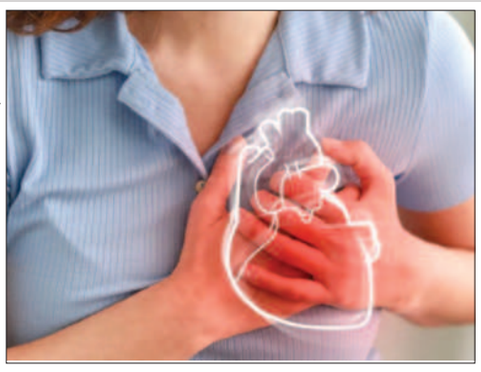

नेपाल के नोट पर विवादित नक्शा

क्या है भारत संग सीमा विवाद, 208 साल पहले हुई संधि फिर क्यों नहीं सुलझा विवाद?

काठमांडू, 17 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)।0 नेपाल की ओर से हाल ही में जारी हाल ही में जारी 100 रुपए के नोट को लेकर विवाद है। इस नोट पर नेपाल ने अपना जो नक्शा छापा है, उसमें कई ऐसे क्षेत्र भी शामिल हैं, जिनको भारत अपना कहता है। प्रधान मंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड की सरकार ने 3 मई को नेपाल ने 100 रुपए के नए नोट पर विवादास्पद नक्शे के इस्तेमाल का फैसला लिया। नेपाल ने कहा कि कैबिनेट ने 25 अप्रैल और 2 मई को चर्चा के बाद नोट के नए डिजाइन को मंजूरी दे दी है और पुराने नोटों के स्थान पर नए नोट जारी किए गए हैं। नेपाल ने करीब चार साल पहले, 2020 में इस नक्शे को जारी किया था और ये विवाद की वजह बना था। एक बार फिर ऐसे समय पर नेपाल ने ये विवाद फिर खड़ा कर दिया है, जब भारत में लोकसभा चुनाव हो रहे हैं।

इस फैसले के बाद कथित तौर पर नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के आर्थिक सलाहकार चिरंजीवी ने इस कदम की आलोचना करते हुए इस्तीफा दे दिया। भारत की ओर से भी इस प्रतिक्रिया आई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने फैसले को एकतरफा बताते हुए कहा कि इस मामले पर भारत की स्थिति साफ है और ऐसे निर्णय जमीनी हकीकत में कोई बदलाव नहीं ला सकते हैं। एबीपी की रिपोर्ट के मुताबिक, नेपाल के विवादास्पद नक्शे को पूर्व प्रधान मंत्री केपीएस ओली की सरकार के समय अपनाया गया था। ये निश्चित ही भारत के साथ नेपाल के संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

मौजूदा विवाद कैसे शुरू हुआ

नेपाल और भारत 1850 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। भारत के सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों से नेपाल की सीमा छूती है। दोनों देशों के बीच कुछ जगहों पर बॉर्डर विवाद है। हालिया विवाद की शुरुआत 2020 में तब हुई जब भारत विरोधी अभियान चलाकर सत्ता में आए नेपाल के पूर्व पीएम ओली ने देश का नक्शा बदल दिया। भारत को झटका देते

हुए जून 2020 में नेपाल ने भारत के साथ विवादित क्षेत्रों पर अपना दावा किया। नेपाल ने लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी के अपनी सीमा में होने का दावा किया, जिसे भारत अपना कहता है। नेपाल की ओर ये ये तब किया गया, जब भारत-चीन सीमा पर लिपुलेख दर्रे को कैलाश-मानसरोवर मार्ग से जोड़ने वाली एक नई सड़क खोलने का फैसला भारत ने लिया था।

इससे पहले दिसंबर 2019 में भारत की ओर से भी एक नक्शा जारी किया गया था, इसमें कालापानी को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के हिस्सा दिखाया गया। नेपाल की ओर से तब आपत्ति की गई थी, जिस पर भारत ने मतभेदों को सुलझाने के लिए एक विदेश सचिव स्तर की वार्ता तंत्र का गठन करने की बात कही थी। इसके बाद कोविड महामारी के चलते बातचीत शुरू नहीं हो सकी और फिर नेपाल ने विवादित नक्शा जारी कर दिया।

लंबे समय से क्यों जारी है ये सीमा विवाद?

भारत और नेपाल के बीच बॉर्डर का फैसला 1816 की सुगौली संधि के तहत हुआ था। नेपाल और उस समय भारत पर शासन कर रही ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच ये संधि हुई थी। इस संधि में काली नदी को सीमा के रूप में निर्धारित किया गया है। यह समझौता काली नदी के उद्गम के सटीक स्थान को परिभाषित करने में विफल रहा और यही इस विवाद का केंद्र है। काली नदी के पूर्वी किनारे पर नेपाल स्थित है। नदी और उसकी धाराएं उत्तराखंड के पिथौरागढ जिले से होकर गुजरती हैं और सभी धाराओं का संगम कालापानी और लिम्पियाधुरा में होता है।

आजादी के बाद भारत ने ब्रिटिश शासन और नेपाल के बीच बनी सहमति को स्वीकार कर लिया लेकिन कई मुद्दों पर विवाद लगातार बना रहा। नेपाल ने इस बात का भी विरोध किया है कि 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद से भारतीय सेना ने इस क्षेत्र में शिविर चला रखे हैं। विवाद के केंद्र में स्थित लिपुलेख दर्रा 5,000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह ऊपरी हिमालय में नेपाल और चीन के साथ भारत की सीमा पर भूमि की एक पट्टी है।

कई बार हो चुकी सुलझाने की कोशिश

1950 की भारत-नेपाल शांति और मित्रता संधि भारत और नेपाल के बीच sमौजूद विशेष संबंधों का आधार है। हालांकि काठमांडू एक दशक से अधिक समय से द्विपक्षीय संबंधों में परिवर्तन को प्रतिबिंबित करने के लिए इस संधि को संशोधित करने का अनुरोध कर रहा है। यह भारत-नेपाल प्रतिष्ठित व्यक्ति समूह (ईपीजी) के तहत की गई मुख्य सिफारिशों में से एक थी। संधि सहित द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा के लिए 2016 में एक पैनल भी गठित किया गया लेकिन इसे भारत ने कभी नहीं अपनाया।

भूराजनीतिक और सुरक्षा विश्लेषक नविता श्रीकांत ने इस मुद्दे पर एबीपी से कहा, 'नेपाल में 100 रुपए के नोट पर नक्शे का फैसला लिया गया है। वहीं एक और दो रुपये के सिक्कों पर पहले से ही नया नक्शा है और वे पहले से ही प्रचलन में हैं। दरअसल सीमा का मामला एक नेपाली के साथ-साथ एक भारतीय के लिए राष्ट्रीय गौरव का विषय है। भारत को अपना रवैया बदलना होगा और उसे प्राथमिकता देनी होगी, साथ ही नेपाली लोगों को अपने राजनीतिक नेतृत्व की सनसनीखेजता को दूर करना होगा और भारत के साथ रणनीतिक संबंधों को संतुलित करने के लिए समाधान तलाशना होगा।

सड़क हादसा, 5 दोस्तों की मौत

सरगुजा में बाइक सवारों को टक्कर मार घसीट ले गई कार, बलौदबाजार में 3 को रौंदा

अंबिकापुर/बलौदाबाजार, 17 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में गुरुवार देर रात हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में 5 दोस्तों की मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। सरगुजा में नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार 3 दोस्तों को टक्कर मार दी। इसमें 2 की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के भी एयर-बैग खुल गए। दूसरी ओर बलौदाबाजार में भी एक एसयूवी ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। ये लोग अंबिकापुर जाने के लिए रेलवे स्टेशन जा रहे थे। हादसे में तीनों दोस्तों की मौत हो गई। वहीं चालक गाड़ी छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने दोनों हादसों में टक्कर मारने वाली गाड़ियों को जब्त कर लिया है।

बलौदाबाजार के नयापारा निवासी अशरफ खान (38), शेख इस्लामुद्दीन (42) और गुलाम मोईनुद्दीन (32) को एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए अंबिकापुर जाना था। ऐसे में तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर रात करीब 10.30 बजे ट्रेन के लिए भाटापारा रेलवे स्टेशन जा रहे थे। अभी तीनों भाटापारा के ग्राम खमरिया और अर्जुनी के बीच पहुंचे थे कि अर्जुनी भाटा के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों उछलकर सड़क पर जा गिरे और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के स्कॉर्पियो चालक गाड़ी छोड़कर भाग निकला।

वहीं दूसरा हादसा रात करीब 11 बजे सरगुजा में अंबिकापुर-बिलासपुर हाईवे-130 पर हुआ। लखनपुर के ग्राम माजा निवासी सुरेश दास (19), पटेल बरगाह (20) और चमन यादव (20) बस स्टैंड में अपने एक अन्य दोस्त धीरज से मिलने के लिए पहुंचे थे। इसके बाद तीनों एक बाइक पर घर लौट थे। तीनों दोस्त नावापारा से आगे अमगसी मोड़ के पास पहुंचे और वहां से राइट साइड में जाने के लिए सड़क क्रास करने लगे। इसी दौरान अंबिकापुर से बिलासपुर की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक सवार सुरेश दास और पटेल बरगाह उछलकर नीचे जा गिरे। वहीं तीसरा दोस्त चमन यादव बाइक सहित कार में फंस गया और दूर तक घिसटता चला गया।

छत्तीसगढ़ विधानसभा उपचुनाव, 4 सीटों पर नामों की दौड़

पूर्व सीएम-मंत्री के बेटों पर दांव लगा सकती है कांग्रेस, भाजपा से सांसद-पूर्व विधानसभा अध्यक्ष दावेदार

रायपुर, 17 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के लिए 7 मई को मतदान खत्म हो चुके हैं। इसके बाद विधानसभा उप चुनाव को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। दरअसल, लोकसभा चुनाव में भाजपा ने एक और कांग्रेस ने 3 मौजूदा विधायकों को मैदान में उतारा है। इनमें भाजपा ने रायपुर दक्षिण विधायक बृजमोहन अग्रवाल को रायपुर लोकसभा सीट, कांग्रेस ने पाटन विधायक भूपेश बघेल को राजनांगदांव, कोंटा विधायक कवासी लखमा को बस्तर और भिलाई विधायक देवेंद्र यादव को बिलासपुर से उम्मीदवार बनाया है। रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट भाजपा का अजेय किला मानी जाती है। यहां से बृजमोहन अग्रवाल लगातार 8वीं बार विधायक चुने गए हैं। लोकसभा चुनाव में उनको प्रत्याशी बनाए जाने के बाद सबसे ज्यादा चर्चा उनकी जीत की नहीं, बल्कि वोटों की मार्जिन को लेकर हुई है। ऐसे में बृजमोहन की जीत रायपुर से लगभग तय मानी जा रही है।

ऐसी स्थिति में इस विधानसभा सीट पर उप चुनाव में उम्मीदवारी के लिए चार नाम सबसे ज्यादा चर्चा में हैं। इनमें पूर्व सांसद सुनील सोनी, नगर निगम के सीनियर पार्षद रहे सुभाष तिवारी, तीन बार के निर्दलीय पार्षद मृत्युंजय दुबे और निगम में नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे की दावेदारी मजबूत मानी जा रही है।

वहीं कांग्रेस की बात करें तो शहर दक्षिण से दावेदारों की लंबी लाइन है। इनमें मेयर ऐजाज ढेबर, पूर्व मेयर प्रमोद दुबे, कन्हैया अग्रवाल, युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा और सन्नी अग्रवाल का नाम चर्चा में है। हालांकि इनमें अकेले कन्हैया अग्रवाल ही ऐसे नेता हैं, जो बृजमोहन के खिलाफ पहले भी चुनाव लड़ चुके हैं।

भिलाई नगर सीट से अभी देवेंद्र यादव कांग्रेस के विधायक हैं। कांग्रेस ने उन्हें लोकसभा चुनाव में बिलासपुर से मैदान में उतारा है। अगर वे चुनाव जीतते हैं तो भिलाई नगर सीट पर विधानसभा उप चुनाव होगा। कांग्रेस देवेंद्र यादव की जीत पक्की मान रहे हैं, ऐसे में सियासी गलियारों में 3 नामों पर चर्चा है। इनमें भिलाई महापौर नीरज पाल प्रबल दावेदार हैं। इनके अलावा पार्षद सीजू एंथोनी और एकांश बनचौर का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है। वहीं भाजपा से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय, वरिष्ठ नेता राकेश पांडेय और भोजराज सिन्हा की दावेदारी मानी जा रही है। पाटन विधानसभा क्षेत्र पूर्व सीएम और कांग्रेस पार्टी के सबसे चर्चित चेहरों में से एक भूपेश बघेल की सीट है। लोकसभा चुनाव में बघेल राजनांदगांव सीट से कांग्रेस उम्मीदवार हैं। लोकसभा के चुनावी समर में बघेल की एंट्री ने छत्तीसगढ़ के 11 सीटों के चुनाव को दिलचस्प बनाया है। ऐसे में बीजेपी-कांग्रेस के बीच मुकाबला तगड़ा बताया जा रहा है। भूपेश अगर केंद्र की राजनीति में जाते हैं तो इस सीट से पहली और प्रबल दावेदारी चैतन्य बघेल की हो सकती है। इसके अलावा कृष्णा चंद्राकर या फिर पटेल या साहू समाज से पार्टी किसी को मौका दे सकती है। दूसरी ओर भाजपा से 3 नाम चर्चा में हैं। इनमें जिलाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा प्रबल दावेदार हैं। इनके अलावा पाटन से ही भाजपा के तीन नेताओं के दावेदारी की चर्चा है, दुर्ग जिला अध्यक्ष और सांसद विजय बघेल के करीबी कहे जाने वाले जितेंद्र वर्मा यहां से टिकट मांग सकते हैं, ये पाटन के ही निवासी भी हैं।

कार्यपालन अभियंता के बंगले में एसीबी ने मारा छापा

पचास हजार रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार

कोंडागांव, 17 मई (एजेंसियां)। कोंडागांव में एंटी करप्शन ब्यूरो जगदलपुर ने छापेमार कार्रवाई करते हुए जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता टी आर मेश्राम को पचास हजार रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

जल संसाधन विभाग का यह कोई पहला मामला नहीं है इससे पहले का मामला अभी न्यायालय में लंबित है जिसमें तत्कालीन कार्यपालन अभियंता आर बी सिंह को एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

पूर्व के मामले का निपटारा अभी हुआ ही नहीं था कि तत्कालीन कार्यपालन अभियंता आर बी सिंह की जगह आए हुए कार्यपालन अभियंता टी आर मेश्राम को आज एंटी करप्शन ब्यूरो जगदलपुर की टीम ने 50 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम अभी कार्रवाई कर रही है जल्द ही उनके द्वारा मामले का ब्यौरा दिया जाएगा।

हेमंत की याचिका पर 21 मई को एससी में सुनवाई

20 मई तक ईडी को देना होगा जवाब, प्रचार के लिए मांगी है अंतरिम जमानत

रांची, 17 मई (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई। अब कोर्ट 21 मई को मामले की सुनवाई करेगा। 20 मई (सोमवार) तक ईडी को अंतरिम जमानत पर अपना जवाब देना होगा। हेमंत सोरेन ने लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मांगी है।

इससे पहले 13 मई को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को नोटिस भेजते हुए जवाब दाखिल करने को कहा था। पिछली सुनवाई में हेमंत सोरेन का पक्ष रखते हुए कपिल सिब्बल ने दिल्ली के अरविंद केजरीवाल को मिली जमानत का हवाला दिया था। कहा था कि इस याचिका पर जल्द सुनवाई हो, वरना तब तक चुनाव खत्म हो चुके होंगे।

हेमंत सोरेन ने इस याचिका में झारखंड हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उनकी गिरफ्तारी को सही ठहराया गया है। बता दें कि लोकसभा के चौथे चरण में झारखंड में पहले फेज का मतदान हुआ है। बाकी के तीन चरणों में 10 सीटों पर वोटिंग होनी बाकी है।

पिछली सुनवाई के दौरान हेमंत

सोरेन की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि रांची के बड़गाई की जिस जमीन में गड़बड़ी की बात कह ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया है। वह जमीन हेमंत के कब्जे में कभी रही ही नहीं। ईडी ने हेमंत सोरेन के नाम पर जमीन होने का एक भी दस्तावेज भी पेश नहीं किया है। ऐसे में उनकी गिरफ्तारी को सही नहीं ठहराया जा सकता है। रांची जिले के बड़गाई अंचल में लगभग साढ़े आठ एकड़ जमीन की अवैध तरीके से खरीद-बिक्री मामले में ईडी ने झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन पर कार्रवाई की है। इस मामले में पूछताछ के लिए ईडी ने सीएम को 11 समन भेजा था। इसमें से केवल दो समन में उन्होंने ईडी के सवालों के जवाब दिए। 11वें समन पर जवाब-तलब के लिए ईडी के अधिकारी 31 जनवरी को उनके आवास पहुंचे। यहां पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इसी कार्रवाई और गिरफ्तारी को उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिसे खारिज कर दिया गया।

झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन का मामला क्या है?

झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन पर पीएमएलए एक्ट के तहत मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया गया है। दरअसल, झारखंड की राजधानी रांची में बजरा नाम की एक जगह है। यहां करीब 7.16 एकड़ जमीन के एक प्लॉट का मालिकाना हक भारतीय सेना के पास था। इस जमीन को स्थानीय लोगों ने गलत डॉक्यूमेंट्स के जरिए कई लोगों को बेच दिया। जब मामला रांची नगर निगम के पास पहुंचा तो निगम ने अवैध खरीद-फरोख्त के आरोप में अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज करवा दिया।

इसी केस को आधार बनाकर ईडी ने जांच शुरू कर दी। 14 अप्रैल को इस मामले में ईडी ने पहली बार 7 लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें प्रदीप बागची, अफसर अली, सद्दाम हुसैन के अलावा 4 और लोगों को गिरफ्तार किया गया था। करीब 23 दिन बाद रांची के पूर्व उपायुक्त निलंबित आईएएस अधिकारी छवि रंजन की गिरफ्तारी हुई। छवि से पूछताछ के आधार पर 31 जुलाई को विष्णु अग्रवाल नाम के एक शख्स को गिरफ्तार किया गया।

इसके पास से मिले डॉक्यूमेंट्स में हेमंत सोरेन का नाम मिला। जांच में हेमंत सोरेन के बैंक खाते और चेक से जुड़ी जानकारी मिली। इसके बाद ईडी ने पीएमएलए एक्ट की धारा 50 के तहत हेमंत सोरेन से पूछताछ के लिए उन्हें समन भेजा। 10 बार समन भेजे जाने के बावजूद हेमंत ईडी के सामने पेश नहीं हुए। इसके बाद समन भेजने के बावजूद पेश नहीं होने पर आईपीसी की धारा 174 के तहत 31 जनवरी 2024 को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई

बड़े भवनों में हार्वेस्टिंग सिस्टम की जांच करेंगे छह अधिवक्ता

रांची, 17 मई (एजेंसियां)। रांची के जलस्रोतों के संरक्षण और रांची के तीनों डैम की साफ-सफाई और उसे अतिक्रमण मुक्त करने को लेकर दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस रोंगन मुखोपाध्याय और जस्टिस दीपक रोशन की खंडपीठ ने बहुमंजिली इमारतों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम (वर्षा जल बचाने के संयंत्र) की जांच के लिए 6 अधिवक्ताओं की कमेटी बनाई है। नगर निगम के तीन अभियंताओं के साथ मिलकर अधिवक्ताओं की यह कमेटी उन बहुमंजिली भवनों की जांच करेगी, जिनमें रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बने होने का दावा नगर निगम ने किया है। कमेटी एक-एक भवन का सर्वे करके देखेगी कि बनाए गए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का ऑपरेशन और मेंटनेंस हो रहा है या नहीं, इस सिस्टम के बनने से वर्षा जल का संरक्षण हो रहा है या नहीं। कोर्ट ने अधिवक्ताओं की कमेटी को जल्द ही जांच करके रिपोर्ट देने का निर्देश दिया।

पिछली सुनवाई में निगम के अधिवक्ता एलसीएन शाहदेव ने बताया था कि नगर निगम क्षेत्र में 710 बहुमंजिली भवनों में से 648 में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बना है। 62 भवनों में हार्वेस्टिंग सिस्टम नहीं है। ऐसे भवन पर डेढ़ गुना अधिक टैक्स लगाया गया है। इस पर कोर्ट ने पूछा था कि जहां रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बना हुआ है, वह मेंटेन होता है या नहीं। पुंदाग, कटहल मोड़ सहित अन्य इलाकों में जहां पानी की समस्या है, वहां रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम है या नहीं। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से बताया गया कि हटिया, कांके और गेतलसूद डैम से जलापूर्ति में किसी तरह की दिक्कत नहीं है। डैमों में पर्याप्त पानी रिजर्व है। इधर, नगर निगम प्रशासक के आदेश पर कांके डैम को जलकुंभी मुक्त कर दिया गया है। बिड हार्वेस्टिंग मशीन से डैम के चारों ओर फैले जलकुंभी को निकाला गया है। जलकुंभी निकलने के बाद डैम का पानी साफ दिख रहा है और आसपास के लोगों को दुर्गंध से भी राहत मिली है। दूसरी ओर, डैम से गाद निकालने का काम भी युद्ध स्तर पर चल रहा है।

झारखंड में 20 मई तक हीट वेव का यलो अलर्ट

रांची, 17 मई (एजेंसियां)। झारखंड एक बार फिर भीषण गर्मी की चपेट में है। मौसम विभाग ने 18 मई से लेकर 20 मई तक हीट वेव का यलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के मुताबिक, अगले तीन दिन तापमान में 3 से 4 डिग्री के बढ़ोतरी की संभावना है। जिन जिलों में हीट वेव का अलर्ट है उनमें उनमें देवघर, जामताड़ा, दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज के जिले शामिल है। वहीं, 19 मई को राज्य में गढ़वा, पलामू, चतरा, देवघर और गिरिडीह में हीट वेव को लेकर सतर्क रहने की अपील की गई है। हालांकि, प्रदेश के कुछ हिस्सों में आज आंशिक बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग ने आज अधिकतम तापमान 37 डिग्री के आसपास रहने की संभावना जाहिर की है। जबकि न्यूनतम तापमान 27 डिग्री के आसपास हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में एक तरफ हीट वेव तो दूसरी तरफ राज्य के कुछ हिस्सों में वज्रपात और तेज हवा को लेकर चेतावनी जारी की गयी है। मौसम का यह असर 22 मई तक रहेगा। राजधानी रांची सहित राज्य के कई हिस्सों में तापमान में आने वाले दिनों में बढ़त की संभावना है। राज्य में पिछले 24 घंटे के मौसम पर नजर डालें तो राज्य में एक से दो जगहों पर हल्की बारिश हुई है। जहां सबसे अधिक बारिश हुई 1.0 मिमि गिरिडीह. हजारीबाग और खूंटी में दर्ज किया गया है। राज्य में जिस जगह तापमान अधिक रहा, वह डाल्टेनगंज है, जहां 41.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

नक्सलियों ने जारी की दस डीआरजी जवानों की हिट लिस्ट

बीजापुर के भैरमगढ़ इलाके में पोस्टर लगाए, बेगुनाह ग्रामीणों की पिटाई का आरोप, मजदूरों को भी धमकी

जगदलपुर/बीजापुर, 17 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के एक गांव में नक्सलियों ने तिरंगा पैटर्न में पेंट हुए शासकीय भवनों की दीवारों पर लोकतंत्र विरोधी नारे लिखे हैं। काले रंग से चुनाव का बहिष्कार करने और कांग्रेस-भाजपा के नेताओं को मार भगाने की बात लिखी है। इसके अलावा पर्चे में डीआरजी के 10 जवानों का नाम लिखकर उन पर ग्रामीणों की पिटाई का आरोप लगाया है। उन्हें जल्द सजा देने की बाद लिखी हुई है। बड़ी बात ये है कि, विधानसभा-लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद भी शासकीय भवनों से नक्सलियों के लिखे ये नारे अब तक नहीं मिटाए गए हैं। जब गांव पहुंची तो यहां जहां भी नजर पड़ रही थी, वहां नक्सलियों के नारे लिखे मिल रहे थे।

इसके अलावा नक्सलियों ने भवनों के सामने स्थित पेड़ों पर पर्चा चस्पा कर मजदूरों को भी धमकी दी है। मजदूरों को सड़क और पुल-पुलिया निर्माण में काम न करने हिदायत दी गई है। साथ ही डीआरजी के जवानों को मार भगाने और पुलिस पर फर्जी एनकाउंटर का आरोप लगाया है।

जिस इलाके में नक्सलियों ने पर्चे के जरिए मजदूरों को धमकी दी है, वहां से कुछ ही किमी दूर इंद्रावती नदी पर फुंडरी और बेदरे में 2 बड़े पुल भी बन रहे हैं। इसी पुल का नक्सली विरोध कर रहे हैं। यहां काम करने वाले मजदूरों को ही काम न करने की हिदायत दी है।

दरअसल, भैरमगढ़ ब्लॉक के उसपरी और बैल गांव में नक्सलियों ने नारे लिखे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि, जिस भवन पर नारे लिखे हैं वह आंगनबाड़ी और शासकीय राशन दुकान है। हालांकि, हमें राशन दुकान और आंगनबाड़ी लिखा कोई बोर्ड नहीं मिला। नारे पुराने हैं, लेकिन मजदूरों और जवानों के लिए धमकी भरे पर्चे हाल ही में चस्पा किए गए हैं। नक्सलियों की इंद्रावती एरिया कमेटी ने पर्चा चस्पा किया है। जिसमें लिखा है कि उसपरी समेत अन्य गांवों के बाजारों में ग्रामीण पहुंचे थे। मजदूर दिवस के दिन डीआरजी के जवानों ने निर्दोष आदिवासियों की पिटाई की। नक्सलियों ने पर्चे में 10 नाम भी लिखे हैं। इनमें मोटू ओयाम, राजू ओयाम, अर्जुन ओयाम, मोटू हपका, फागु मुचाकी, वेंजाम शिवनाथ, शिवराम डोडी, लालू, पदम मोहन, कर्मा चमराल के नाम हैं। दावा किया गया है कि ये उन्हीं जवानों के नाम हैं, जिन्होंने ग्रामीणों को मारा है। नक्सलियों ने इन्हें सजा देने की धमकी दी है।

शासकीय भवनों पर लिखे नक्सली नारों को लेकर बीजापुर कलेक्टर अनुराग पांडेय ने कहा कि, ये नारे ग्रामीण भी मिटा सकेत हैं। वे क्यों नहीं मिटा रहे? इससे पहले एक गांव में मैं विजिट करने गया था, वहां नक्सलियों के लिखे नारे मैंने खुद मिटाए थे। कलेक्टर ने कहा कि, इंद्रावती नदी पर लोग पुल बनने का विरोध करते हैं। दबाव नक्सलियों का रहता है।

जमशेदपुर लोकसभा सीट, मोदी करंट से हैट्रिक की कोशिश में विद्युत

आदिवासी अस्मिता पर समीर बहा रहे बयार

जमशेदपुर, 17 मई (एजेंसियां)। जमशेदपुर में बाहरी और स्थानीय प्रत्याशी जैसे मुद्दे कभी हावी नहीं रहे। जाति-वर्ग को भी तवज्जो नहीं दिया गया। इस बार चुनाव में भाजपा के विद्युतवरण महतो को झामुमो प्रत्याशी समीर मोहंती कड़ी चुनौती दे रहे हैं। जिस धरती ने बाहर के लोगों के लिए रोजी- रोटी की व्यवस्था की, वहां के युवाओं को अन्य प्रांतों में पलायन को मजबूर होना पड़े तो यह चिंताजनक है। इस मुद्दे पर केंद्र व राज्य सरकारों के नुमाइंदों ने सोचने तक की जरूरत नहीं समझी। हर साल आबादी के बढ़ते बोझ और राजनीति की बिसात पर सिर्फ एक दूसरे की गोटी काटने की जद्दोजहद ने इस क्षेत्र की प्रगति को रोक दिया है। द्वितीय विश्वयुद्ध के समय बनाए गए धालभूमगढ़ एयर स्ट्रिप के समीप मिले इसी क्षेत्र के रमेश किस्कू चुनाव की चर्चा पर बेहद तल्ख दिखे। उनके साथ खड़े अन्य युवाओं की टिप्पणी थी कि पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद अब रोजगार का संकट है। उनके गांव के कई लोग गुजरात, महाराष्ट्र और बेंगलूरु में काम कर रहे हैं। जल्द कोई काम नहीं मिला तो उन्हें भी मजबूरी में घर छोड़ना होगा। पढ़े-लिखे इन युवाओं का कहना था कि हम लौह और ताम्र अयस्क के मामले में समृद्ध हैं, पर सरकार की नीतियों के कारण यहां के माइंस बंद हो रहे हैं। इससे बेरोजगारी भी बढ़ी है। इस एयर स्ट्रिप को जोर शोर से एयरपोर्ट बनाने की तैयारी शुरू हुई थी, पर विधानसभा चुनाव के बाद कोई कदम नहीं उठाया गया। न तो राज्य में सत्तासीन झामुमो की अगुवाई वाली इंडी गठबंधन सरकार ने आवाज उठाई और न ही केन्द्र की सत्ता में बैठे भाजपा नेताओं ने ठोस पहल की। चुनाव खत्म, एयरपोर्ट निर्माण की बात खत्म।

फ्रांस के खिलाफ प्रशांत महासागर के न्यू कैलेडोनिया में प्रदर्शन

आजादी की मांग कर रहे 5 लोगों की मौत, 200 गिरफ्तार, सड़कों पर टैंक तैनात

पेरिस, 17 मई (एजेंसियां)। फ्रांस से 16 हजार किलोमीटर दूर साउथ पैसेफिक ओशन (प्रशांत महासागर) में स्थित न्यू कैलेडोनिया आइलैंड पर मतदान संबंधी नियमों के लेकर तीन दिनों से हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। इस आइलैंड पर 171 साल से फ्रांस का कब्जा है। दंगों में अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है और 64 घायल हैं। पुलिस ने 200 लोगों को गिरफ्तार किया है। फ्रांस की सरकार ने खुद इसकी जानकारी संसद में दी है। सरकार ने वहां 12 दिनों के लिए आपातकाल लगा दिया है। इस दौरान किसी के भी बाहर निकलने पर पाबंदी लगाई गई है। एयरपोर्ट्स और बंदरगाहों की सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। सड़कों पर सेना के टैंक गश्त कर रहे हैं।

फ्रांस ने हाल ही में न्यू कैलेडोनिया में मतदान नियमों में बदलाव वाला विधेयक (बिल) पास किया था। इस बिल के तहत न्यू कैलेडोनिया में वहां के मूल निवासियों के अलावा फ्रांस से जाकर वहां बसने वाले लोगों को भी वोटिंग का अधिकार दिया गया है। इसे लेकर वहां की तीन नगर पालिकाओं में 5 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी बिल का विरोध कर रहे हैं। न्यू कैलेडोनिया एक आइलैंड है। प्रदर्शनकारियों ने यहां जगह-जगह पर बैरिकेड लगा दिए है, जिससे जरूरी सेवाएं ठप हो गई है। प्रदर्शनकारियों ने शहर में दुकानों को लूटना शुरू कर दिया है और कई दुकानों को आग के हवाले कर दिया।

नेपाल के पीएम के लिए खड़ी हुई नई मुश्किल

सहयोगी ने गठबंधन तोड़ा, फिर विश्वास मत करेंगे हासिल

काठमांडू, 17 मई (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' 20 मई को संसद में विश्वास मत हासिल करेंगे। यह उनके पद संभालने के 18 महीने के भीतर चौथा विश्वास मत होगा। एक गठबंधन सहयोगी द्वारा उनकी सरकार से समर्थन वापस लेने के कुछ दिनों बाद उन्हें विश्वास मत का सामना करना पड़ रहा है। प्रचंड नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी सेंटर) से संबंध रखने पूर्व गुरिल्ला नेता हैं और उनकी पार्टी प्रतिनिधि सभा (एचओआर) में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है।

विश्वास मत हासिल करने का निर्णय 13 मई को उपेन्द्र यादव के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी नेपाल (जेएसपी) द्वारा पार्टी में विभाजन के बाद सरकार से अपना समर्थन वापस लेने के बाद किया गया है। यादव ने उपप्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और उनकी पार्टी सरकार से बाहर हो गई थी। प्रतिनिधि सभा के सहायक प्रवक्ता दशरथ धमाला के अनुसार, 'प्रधानमंत्री

नेपाल के संविधान के अनुच्छेद 100 खंड 2 के मुताबिक विश्वास मत हासिल कर रहे हैं।'

पिछले साल संभाला था पद

धमाला ने कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय और मंत्रिपरिषद ने पहले ही इस मामले के संबंध में संसद सचिवालय को सूचित करते हुए एक पत्र भेजा है। प्रधानमंत्री जिस पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं अगर वह विभाजित हो जाती है या गठबंधन सरकार का कोई सदस्य समर्थन वापस ले लेता है तो प्रधानमंत्री को 30 दिनों के भीतर विश्वास मत हासिल करना होता है। प्रचंड ने 25 दिसंबर 2022 को पद संभाला था, जिसके बाद डेढ़ साल के भीतर यह उनका चौथा विश्वास मत होगा।

किसकी कितनी सीट

नई सरकार को विश्वास मत जीतने के लिए 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में कम से कम 138 वोटों की आवश्यकता है। इससे पहले 13 मार्च को प्रधानमंत्री दाहाल ने लगातार तीसरा विश्वास मत जीता था। पिछले साल, प्रचंड को शक्ति परीक्षण का सामना करना पड़ा था जब पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सीपीएन-यूएमएल ने प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था। वर्तमान में सत्तारूढ़ गठबंधन के पास बहुमत है और यह सीपीएन-यूएमएल की 77 सीटों, माओवादी सेंटर की 32, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की 21, नवगठित जनता समाजवादी पार्टी की सात और सीपीएन-युनिफाइड सोशलिस्ट (सीपीएन-यूएस) की 10 सीटों के साथ सबसे बड़ा गठबंधन है।

सुनक सरकार की गलती से लंदन से लौटेंगे कई भारतीय

वीजा में गड़बड़ी, फर्जी कंपनियों ने पैसे ऐंठे, अब 4100 नर्सों को भारत वापसी का डर

लंदन, 17 मई (एजेंसियां)। ब्रिटेन में हजारों भारतीय नर्सों पर देश वापसी का खतरा मंडरा रहा है। इसकी वजह ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक सरकार की लापरवाही हैं। ये समस्या फर्जी कंपनियों की वजह से पैदा हुई है, जिन्हें सुनक सरकार ने बिना जांच-पड़ताल किए विदेशों से नर्सों को नौकरी पर रखने की इजाजत दी थी। दरअसल, मोटी रकम लेकर कर्मचारियों का वीजा स्पॉन्सर करने वाली इन कंपनियों की हाल ही में जब प्रशासन ने जांच की तो इनमें से ज्यादातर कंपनियां फर्जी निकलीं। इसके बाद सरकार इन कंपनियों द्वारा लाए गए भारतीय नर्सों पर कार्रवाई कर रही है। इस फैसले का असर 7 हजार से ज्यादा नर्सों पर पड़ेगा। इनमें से सबसे ज्यादा भारत के 4 हजार नर्सें हैं। कार्रवाई की गई नर्सों में से 94% मामले सरकार द्वारा कंपनियों का रजिस्ट्रेशन रद्द करने के कारण सामने आए हैं। ब्रिटेन में विदेशियों

को काम पर रखने के लिए स्पॉन्सर लाइसेंस की जरूरत होती है। सुनक सरकार पर बिना किसी ठोस जांच सैकड़ों कंपनियों को लाइसेंस देने का आरोप है। सरकार ने 268 कंपनियों को लाइसेंस दिया, जिन्होंने कभी इनकम टैक्स रिटर्न भी दाखिल नहीं किया। लाइसेंस हासिल कर चुकी कई कंपनियां भी फर्जी थीं। प्रवासियों की मदद करने वाली एनजीओ 'माइग्रेंट्स एट वर्क' के संस्थापक अके अची के मुताबिक अवसर की तलाश में लाखों रुपए का कर्ज लेकर भारतीय देश छोड़कर यहां आते हैं। ये वे लोग होते हैं जो तमाम नियम कायदों का पालन कर आते है। उनकी कोई गलती न होने के बावजूद वे दंडित किए जा रहे हैं। पहले लाखों के कर्ज का शिकार हुए और अब सरकार की गलतियों का शिकार हो रहे हैं। केयर वर्कर्स यूनियन की महासचिव क्रिस्टीना मैकेनिया ने कहा कि असहाय श्रमिकों को अधर में छोड़ना गलत है। प्रवासियों ने यहां आने के लिए अपना जीवन दांव पर लगा दिया है। महाराष्ट्र की रहने वाली जैनब कॉन्ट्रैक्टर (22) दो बच्चों की मां हैं। वे और उनके भाई इस्माइल (25) ने वीजा स्पॉन्सर के लिए ब्रिटेन की कंपनी को 18 लाख रुपए दिए थे। जब वे वहां पहुंचे तो उन्हें पता चला कि वह फर्म फर्जी है और पहले भी स्कैम कर चुकी है। अप्रैल में, भाई-बहन को सरकारी अधिकारियों ने बताया कि जिस कंपनी ने उनका वीजा स्पॉन्सर किया था, उससे भर्ती करने का लाइसेंस छीन लिया गया है।

भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने कर्नल काले को दी श्रद्धांजलि

आईडीएफ-यूएनडीएसएस के अफसर भी थे मौजूद

तेल अवीव, 17 मई (एजेंसियां)। इजराइल में भारतीय दूतावास के दो अधिकारियों ने कर्नल वैभव अनिल काले को अंतिम सम्मान दिया। दरअसल, इजराइल और हमास के संघर्ष के बीच गाजा में कर्नल काले की मौत हो गई। उनके शव को भारत वापस लाया गया। दूतावास के अधिकारियों के साथ इजराइली विदेश मंत्रालय, इजराइली सुरक्षाबल और संयुक्त राष्ट्र विभाग के बचाव और सुरक्षा (यूएनडीएसएस) अधिकारी बी शामिल हुए। सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए भारतीय दूतावास ने कहा, इजराइली विदेश मंत्रालय, आईडीएफ और यूएनडीएसएस अधिकारियों ने कर्नल वैभव काले के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने गाजा में अपनी जान गंवा दी। उनका पार्थिव शरीर भारत लाया जा रहा है। राफा से खान यूनिस क्षेत्र में अस्पताल ले जाते समय 46 वर्षीय कर्नल काले की

मौत हो गई थी। वैश्विक संस्थान के बयान के अनुसार, वैभव संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा सेवा समन्वय के रूप शामिल हुए थे और एक महीने पहले ही उनकी तैनाती गाजा में हुई थी। कर्नल काले को जम्मू कश्मीर राइफल्स रेजिमेंट में नियुक्त किया गया था। यूएन में शामिल होने के लिए दो साल पहले उन्होंने रिटयरमेंट ले लिया था। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान जारी किया। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र और इजराइल में भारतीय मिशन कर्नल काले के पार्थिव शरीर को वापस लाने में सहायत कर रहे हैं। वह संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारी के तौर पर काम करते हुए गाजा में मारे गए थे। बयान में उन्होंने कहा, न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में और तेल अवीव और रामल्ला में हमारे मिशन शव को भारत वापस लाने में सहायता कर रहे हैं। हम इस घटना की जांच के संबंध में संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हैं। संयुक्त राष्ट्र कर्मियों पर ऐसे हमले को लेकर महासचिव ने निंदा की। उन्होंने इस मामले की जांच की भी मांग की है। उन्होंने जान गंवाने वाले स्टाफ सदस्यों के परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।

अमेरिकी सांसद बोले- भारत मानवाधिकारों पर लेक्चर नहीं सुनेगा

कहा- हम अमेरिकी लोकतंत्र की खामियां स्वीकारेंगे वे तभी हमसे बात करेंगे

वाशिंगटन, 17 मई (एजेंसियां)। अमेरिका में भारतीय मूल के सांसदों का कहना है कि वे भारत के साथ मानवाधिकारों का मुद्दा उठाते रहेंगे। हालांकि, भारत उन पर काम नहीं करेगा। अमेरिका में गुरुवार को 'देसी डिसाइड्स' नाम की एक समिट हुई। इसमें अमेरिकी चुनाव में भारतवंशियों के प्रभाव को लेकर चर्चा हुई। इसी दौरान सांसद आर ओ खन्ना ने कहा कि अमेरिका को मनवाधिकारों के मुद्दों पर भारत की लीडरशिप से बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत पर 100 साल तक विदेशी हुकूमत का राज था। तो जब आप भारत को मानवाधिकारों पर लेक्चर देंगे तो वो आपकी बात नहीं सुनेंगे।

समिट में भारतवंशी सांसदों से पीएम मोदी और मुस्लिम समुदाय के साथ उनके संबंधों पर सवाल किया गया था। आर ओ खन्ना ने कहा कि भारत लेक्चर सुनने की बजाय तब अपने लोकतंत्र की खामियों को सुधारेगा, जब अमेरिका भी अपनी गलतियों को स्वीकार करेगा।

चुनौतियों से पार पाने के लिए भारत की तकनीकी सहायता बेहद अहम

बोलीं राष्ट्रमंडल महासचिव

लंदन, 17 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रमंडल महासचिव पेट्रीसिया स्कॉटलैंड ने भारत की तकनीकी सहायता की सराहना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रमंडल के लिए भारत की तकनीकी सहायता बहुत महत्वपूर्ण है। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि इससे कई विकासशील देशों को विकास संबंधी चुनौतियों से पार पाने की काफी उम्मीद मिलती है, जिन्हें भारत पहले ही स्वीकार कर चुका है और उनसे आगे निकल चुका है।

राष्ट्रमंडल शिक्षा मंत्रियों का 22वां सम्मेलन

56 सदस्यीय संगठन की महासचिव ने यह बयान लंदन में राष्ट्रमंडल शिक्षा मंत्रियों के 22वें सम्मेलन की मेजबानी के दौरान दिया। बता दें, सम्मेलन का विषय 'समावेशी भविष्य के लिए लचीलापन, समानता और कौशल को बढ़ावा देना' था। स्कॉटलैंड ने राष्ट्रमंडल के साथ एक खुले स्रोत

तरीके से तकनीकी विकास साझा करने की भारत की इच्छा का स्वागत किया और संगठन के शैक्षिक लक्ष्यों के प्रति अधिक प्रतिबद्धता की उम्मीद की।

लंदन में राष्ट्रमंडल सचिवालय मार्लबोरो हाउस मुख्यालय में गुरुवार को दो दिवसीय बैठक शुरू हुई। इस दौरान स्कॉटलैंड ने मंत्रियों से शिक्षा तक पहुंच में बाधा डालने वाली बाधाओं को दूर करने, प्रौद्योगिकी का उपयोग करने और जीवनभर सीखने की इच्छा को प्रोत्साहित करने में मदद करने का आह्वान किया।

खुले स्रोत के रूप में साझा

उन्होंने आगे कहा, 'भारत ने यह साफ कर दिया है कि वह अपने तकनीकी विकास को अपने राष्ट्रमंडल परिवार के साथ साझा करने को तैयार है और इसे खुले स्रोत के रूप में साझा करना चाहता है।'

कई विकासशील देशों के लिए उम्मीद की किरण

राष्ट्रमंडल महासचिव ने कहा कि कई विकासशील देशों के लिए यह उम्मीद की किरण है क्योंकि तकनीकी विकास उन्हें उन विकास संबंधी चुनौतियों से पार पाने में सक्षम बनाता है, जिन्हें भारत पहले ही झेल चुका है और उससे आगे निकल चुका है। अभी तक उन्होंने हमें जो कुछ भी बताया है, मैं उसके लिए भारत सरकार का शुक्रिया अदा करना चाहूंगी और मैं इस बात को लेकर आश्वस्त होना चाहती हूं कि हम भारत की ओर से आगे बढ़ने के लिए किए गए वित्तीय और अन्य तरह के योगदान पर भरोसा कर सकते हैं।'

कैलाश सत्यार्थी ने कही यह बात

वहीं, सम्मेलन में समाज सुधारक और नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी भी मौजूद रहे। उन्होंने इस दौरान पिछले 15-20 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में भारत की तरक्की पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'दयालु बुद्धि निस्वार्थ, वास्तविक समस्या-समाधान है। समस्या हल करने वालों और समस्या पीड़ितों के बीच अंतर एक गंभीर सवाल उठाता है। शिक्षा मंत्री और शिक्षा क्षेत्र यह सुनिश्चित करने में नेतृत्व की भूमिका निभा सकते हैं कि हमारे बच्चे करुणा बुद्धि विकसित कर सकें और बढ़ते विभाजन व भेदभावपूर्ण प्रथाओं को कम कर सकें।'

फ्रांस में शख्स ने की यहूदी प्रार्थनास्थल में आग लगाने की कोशिश

पुलिस ने मार गिराया

पेरिस, 17 मई (एजेंसियां)। फ्रांस के उत्तर-पश्चिम में स्थित रुएन शहर में शुक्रवार को एक हथियारबंद शख्स ने यहूदी प्रार्थनास्थल को आग के हवाले करने की कोशिश की। बताया गया है कि यह शख्स चाकू के साथ घुसा था और सिनेगॉज (यहूदी प्रार्थनास्थल) को आग लगाने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने मौके पर ही हमलावर को मार गिराया। फ्रांस के गृह मंत्रालय ने कहा है कि जब चाकू लिए हुए शख्स पुलिस की तरफ बढ़ा, तब उसे गोली मारी गई।

रुएन के मेयर निकोलस मायर-रोसिगनाओल ने कहा कि यहूदी प्रार्थनास्थल पर हमले से समुदाय को कोई नुकसान नहीं हुआ है। लेकिन पूरा शहर इस घटना से आश्चर्यचकित है। उन्होंने बताया कि जब पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, तब आग लग चुकी थी। लेकिन दमकलकर्मियों ने पहुंचकर इस पर काबू पा लिया।

कोहली से लेकर शाहरुख खान के बॉयकॉट की मांग

गाजा के हालातों पर चुप्पी से नाराजगी, सोशल मीडिया पर चला 'ब्लॉकआउट 2024' कैंपेन

यरूशलम, 17 मई (एजेंसियां)। गाजा के राफा शहर पर इजराइली हमलों को लेकर चुप्पी साधने पर बॉलीवुड और हॉलीवुड सेलेब्रिटीज के खिलाफ सोशल मीडिया पर कैंपेन चलाया जा रहा है। इस लिस्ट में क्रिकेटर विराट कोहली, बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान, आलिया भट्ट से लेकर टेलर स्विफ्ट और किम कर्दाशियन तक का नाम है।

कैंपेन के तहत इन लोगों को सोशल मीडिया पर अनफॉलो, ब्लॉक और बायकॉट करनी की अपील की जा रही है। इस कैंपेन को '#ब्लॉकआउट 2024' नाम दिया गया है। इस नाम से सोशल मीडिया पर अलग पेज भी चलाया जा रहा है। यह मूवमेंट तब और तेज हो गया जब इजराइल ने राफा शहर पर हमला किया।

दरअसल, इन सेलेब्रिटीज ने पिछले 7 महीनों से गाजा पर जारी इजराइल के हमलों का एक बार

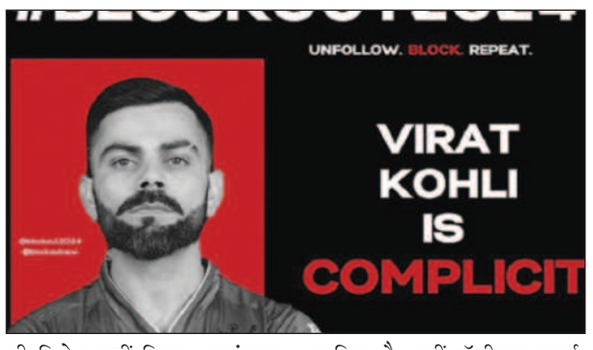

भी विरोध नहीं किया। जहां एक तरफ दुनिया के सामने राफा में मारे जा रहे लोगों की दर्दनाक तस्वीरें सामने आ रही थीं, वहीं दूसरी तरफ न्यूयॉर्क में हुए मेट गाला की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही थीं।

कैंपेन का स्लोगन- आजाद फिलिस्तीन, आजाद सूडान

जिन लोगों की आलोचना हो रही है उनमें भारत से बॉलीवुड स्टार प्रियंका चोपड़ा, आलिया भट्ट के अलावा विराट कोहली का नाम शामिल है। वहीं हॉलीवुड स्टार्स, केटी पेरी, कायली जेनर, सेलेना गोमेज, बियॉन्से और जेंडेया का नाम भी इस लिस्ट में जोड़ा गया है।

सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म जैसे इंस्टाग्राम, X और फेसबुक पर पोस्ट करके लोग इन सेलेब्रिटीज को अनफॉलो और ब्लॉक करने की मांग कर रहे हैं। इस दौरान आजाद फिलिस्तीन, आजाद सूडान और आजाद कॉन्गो का स्लोगन भी दिया जा रहा है।

तानाशाह किम की बहन बोली-हमने रूस को हथियार नहीं दिए

नॉर्थ कोरिया के हथियार देश की रक्षा के लिए, बेचने के लिए नहीं

प्योंगयांग, 17 मई (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने रूस को हथियार देने के अमेरिका और साउथ कोरिया के दावों को गलत बताया है। नॉर्थ कोरिया के सरकारी न्यूज चैनल केसीएनए के मुताबिक किम यो जोंग ने कहा कि रूस को हथियार देने की बातें मनगढ़ंत और बेतुकी हैं। किम यो जोंग ने कहा, 'नॉर्थ कोरिया ने देश की सुरक्षा के लिए हथियार बनाएं हैं, किसी दूसरे देश को बेचने के लिए नहीं।' किम की बहन का ये बयान उस वक्त आया है जब अमेरिका ने रूस की 3 कंपनियों पर प्रतिबंध लगाएं है। इन पर नॉर्थ कोरिया और रूस के बीच हथियारों की डील कराने के आरोप थे। दरअसल, नॉर्थ कोरिया के हथियार खरीदने और बेचने पर (संयुक्त राष्ट्र संघ) यूएन ने पाबंदियां लगा रखी हैं। अमेरिका और पश्चिमी देश लगातार रूस पर नॉर्थ कोरिया से मिलिट्री टेक्नोलॉजी और आर्थिक सहायता के बदले में यूक्रेन युद्ध के लिए तोपखाने, मिसाइल और दूसरे हथियार खरीदने के आरोप लगाते रहे हैं। साउथ कोरिया ने मार्च में दावा किया था कि नॉर्थ कोरिया ने जुलाई 2023 से मार्च 2024 तक रूस को हथियारों से भरे 7 हजार कंटेनर भेजे। इसके बदले नॉर्थ कोरिया में रूस के 9 हजार कंटेनर आए थे। इनमें खाने की कमी झेल रहे नॉर्थ कोरिया के लिए मदद का सामान होने का दावा किया गया। वहीं, वॉशिंगटन में बैठे एक्सपर्ट्स का दावा है कि नॉर्थ कोरिया को हथियार भेजने के बदले सैटेलाइट टेक्नोलॉजी मिली है। नॉर्थ कोरिया ने हाल ही में कहा था कि वे अपनी सेना के लिए 240 मिलीमीटर के रॉकेट लॉन्चर बनाएगा, जो सेना की जंग लड़ने की क्षमता को बढ़ाएंगे। अमेरिका के साथ-साथ यूक्रेन का भी दावा है कि रूस ने नॉर्थ कोरिया से हथियार खरीदे हैं। जनवरी में रूस के खार्किव शहर में दागी गई एक मिसाइल के मलबे से इसकी पुष्टि होने का दावा किया गया। सिर्फ हथियार ही नहीं अमेरिका का दावा है कि रूस ने यूएन सिक्योरिटी काउंसिल की लिमिट से आगे जाकर नॉर्थ कोरिया को रिफाइंड पेट्रोल दिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक नॉर्थ कोरिया में 1990 के दशक में खतरनाक अकाल पड़ा था। तब से वहां पर खाने की कमी है।

फरवरी 2023 में एक्सपर्ट्स ने चेताया था कि अनाज के उत्पादन में कमी होने की वजह से नॉर्थ कोरिया में खाने का संकट गहरा गया है। बेकार मौसम और अंतर्राष्ट्रीय पाबंदियों के चलते वहां स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। साउथ कोरिया की सैटलाइट इमेज से दिखाया था कि नॉर्थ कोरिया में साल 2022 में 2021 के मुकाबले 18 हजार टन कम अनाज पैदा हुआ था। 2022 में उत्तर कोरिया से आई एक रिपोर्ट ने दावा किया था कि अनाज की कमी को पूरा करने के लिए किम जोंग उन ने लोगों से कम खाना खाने को कहा है।

मिस्र के राजा का 3400 साल बाद चेहरा बनाया

इनकी ममी पर सोने की परत चढ़ी थी, 14वीं सदी में मिस्र को सबसे ताकतवर बनाया था

न्यूयॉर्क, 17 मई (एजेंसियां)। वैज्ञानिकों ने मिलकर 14वीं सदी में मिस्र के राजा रह चुके आमेनहोटेप III की ममी के जरिए उनका चेहरा बनाया है। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, पिछले 3400 सालों में यह पहली बार है, जब दुनिया के अब तक के सबसे अमीर शख्स आमेनहोटेप का चेहरा री-क्रिएट किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 14वीं शताब्द में आमेनहोटेप बेहद शक्तिशाली थे। मिस्र में उन्हें भगवान की तरह पूजा जाता था। उनके नेतृत्व में न सिर्फ मिस्र का विकास हुआ बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी वह महाशक्ति बनकर उभरा था। न्यूयॉर्क पोस्ट के

मुताबिक, चेहरा बनाने के लिए वैज्ञानिकों ने ममी के सिर से डेटा इकट्ठा किया। रीक्रिएशन टीम में ब्राजील के ग्राफिक्स डिजानर भी शामिल रहे। आमेनहोटेप मिस्र के राजा तूतनखामुन के दादा थे। वह मिस्र के 18वें राजवंश का हिस्सा थे। उन्होंने अपने शासन के दौरान मिडिल ईस्ट में कई मंदिर बनवाए थे। उनका नाम सूर्य और वायु के भगवान आमुन के नाम पर रखा गया था, जिन्हें आमेनहोटेप अपना पिता बताते थे। उनके डिप्लोमैटिक खतों के जरिए यह अनुमान लगाया जाता है कि उनके पास बेशुमार दौलत थी। ऑस्ट्रेलिया के पुरातत्वविद् (आर्केयोलॉजिस्ट) ने बताया कि आमेनहोटेप की ममी को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस पर सोने की परत चढ़ी हुई थी। इसके जरिए ममी को भगवान की मूर्ति के तौर पर रखा गया था। विशेषज्ञ ने बताया कि अमेनहोटेप III एक मोटे और बीमार व्यक्ति थे। उनके सिर पर बाल नहीं थे और वे दांत की समस्या से भी जूझ रहे थे।

अमेरिका की चीन को सलाह-यूरोप या रूस में से किसी एक को चुनें

वॉशिंगटन, 17 मई (एजेंसियां)। अमेरिका ने गुरुवार को कहा कि चीन, यूरोप और रूस के साथ एक ही समय पर अच्छे संबंध नहीं रख सकता। अमेरिका ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि चीन, यूरोप के साथ मजबूत रिश्ते रखे और साथ ही वह यूक्रेन युद्ध के बीच रूस का भी समर्थन करता रहे। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ये बात कही। पटेल ने कहा कि 'पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना यूरोप और अन्य देशों के साथ मजबूत रिश्ते चाहता है। वहीं साथ-साथ वह यूरोप की सुरक्षा के लिए खतरा बने रूस की भी मदद कर रहा है।

मिस्र ने इजरायली सेना पर भेजे सैनिक

इजरायल के साथ बढ़ रहा टेंशन, क्या एक और युद्ध होगा शुरू

काहिरा, 17 मई (एजेंसियां)। इजरायल और हमास के बीच युद्ध से मिस्र टेंशन में आ गया है। गाजा और इजरायल दोनों की ही सीमा मिस्र से लगती है। मिस्र के एक अधिकार समूह ने कहा कि मिस्र ने इस सप्ताह पूर्वोत्तर सिनाई में गाजा के साथ अपनी सीमा पर अतिरिक्त बख्तरबंद वाहनों और सैनिकों को तैनात किया है। ये मिस्र और इजरायल के बीच खराब संबंधों का संकेत है। सिनाई फाउंडेशन फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि युद्धक गियर के साथ पंद्रह बख्तरबंद वाहनों को बुधवार शाम को शेख जुवैद के सिनाई निवासियों ने गाजा के साथ मिस्र की सीमा की ओर जाते हुए देखा।

फाउंडेशन ने आगे बताया कि

बख्तरबंद वाहनों का एक और काफिला शेख जुवैद के दक्षिण में अल-जौरा गांव में पहुंचा। यह तैनाती गाजा के राफा में हमले के बाद से इजरायल और मिस्र के बीच गहरी होती दरार के बीच हुई। पिछले सप्ताह इजरायल ने राफा क्रॉसिंग पर हमला करते हुए शहर में सैन्य अभियान शुरू कर दिया। उत्तरी इलाकों से भागकर आए फिलिस्तीनियों ने भी यहां शरण ले रखी है। पूरे शहर में 15 लाख लोग रह रहे हैं। मिस्र की टेंशन है कि अगर राफा भी सुरक्षित नहीं रहता तो फिलिस्तीनी शरणार्थी मिस्र में आ सकते हैं।

इजरायल और मिस्र के बीच 45 साल की शांति संधि है और सुरक्षा मामलों पर वह सहयोग देता है। लेकिन राफा पर हमला मिस्र को परेशान करने वाला है। मिडिल ईस्ट आई ने सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा कि राफा क्रॉसिंग पर हमला होने से पहले मिस्र और इजरायल के बीच किसी भी तरह का ऑपरेशन समन्वय नहीं था।

राफा क्रॉसिंग पर इजरायल के कब्जे के परिणामस्वरूप गाजा में मानवीय सहायता रूक गई है। वहीं मिस्र ने इजरायल की ओर से क्रॉसिंग को खोलने के अनुरोध को खारिज कर दिया है।

पायलट से स्नेह, 2 साल का था तब से परिचय : गहलोत

दो-तीन सीटों पर उम्मीदवारों ने जानबूझकर मुझे नहीं बुलाया, सोचा जीता हुआ चुनाव हार जाएंगे

जयपुर, 17 मई (एजेंसियां)। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने सचिन पायलट से अनबन से इनकार किया है। उन्होंने कहा- सचिन पायलट के प्रति मेरा व्यक्तिगत रूप से बहुत स्नेह है। मैं और राजेश पायलट जी साथ एमपी बने थे। ये दो साल का था, तब से परिवार में हमारा परिचय है। कोई दुश्मनी होती है क्या, वह तो अलग-अलग अप्रोच होती है। अब अप्रोच में किसने क्या कदम उठाए, उसमें मैं जाना नहीं चाहता।

अमेठी में चुनाव प्रचार के दौरान एक इंटरव्यू में गहलोत ने कहा-सचिन पायलट को लेकर बार-बार मुद्दे उठते रहते हैं। लोगों को गलतफहमी है। मुझे बताइए, अगर वह कहीं कैंपेन में जाते हैं, मुझे क्या दिक्कत है। मैं कहीं जाता हूं तो उनको क्या दिक्कत है? मैंने अमेठी से हमारे उम्मीदवार किशोरी लाल शर्मा को हाल ही में कहा था कि यह जो पर्सेप्शन बना दिया गया कि मेरी उनसे बनती नहीं है, यह गलत है। हमें चुनाव जीतना है। आपको सूट करता हो तो आप पायलट को प्रचार के लिए बुलाएं।

दो-तीन सीटों पर उम्मीदवार ने मुझे जानबूझकर नहीं बुलाया

पायलट को अमेठी में प्रचार के लिए बुलाने के सवाल पर गहलोत ने कहा- कौन मना कर रहा है? हर उम्मीदवार तय करता है कि मेरे यहां प्रचार के लिए कौन आना चाहिए और कौन नहीं। राजस्थान में मुझे दो-तीन जगह नहीं बुलाया गया। ये आएंगे तो कास्ट इक्वेशन बिगड़ जाएगी। उम्मीदवार ने सोचा- क्षेत्र में जीता हुआ चुनाव हार जाऊंगा। जानबूझकर मुझे नहीं बुलाया। एक-दो केस ऐसे भी हुए, जब मेरा प्रोग्राम बन गया। बाद में उन्होंने मना कर दिया। मैंने माइंड नहीं किया क्योंकि हमें चुनाव जीतना है। अब मैं वहां जाऊं और उनको मेरे जाने से नुकसान हो रहा हो तो फिर क्या मतलब?

चाहे पायलट का उम्मीदवार हो या कोई और नेता, वो जीतना चाहिए

गहलोत ने कहा- हमने जिंदगी बिता दी, 50 साल से राजनीति कर रहा हूं। ये बातें मेरे लिए मायने नहीं रखती हैं। आगे वाले के लिए रखती होंगी। उनको लगती होंगी और किसी को लगती होंगी। मुझे मतलब नहीं है। कांग्रेस का हो, सचिन पायलट का उम्मीदवार हो या किसी और का हो। मेरे ब्लड में है कि वो जीतना चाहिए।

ईमानदारी है तो वोटिंग पूरी होने तक ऐसे बयानों से बचकर चलें

सचिन पायलट के बयान की वजह से जालोर-सिरोही सीट पर नुकसान के सवाल पर गहलोत ने कहा- उस पर अभी कमेंट नहीं करूंगा, लेकिन एक जून तक लोकसभा चुनाव के तीन फेज बाकी हैं। कांग्रेस का कोई भी नेता हो, अगर उसमें ईमानदारी है तो ऐसे बयानों से बचकर चलना चाहिए। किसी बयान से मान लीजिए ओडिशा, बंगाल, बिहार या दूसरे राज्य में भी नुकसान हो सकता है। उन राज्यों में भी लगे कि इनमें झगड़ा चलता रहे तो नुकसान किसका होता है? नुकसान पार्टी को होता है। इसलिए चुनाव की वोटिंग पूरी होने तक सबको बचकर चलना चाहिए, मैं बचकर चल रहा हूं।

कांग्रेस पार्टी में डेमोक्रेसी है: गहलोत

जालोर में प्रचार के लिए पायलट को नहीं बुलाने के सवाल पर गहलोत ने कहा- वो वहां नहीं गए तो उनकी गलती है। वह अलग बात है, उनको बयान नहीं देना चाहिए था। कई ऐसे लोग हैं, जिन्होंने मुझे बुलाया नहीं। अब मैं चुनाव से दो दिन पहले बयान दूंगा तो नुकसान होगा। हमारे जयपुर ग्रामीण से अनिल चोपड़ा उम्मीदवार हैं, नौजवान हैं। मैं तो कभी उनसे मिला नहीं। हमारी पार्टी में डेमोक्रेसी है।

टिकट देती है और हम उसे जितवाते हैं। गहलोत ने कहा- जयपुर ग्रामीण से कांग्रेस उम्मीदवार अनिल चोपड़ा की मेरे स्टाफ से बात हुई, वो मेरी सभा करवाना चाहते थे। उन्होंने फिर आगे सूचना नहीं दी, मुझे नहीं बुलाया। उन्होंने फिर से सोचा होगा कि मैं आऊंगा तो उनका नुकसान हो जाएगा। जातिगत समीकरण से मेरे जाने से उन्हें नुकसान हो रहा होगा। अब मैं गुस्से में वोटिंग से दो दिन पहले स्टेटमेंट दूं कि अनिल चोपड़ा ने मुझे बुलाया नहीं। मैं जाना चाहता था। जातियों का समीकरण बिगड़ता। वहां पर जाति विशेष उसके खिलाफ होती। हमारे आदमी को बुलाया क्यों नहीं, हमारे आदमी की बेइज्जती कर दी। यह सोचते बनता। कभी ऐसा स्टेटमेंट नहीं देना चाहिए तो मैंने कहा कि बेवकूफी वाला स्टेटमेंट होता है।

डमी कैंडिडेट बैठाकर टीचर एग्जाम में पास हुआ युवक गिरफ्तार

आरपीएससी में दस्तावेज जांच में पता चला, मदद करने वाला 50 हजार का इनामी

टोंक, 17 मई (एजेंसियां)। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की ओर से साल 2022 में हुए सीनियर टीचर एग्जाम में टोंक शहर के परीक्षा सेंटर पर फर्जी कैंडिडेट को परीक्षा दिलाने के आरोपी रामलाल मीणा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को इसे कोर्ट में पेश किया जहां से उसे पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया।

आरोपी ने पुलिस को प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा में फर्जी अभ्यर्थी बनकर सब इंस्पेक्टर बनाने वाले इसके गांव के ही हनुमान मीणा ने ही उसकी जगह डमी कैंडिडेट परीक्षा में बैठाया था। हनुमान मीणा पर पर 50 हजार का इनाम है और एसओजी उसकी तलाश कर रही है। गौरतलब है कि इस मामले का खुलासा आरपीएससी अजमेर में दस्तावेज की अंतिम जांच में सामने आया। इस मामले की जांच महिला अपराध अनुसंधान सेल में एएसपी गीता चौधरी को सौंपी गई है। गीता ने बताया कि सीनियर टीचर (संस्कृत शिक्षा विभाग) भर्ती परीक्षा-2022 के लिए आरोपी उनियारा थाना क्षेत्र के बिलोता निवासी अभ्यर्थी रामलाल मीणा ने सामाजिक विज्ञान में ऑनलाइन आवेदन किया था। आयोग ने 12 फरवरी 2023 को सामान्य ज्ञान और 13 फरवरी को सामाजिक विज्ञान की परीक्षा आयोजित की। आरोपी रामलाल का सेंटर टोंक के सुभाष बाजार में राजकीय दरबार सीनियर सेकेंडरी स्कूल में था।

जांच अधिकारी गीता चौधरी ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी ने इस मामले में सब इंस्पेक्टर परीक्षा में चेतन मीणा की जगह डमी कैंडिडेट बैठकर परीक्षा देने वाले इसी के गांव के हनुमान मीणा से संपर्क किया था। आरोपी ने खुद की टीचर भर्ती परीक्षा में भी डमी कैंडिडेट बिठाने के लिए हनुमान मीणा को दो लाख रुपये दिए थे। अभी यह सामने नहीं आया कि उसकी जगह कौन बैठा। यह जांच में सामने आएगा।

आरोपी रामलाल मीणा ने फर्जी तरीके से अपनी जगह किसी दूसरे इंटेलिजेंट युवक को परीक्षा में बिठवाया था। वह इसमें सफल भी रहा। ताज्जुब की बात यह रही कि परीक्षा देते समय परीक्षा प्रवेश पत्र में लगा अभ्यर्थी का फोटो का मिलन किया जाता है, लेकिन यहां भी चूक हो गई।

गले की हड्डी बना ई-फाइलिंग सिस्टम

सरकारी तंत्र को फास्ट बनाने के लिए लाया गया था प्रोजेक्ट

जयपुर, 17 मई (एजेंसियां)। इन दिनों आप किसी भी सरकारी दफ्तर में चले जाइए, बाबूओं से लेकर बड़े अफसर तक तनाव के भाव लिए बार-बार अपने कम्प्यूटर की स्क्रिन पर झांकते नजर आएंगे। इसकी वजह है सरकार का ई-फाइलिंग सिस्टम, जिसे मुख्य सचिव ने अपनी प्राथमिकता पर ले रखा है। ई-फाइलिंग सिस्टम में किस ऑफिस में फाइल कब पहुंची और कितने वक्त किस सीट पर रही इसकी सारी जानकारी मुख्य सचिव से लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय के पास रियल टाइम में जाती है।

राज्य सरकार ने फाइलों के फिजिकल मूवमेंट को खत्म करने और इसकी जगह आईटी का इस्तेमाल बढ़ाने के लिए करीब एक वर्ष पूर्व ई-फाइलिंग सिस्टम लागू किया था। सचिवालय में यह पूरी तरह से लागू हो चुका है, वहीं अधीनस्थ कार्यालयों में भी इसे लागू किया जा चुका है। जिला स्तर पर भी कलेक्टरों को प्रस्ताव आदि ई-फाइल के माध्यम से ही भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

कैसे काम करता है ई-फाइलिंग सिस्टम

ई-फाइलिंग सिस्टम के तहत अधिकारी व कर्मचारी को सरकार की ओर से एसएसओ आईडी और पासवर्ड मिलते हैं। साथ ही उन्हें डिजिटल हस्ताक्षर के राइट्स भी मिलते हैं। सरकार में सभी फाइलों की स्कैनिंग कर उन्हें सिस्टम पर चढ़ाया जाता है फिर कम्प्यूटर के जरिए ऑनलाइन भेजा जाता है। इसमें फाइल का मूवमेंट बहुत तेज हो जाता है क्योंकि पहले जब फाइल एक जगह से दूसरी जगह फिजिकली भेजा जाता था तो इसमें कई दिनों का समय लगता था लेकिन यह काम अब मिनटों में बैठे-बैठे ही हो जाता है लेकिन यह सिर्फ आधा सच है, इस व्यवस्था में दर्जनों खामियां भी हैं। इसी बात को लेकर पिछले दिनों सीनियर लेवल ऑफिसर्स मीटिंग में मुख्य सचिव सुधांश पंत को यह कहना पड़ा था कि ई-फाइलिंग सिस्टम की वजह से अफसर क्वांटिटी पर ही ध्यान दे रहे हैं और क्वालिटी इससे प्रभावित हो रही है।

टाइम मैनेजमेंट ही सबसे बड़ी समस्या

समय की बचत के लिए इस सिस्टम को लागू किया गया था लेकिन टाइम मैनेजमेंट ही इस सिस्टम की सबसे बड़ी समस्या बन चुका है। दरअसल एक फाइल जब किसी कर्मचारी या अफसर के सिस्टम पर डिस्पोजल के लिए आती है तो जब तक उस फाइल का डिस्पोजल नहीं होता तब तक वह उसी कर्मचारी या अधिकारी के खाते में बोलती है। यहां तक कि कर्मचारी छुट्टी पर हो या ऑफिस खत्म होने के बाद घर चला गया हो तब भी फाइल डिस्पोजल के घंटे काउंट होते जाते हैं। यदि किसी फाइल का निस्तारण आचार संहिता या नीतिगत प्रकरण के कारण नहीं हो पा रहा है तो इसमें संबंधित कर्मचारी या अफसर की गलती नहीं होने के बाद भी फाइल डिस्पोजल में लगने वाला समय उसके खाते में जुड़ जाता है। कर्मचारियों ने बताया कि फाइल के निस्तारण के बाद जब उससे जुड़ी कोई नई डाक आती है तो उसे ओपन करने पर समय की गणना पूर्व की तारीख से ही होती है।

राजस्थान हाईकोर्ट ने हिस्ट्रीशीट खोलने और सर्विलांस के आदेश निरस्त किए

जयपुर, 17 मई (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बीस साल से आपराधिक गतिविधियों में शामिल नहीं रहने के बावजूद हिस्ट्रीशीट बंद नहीं करने और व्यक्तिगत रजिस्टर से नाम नहीं हटाने को गैर कानूनी माना है। कोर्ट ने हिस्ट्रीशीट खोलने और व्यक्तिगत रजिस्टर में नाम दर्ज करने वाले झुंझुनूं एसपी के 19 सितंबर, 2022 के आदेश को रद्द करते हुए पुलिस को हिस्ट्रीशीट और व्यक्तिगत रजिस्टर से याचिकाकर्ता का नाम हटाने को कहा है। कोर्ट ने एक महीने में याचिकाकर्ता का नाम सर्विलांस रजिस्टर और वेबसाइट से भी हटाने को कहा है। जस्टिस अनिल कुमार उपमन महेन्द्र कुमार की याचिका पर यह आदेश दिए हैं। एडवोकेट सुरेन्द्र कुमार लांबा ने कोर्ट को बताया कि झुंझुनू एसपी ने 5 अप्रैल, 2006 को याचिकाकर्ता का नाम हिस्ट्रीशीट में और 19 सितंबर, 2022 को व्यक्तिगत रजिस्टर में लिखा था।

निजी स्कूल व्यापार हो चुके हैं इनके खातों की जांच होनी चाहिए : राजस्थान हाईकोर्ट

जयपुर, 17 मई (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने निजी स्कूलों में फीस एक्ट -2016 की पालना नहीं होने के मामले में सुनवाई के दौरान निजी स्कूलों की कार्यप्रणाली पर गंभीर टिप्पणी की हैं। जस्टिस समीर जैन की बैंच ने कहा कि आज स्कूल व्यापार हो चुके हैं और जब इन स्कूलों को टैक्स में छूट मिलती है तो इनके खातों की जांच भी करवाई जानी चाहिए। इसके लिए जरुरी हो तो सरकार को आयकर विभाग की सहायता भी लेने से गुरेज नहीं करना चाहिए। इस दौरान प्रमुख सचिव शिक्षा कृष्ण कुणाल भी वीसी के जरिए उपस्थित थे। अदालत ने जितेंद्र जैन व अन्य की याचिकाओं पर पिछली तारीख पर प्रमुख सचिव को हाजिर होने को कहा था। याचिका में विद्याश्रम सहित अन्य निजी स्कूलों ने राजस्थान फीस अधिनियम, 2016 और नियम 2017 के प्रावधानों के विपरीत जाकर फीस में की गई बढ़ोतरी को निरस्त करने और कानून के अनुसार ही फीस लेने के निर्देश देने की गुहार की है। कोर्ट ने पिछली तारीख पर सरकार को जयपुर सहित अन्य शहरों के टॉप स्कूलों की ऑडिट करके रिपोर्ट पेश करने को कहा था। गुरुवार को सरकार की ओर से पेश रिपोर्ट में जयपुर के बडे निजी स्कूलों की ऑडिट करवाना बताते हुए कहा कि फीस एक्ट की पालना हो रही है और सभी स्कूलों में पेरेंट-टीचर संघ बने हुए हैं। ट्रांसपोर्ट,स्कूल यूनिफार्म और किताबों की खरीद में कोई जबर्दस्ती नहीं है।

याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट दिलीप सिनसिनवार ने विरोध किया और बताया कि विद्याश्रम स्कूल के संबंध में सरकार का ही जवाब में बताया हुआ है कि वहां पेरेंट-टीचर संघ नहीं बना है और सरकार की रिपोर्ट पूरी तरह से गलत है। कोर्ट ने भी सरकार की ओर से पेश रिपोर्ट से नाराजगी जताई और कहा कि दो दिन पहले ही स्कूलों में बम होने की सूचना मिली लेकिन किसी स्कूल के पास ऐसी आपात स्थिति से निपटने के ना कोई इंतजाम हैं ना ही उन्हें कोई चिंता है। स्कूलों में ही किताब और स्टेशनरी की दुकान हैं और अभिभावकों को वहीं से खरीदने के मजबूर करते हैं। यूनिफार्म के लिए तय दुकान से ही खरीद करनी पडती है। नाराज कोर्ट ने कहा कि हर स्कूल में किताबों की दुकान तो है लेकिन किसी भी स्कूल में डिस्पेंसरी की सुविधा नहीं है। सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता ने किताबों व यूनिफार्म को लेकर जल्दी ही सकुर्लर जारी करना बताया तो कोर्ट ने कहा कि इसकी कोई जरुरत ही नहीं है। अभिभावकों को कहीं से भी किताबें और यूनिफार्म खरीदने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। स्कूल को यूनिफॉर्म के लिए दुकान चिन्हित नहीं करनी चाहिए। एनसीआरटी के सिलेबस के अनुसार किताबें तय हैं तो अलग से किताबें क्यों दी जा रही हैं? कोर्ट ने सरकार को एक और अवसर देते हुए निजी स्कूलों की सही ऑडिट करने और इसके लिए एक्सपर्ट की मदद लेने को कहा है। मामले में अगली सुनवाई 11 जुलाई को होगी और कोर्ट प्रमुख सचिव शिक्षा को भी अगली तारीख पर उपस्थित रहने को कहा है।

सावधान! खतरनाक केमिकलों से पक रहा है आम

जयपुर की सबसे बड़ी मंडी से चौंकाने वाली तस्वीरें

जयपुर, 17 मई (एजेंसियां)। गर्मी से निजात पाने और तरोताजा रहने के लिए अगर आम, केले, पपीता या अन्य फल खा रहे हैं तो सावधान हो जाइए। ये फल आपकी सेहत के लिए खतरनाक हो सकते हैं। तरोताजा रखने के बजाय ये फल आपको बीमार करके अस्पताल भेज सकते हैं क्योंकि इन फलों को पकाने के लिए अधिकतर व्यापारी खतरनाक केमिकल का यूज कर रहे हैं। राजस्थान की सबसे बड़ी फल सब्जी मंडी यानी जयपुर की मुहाना मंडी से ऐसी ही खबर सामने आई है।

जयपुर की सबसे बड़ी फल एवं सब्जी मंडी में खाद्य विभाग की टीम ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। फूड डिपार्टमेंट की टीम ने फलों को पकाने वाले गोदाम पर छापा मारा तो अधिकारी हैरान रह गए। उन गोदामों में केमिकल युक्त दवाइयों से फलों को पकाया जा रहा था। ऐसे खतरनाक केमिकल का यूज फलों के राजा आम और अन्य फलों को पकाने में हो रहा था, जिनके साइड इफेक्ट बेहद चिंताजनक हो सकते हैं। खाद्य विभाग के एडिशनल कमिश्नर पंकज ओझा के नेतृत्व में फूड डिपार्टमेंट की टीम ने मुहाना फल मंडी में दबिश दी है। एक के बाद एक गोदाम की जांच की गई जहां फलों को पकाया जाता था। कई गोदाम में फलों को पकाने के लिए खतरनाक केमिकल का प्रयोग किया जा रहा था। पंकज ओझा ने बताया कि फलों को पकाए जाने वाले कोल्ड चैम्बर में कैल्शियम कार्बाइड, फ्रूट मेट और इबाइलिन रिपनर उपयोग किया जा रहा था। इन केमिकल के छोटे छोटे पाउच फलों की टोकरियों में रखे हुए मिले। ये सब खतरनाक केमिकल हैं जो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है।

केमिकल से पकाए जा रहे फलों को खाद्य विभाग की टीम ने जब्त किया। साथ ही खतरनाक केमिकल के पाउच और बोतलों को भी जब्त किया गया। खाद्य विभाग के अधिकारियों की ओर से इस कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी करवाई गई। खतरनाक केमिकल यूज करने वाले व्यापारियों के चालान काटे गए। पंकज ओझा ने बताया कि सभी गोदाम से केमिकल से पके फलों के सैंपल लिए गए हैं। जांच के लिए केंद्रीय खाद्य प्रयोगशाला में भिजवाए गए हैं। रिपोर्ट मिलने के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी। खाद्य विभाग की टीम ने 6 क्विंटल केले जब्त किए हैं। साथ ही आम, पपीता और अन्य फल भी जब्त किए गए हैं।

खाद्य विभाग ने मिलावट के खिलाफ अभियान चला रखा है। पिछले कई दिन से मिठाई, नमकीन, आइसक्रीम सहित अन्य खाद्य पदार्थों की दुकानों और फैक्ट्रियों पर छापे मारे जा रहे हैं। पिछले एक सप्ताह में खाद्य विभाग की टीम ने करीब 20 से ज्यादा प्रतिष्ठानों पर दबिश देकर कार्रवाई की। खाद्य पदार्थों के बाद अब केमिकल से पकाए जा रहे फलों के खिलाफ भी कार्रवाई की। एडिशनल कमिश्नर पंकज ओझा का कहना है कि मिलावट के खिलाफ चलाया गया अभियान जारी रहेगा। लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आग से झुलसे मां-बेटे की अस्पताल में इलाज के दौरान हुई मौत

बीकानेर, 17 मई (एजेंसियां)। जिले के लूणकरणसर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 9 में नौ मई की सुबह खाना बनाते समय लीक हुए गैस सिलेंडर में अचानक आग लग जाने से मां और बेटा गंभीर रूप से झुलस गए थे, जिन्हें बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

आज सुबह उन दोनों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार लूणकरणसर वार्ड नंबर 9 निवासी साहबनाथ 50 वर्ष 9 मई की सुबह अपने कमरे में बैठा था और उसकी मां संतोषदेवी रसोई में भोजन बना रही थी।

अचानक गैस सिलेंडर में लीकेज होने के कारण आग लग गई। अपनी मां को आग से बचाने पहुंचा साहबनाथ भी आग की चपेट में आ गया। पड़ोसियों के शोर मचाने मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने किसी तरह आग को बुझाया। झुलसे मां -बेटे को लूणकरणसर सीएचसी पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को पीबीएम अस्पताल रैफर कर दिया था। आज सुबह इलाज के दौरान संतोष देवी और साहबनाथ की मौत हो गई।

भजन संध्या में झूम रहे सरकारी बाबू की मौत

झालावाड़, 17 मई (एजेंसियां)। भजन संध्या में नाचते-नाचते एक सरकारी बाबू (क्लर्क) की हार्ट अटैक से मौत हो गई। भजनों पर नाच रहे बाबू अचानक जमीन पर गिर गए। मामला झालावाड़ जिले खानपुर का बुधवार रात का है। इसका वीडियो शुक्रवार को सामने आया है। वीडियो में एक व्यक्ति नाच रहे दो लोगों पर पुष्पवर्षा करते समय अचानक से गिर जाता है। जानकारी के मुताबिक जोधराज नागर (45) निवासी मालनवासा, सारोला की मौत हुई है। जोधराज नागर कोटा के मोईकला में पंचायत राज विभाग में क्लर्क के पद पर तैनात थे। भतीजे जयप्रकाश नागर ने बताया कि चाचा बुधवार रात साढ़े 10 बजे परिवार की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने अपने पैतृक गांव आए थे। रात करीब डेढ़ बजे भजनों का कार्यक्रम चल रहा था। इस दौरान लोग भजनों पर झूम रहे थे। ग्रामीणों को भजनों पर झूमता देख वह भी अपने आपको रोक नहीं पाए और झूमते हुए नाच रहे लोगों पर पुष्प वर्षा करने लगे। इस बीच वह नाचते-नाचते जमीन पर गिर पड़े।

10 साल जेल में रहा, फिर से मादक-पदार्थ की तस्करी

सप्लायर गिरफ्तार, 1.10 केजी अफीम का दूध बरामद; बाइक जब्त, कल्याणपुर से लाया ड्रग्स

बाड़मेर, 17 मई (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले की नागाणा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ड्रग्स सप्लासर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 1 किलो 10 ग्राम अफीम का दूध बरामद किया है। वहीं एक बाइक को जब्त किया है। पुलिस आरोपी से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त को लेकर पूछताछ कर रही है।

पुलिस के अनुसार पुलिस मुख्यालय व जोधपुर रेंज आईजी जोधपुर के निर्देशानुसार अवैध पदार्थ की धरपकड़ के लिए स्पेशल अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत नागाणा थाना पुलिस टीम ने बाटाडू से कोलू जाने वाली सड़क पर सांईयों का तला फांटा पर नाकाबंदी कर आने-जाने वाले वाहनों की चैकिंग की जा रही थी। इस दौरान बाइक को रुकवाकर पूछताछ की गई। लेकिन बाइक सवार की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं देने पर पर तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से 1 किलो 10 ग्राम अवैध अफीम का दूध बरामद कर एक बाइक को जब्त किया है। आरोपी पाबुराम पुत्र भागचंद निवासी डोली कल्ला पुलिस थाना कल्याणपुर बालोतरा डिटेन कर पूछताछ की गई। एसपी नरेंद्र सिंह मीना के मुताबिक नागाणा थाने में आरोपी पाबूराम पुत्र भागचंद के खिलाफ एनडीपीए एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। अफीम दूध और बाइक को जब्त कर लिया। आरोपी से पूछताछ में कल्याणपुर से भारताराम से अफीम दूध की सप्लाई लेना स्वीकार किया है।

कांग्रेस सरकार हैदराबाद को वैश्विक निवेश हब बनाएगी : उत्तम

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति और सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की कि हैदराबाद को वास्तव में वैश्विक निवेश गंतव्य में बदल दिया जाएगा, जो दुनिया के शीर्ष महानगरों के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा।

शुक्रवार को हाइटेक्स में आईजीबीसी ग्रीन प्रॉपर्टी शो 2024 का उद्घाटन करने के बाद बोलते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार का लक्ष्य वैश्विक निवेशकों, देश और राज्य को एक स्पष्ट संदेश भेजना है। हैदराबाद हर मायने में एक सही मायने में वैश्विक शहर बन जाएगा। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि हैदराबाद में मौजूदा बुनियादी ढांचे, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, आउटर रिंग रोड, एक्सप्रेसवे, फ्लाईओवर और गोदावरी और कृष्णा नदियों से पीने का पानी शामिल है, को मुख्य रूप से 2004 से 2014 तक कांग्रेस सरकार द्वारा विकसित किया गया था। उन्होंने कहा, हम हैदराबाद में अभूतपूर्व स्तर पर बुनियादी ढांचे का निर्माण करेंगे। उत्तम कुमार रेड्डी ने राज्य और देश में सभी को आश्वस्त किया कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार हैदराबाद और तेलंगाना को वास्तव में वैश्विक स्तर पर ले जाने का इरादा रखती है। उन्होंने कहा, रियल एस्टेट काफी हद तक धारणा से प्रेरित है। हमारी सरकार निर्माण और रियल एस्टेट क्षेत्रों में वास्तविक गति बनाने और निवेश को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार लगभग पाँच महीने से सत्ता में है, जिसमें से लगभग दो महीने चुनावों में बिताए गए, जिससे आदर्श आचार संहिता के कारण उनके कार्य सीमित हो गए। उन्होंने कहा, अब हम पूरी तरह से शासन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम उद्योग, निर्माण और रियल एस्टेट में किसी भी मुद्दे को संबोधित करेंगे।

हम आपको आश्वस्त करते हैं कि हम उनका ध्यान रखेंगे। इससे पहले, आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि कांग्रेस सरकार का लक्ष्य अगले चार वर्षों में हैदराबाद से आईटी निर्यात को दोगुना करना और हैदराबाद को डेटा वेयरहाउस के लिए वैश्विक राजधानी बनाना है। उन्होंने कहा, हम व्यापार करने में आसानी को एक नए स्तर पर ले जाएंगे, उद्योग के लिए अधिक लचीले, मैत्रीपूर्ण और सहायक बनेंगे।

आईजीबीसी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सी. शेखर रेड्डी, सीआईआई आईजीबीसी के उप कार्यकारी निदेशक एम. आनंद और आईबीसी हैदराबाद चैप्टर के सह-अध्यक्ष श्रीनिवास मूर्ति ने भी कार्यक्रम में बात की। मंत्रियों ने एक्सपो का दौरा किया, जहां लगभग 70 डेवलपर्स ने 16-17 करोड़ वर्ग फीट में फैले लगभग 75,000 आईजीबीसी ग्रीन प्रमाणित/पूर्व-प्रमाणित प्रोजेक्ट, ग्रीन उत्पाद, तकनीक और सेवा अपार्टमेंट प्रदर्शित किए, जिनका अनुमानित कारोबार 1 लाख करोड़ रुपये है।

शेखर रेड्डी ने कहा कि पिछले दो दशकों में ग्रीन बिल्डिंग आंदोलन में भारी वृद्धि हुई है, जिसमें 13,000 से अधिक प्रोजेक्ट आईजीबीसी ग्रीन और नेट ज़ीरो रेटिंग कार्यक्रमों को अपनाते हुए 11.62 बिलियन वर्ग फीट के पंजीकृत ग्रीन बिल्डिंग फुटप्रिंट के बराबर हैं। तेलंगाना इसमें महत्वपूर्ण योगदानकर्ता है, जहां 800 से अधिक परियोजनाएं लगभग 1.12 बिलियन वर्ग फीट हरित भवन क्षेत्र के बराबर हैं।

टीपीसीसी अध्यक्ष पद के लिए दौड़ जारी

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। लोकसभा चुनाव संपन्न होने के साथ ही राज्य कांग्रेस नेताओं के बीच तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष पद के लिए दौड़ जारी है। वर्तमान में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी टीपीसीसी अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी आलाकमान ने राज्य के नेताओं को स्पष्ट कर दिया था कि मुख्यमंत्री टीपीसीसी अध्यक्ष बने रहेंगे। अब जब चुनाव हो चुके हैं, तो कुछ संभावित लोग राज्य नेतृत्व और पार्टी आलाकमान को प्रभावित करने के लिए पहले से ही अपनी चाल चल रहे हैं। इसमें टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, एआईसीसी प्रवक्ता मधु यास्खी गौड़, टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष टी जग्गा रेड्डी और एआईसीसी सचिव संपत कुमार के नाम चर्चा में हैं।

राज्य कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि आम तौर पर यह प्रथा रही है कि यदि बीसी समुदाय के नेता को टीपीसीसी अध्यक्ष बनाया जाता था, तो अगड़ी जाति के नेता को मुख्यमंत्री पद की पेशकश की जाती थी। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि रेवंत रेड्डी के होने के कारण, नए टीपीसीसी अध्यक्ष के रूप में बीसी समुदाय के नेता को नामित करने की संभावनाएं अधिक थीं।

12 जून तक छात्रों को यूनिफॉर्म उपलब्ध करा दिए जाएं : कलेक्टर

आसिफाबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरभीम आसिफाबाद के जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि स्कूल अगले शैक्षणिक वर्ष शुरू करने वाले हैं, इसलिए छात्रों को निर्धारित समय के भीतर वर्दी के कपड़े और किताबें उपलब्ध कराई जानी चाहिए। शुक्रवार को कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी के साथ जिला केंद्र स्थित जिला परिषद् माध्यमिक कन्या विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचकर स्कूली विद्यार्थियों को मंडलवार यूनिफॉर्म ड्रेस के लिए वितरित किए जाने वाले कपड़े का वितरण किया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे 10 जून तक छात्रों को वर्दी के कपड़े उपलब्ध कराने के लिए कदम उठायें। अधिकारी मंडलों में स्थापित केंद्रों की निगरानी कर यह सुनिश्चित करें कि यह कार्य ठीक से हो सके। बताया गया है कि 25,322 लड़कियों और 22,926 लड़कों को मैचिंग कपड़े उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए कदम उठाए जाएंगे ताकि इस महीने की 18 तारीख तक 1,96,031 मीटर कपड़ा मंडलों तक पहुंच जाए।

बाद में, कलेक्टर ने उस गोदाम का निरीक्षण किया जहां स्कूल में पाठ्यपुस्तकें और नोटबुक रखी गई थीं। संबंधित अधिकारियों को स्कूल शुरू होने के तुरंत बाद छात्रों को नोटबुक वितरित करने का निर्देश दिया गया। जिले भर में विद्यार्थियों के लिए कितनी पाठ्य पुस्तकों और नोट बुक की आवश्यकता है, इसका विवरण जानने के बाद उन्होंने कई सुझाव और सिफारिशें कीं। अम्मा ने आदर्श समितियों के तहत हो रहे स्कूल मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया। वे काम को जल्दी से पूरा करना चाहते हैं और स्कूल के फिर से शुरू होने तक इसे तैयार करना चाहते हैं। इस कार्यक्रम में व्यापक प्रशिक्षण समन्वयक कटकम मधुकर, संबंधित अधिकारी एवं अन्य लोग शामिल हुए।

अग्र महिला मंच तेलंगाना का सम्मर कार्निवाल 21 मई को

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्र महिला मंच की कार्यकारणी बैठक मधु गोयल के निवास स्थान दोमलगुड़ा पर मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग की अध्यक्षता में की गई, सभी के सर्वसम्मति से मंच द्वारा सम्मर कार्निवाल करने का निर्णय लिया गया। इसे 21 मई को सायं 4 से 8 तक एबिड्स स्थित केमिस्ट भवन में आयोजित किया जाएगा। इस कार्निवाल की मुख्य अतिथि श्रीमती कलावती जाजू मारवाड़ी महिला संगठन की अध्यक्षा होंगी। अवसर पर मंत्री अंजू गोयल, मीना कुंछल, सपना अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, मंजू केजरीवाल, सीमा पंसारी, सरला अग्रवाल उपस्थित रहीं।

बासर में अक्षर अभ्यास के लिए श्रद्धालुओं की भीड़

निर्मल, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत में प्रसिद्ध विद्या की देवी माता शारदा (सरस्वती) का पुण्य क्षेत्र तेलंगाना के निर्मल जिले के मुधोल तालुका के बासर में स्थित है। देवी दर्शन को वैसे तो नवरात्रि के अलावा मंगलवार, शुक्रवार और रविवार को अधिक भीड़ देखने को मिलती है और अब अवकाश की अवधि (गर्मियों की छुट्टी) के चलते माता पिता, दादा दादी, नाना नानी अपने बालकों को अक्षर अभ्यास करवाने आ रहे हैं।

आने वाले श्रद्धालुओं में तेलंगाना सहित महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र के लोग बडा संख्या में शामिल हैं।

मंडल टॉपर छात्रा सम्मानित

चेन्नूर, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चेन्नूर शहर के जिला परिषद हाई स्कूल के वर्ष 2023-24 में 10वीं कक्षा में मंडल टॉपर छात्रा यशस्विनी को कांग्रेस नेता विनोद और विवेक युवा सेना के अध्यक्ष तनुगुला रवि कुमार ने सम्मानित किया।

आयोजित कार्यक्रम में उन्हें शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह सौंपकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने जिला परिषद हाई स्कूल की विशिष्टता की सराहना की। इस कार्यक्रम में कांग्रेस नेता रमेश रेड्डी, अखिल, इरफान, मुबीन, तिरुपति रेड्डी और अन्य ने भाग लिया।

पौधों के संवर्धन पर विशेष ध्यान देना चाहिए : कलेक्टर

आसिफाबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि पृथ्वी पर हरियाली को संरक्षित करने में सभी को अपनी भूमिका निभानी चाहिए। शुक्रवार को कलेक्टर ने आसिफाबाद मंडल में अदा ग्राम पंचायत द्वारा संचालित नर्सरी का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि गर्मी को देखते हुए नर्सरी में पौधे सूखने न पाएं इसका ध्यान रखना चाहिए।

उन्हें प्रतिदिन सुबह और शाम पौधों को पानी देना चाहिए और उचित सुरक्षात्मक उपाय करने चाहिए। पंचायत सचिव व नर्सरी प्रबंधकों से नर्सरी में लगे फलदार पौधों की विस्तृत जानकारी ली गई। इस कार्यक्रम में जिला पंचायत अधिकारी भिक्षापति गौड़, संभागीय पंचायत अधिकारी उमर कहुसैन, पंचायत सचिव, कर्मचारी एवं अन्य लोग शामिल हुए।

शीतल छाछ वितरण किया गया

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा शीतल छाछ वितरण किया गया। शाखा मंत्री शीतल जैन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अध्यक्षा रक्षा जैन के नेतृत्व में सिकंदराबाद स्थित क्लॉक टावर के पास राष्ट्रीय प्रकल्प अमृतधारा के तहत शाखा की सदस्य प्रियंका और राकेश फागणिया और सोहनलाल द्वारा शीतल छाछ वितरण किया गया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में रक्तदान संयोजिका पूनम बोहर, वंदना दूग्गड़, मीना दूग्गड़, सुनीता कावडिया, मंजू गांधी, निशि जैन, सिद्धि जैन, प्रियंका जैन, ममता जैन, मोना वर्मा, निर्मला कामदार, संवि जैन, अनुराधा लोढ़ा और आरव जैन का सहयोग रहा।

माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब की मासिक बैठक

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब की मासिक बैठक एवं सुन्दरकाण्ड पाठ नारायणगुडा में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में अध्यक्षा अरुणा गुप्ता, सचिव नीलम दौनेरिया, श्वेता, मीनू, प्राची, कविता, करुणा, भारती, नीरु गुप्ता, दिव्या, पूनम गुप्ता, भावना एवं अन्य पारिवारिक और समाजिक गणमान्य उपस्थित रहे।

धान खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश

निर्मल, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलक्टर आशीष सांगवान ने अधिकारियों को धान खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिये हैं। शुक्रवार की शाम उन्होंने समाहरणालय सभाकक्ष में धान खरीद को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर बोलते हुए कलेक्टर ने धान खरीदी की प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरा करने का निर्देश दिया। किसानों को बिना किसी परेशानी के क्रय केंद्रों पर कार्रवाई करने की सलाह दी गई है। असामयिक वर्षा के कारण अनाज को भीगने से बचाने के लिए किसानों को पर्याप्त तिरपाल एवं अनाज की बोरियां उपलब्ध करायी जायें। किसानों से संग्रहित अनाज का विवरण टैब इंट्री करने का आदेश दिया गया। सुझाव दिया गया है कि संबंधित अधिकारी क्रय केन्द्रों की लगातार निगरानी करें। उन्होंने किसानों से सरकार द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर ही चावल खरीदने और किसानों से अतिरिक्त अनाज नहीं लेने का आदेश दिया। इस बैठक में अपर समाहर्ता किशोर कुमार, डीआरडीओ विजयालक्ष्मी, डीएसओ श्रीकला, नागरिक आपूर्ति डीएम नंदिता, जिला कृषि अधिकारी अंजीप्रसाद, डीसीओ नरसैया, एडी मार्केटिंग अश्वक, अधिकारी, कर्मचारी और अन्य लोगों ने भाग लिया।

चेन्नूर में आधार नामांकन केंद्र शुरू करने की मांग

चेन्नूर, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चेन्नूर में आधार नामांकन केंद्र शुरू करने और पहले से मौजूद आधार केंद्रों को फिर से सक्रिय करके शहर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों की समस्याओं को हल करने की मांग करते हुए भाजपा के नगर अध्यक्ष जड़ी तिरुपति, नगर पालिका सहकारी समिति के सदस्य केवीएम श्रीनिवास और पूर्व वार्ड सदस्य गैरेपाली वेंकट नरसैया ने जिला कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा है। इस अवसर पर नेताओं ने बताया कि इस विषय पर कलेक्टर ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और कहा कि आधार नामांकन केंद्र बहुत जल्द फिर से खोले जाएंगे।

पब्लिसिटी व्हीकल को हरी झंडी दिखाकर, साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान शुरू : मंजू शर्मा

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद में देश की अग्रणी बैंक, स्टेट बैंक आफ इंडिया(एसबीआई) के तत्संबंधित महाप्रबंधकों ने पब्लिसिटी व्हीकल को हरी झंडी दिखाकर, साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान शुरू किया।

इस संदर्भ में, स्टेट बैंक आफ इंडिया के शीर्ष आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, एसबीआई, हैदराबाद सर्कल ने प्रचार वाहन या पब्लिसिटी व्हीकल को लान्च कर साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान शुरू किया। इसके अंतर्गत कोठी, हैदराबाद स्थित स्थानीय प्रधान कार्यालय भवन से, महाप्रबंधक (एनडब्ल्यू-1) श्रीमती मंजू शर्मा, महाप्रबंधक (एनडब्ल्यू-2) देबाशीष मित्रा तथा ए.के सारथी (जीएम), द्वारा पब्लिसिटी व्हीकल को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। जिसमें उन्होने बताया कि,उक्त अभियान का उद्देश्य बड़ी संख्या में जनता के बीच साइबर सुरक्षा जागरूकता पैदा करना ही है।

साथ ही उपरोक्त एसबीआई महाप्रबंधक(एनडब्ल्यू-1) श्रीमती मंजू शर्मा ने विस्तार पूर्वक तत्संबंधित जानकारी देते हुए बताया कि, साइबर अपराधों की सूचना दी जा रही है और कोई भी किसी भी संबंधित फ्राड के चलते साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर1930 का उपयोग कर सकते है तथा साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल www.cybercrime.gov.in और सोशल मीडिया हैंडल I-4C (भारतीय - साइबर-अपराध समन्वय - केंद्र) अर्थात् फेसबुक साइबरडोस्ट, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब पर,टेलीग्राम, लिंक्डइन, कू, शेयरचैट और पब्लिक से भी किसी भी फ्राड की रिपोर्टिन्ग कर सकते है।

जिसमें उक्त पब्लिसिटी व्हीकल जो शहर में कोने कोने में घूमकर साइबर सुरक्षा पर जागरूकता अभियान चलायेगा और हेल्पलाइन 1930 का उपयोग से भी सभी को अवगत कराएगा। ताकि साइबर फ्राड से सभी जागरूक हो सके एवं इसका समाधान पा सके।

इस अवसर पर आगे बोलते हुए, महाप्रबंधक श्रीमती मंजू शर्मा ने साइबर वित्तीय अपराध से सभी जागरूक रहने की आवश्यकता पर जोर दिया।

इसके साथ उन्होने बताया कि, वित्तीय साइबर धोखाधड़ी को रोकने के लिए सभी में जागरूकता पैदा करना।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

जब तक प्रज्वल ...

और ऐसा माना जा रहा है कि वे अभी भी जर्मनी में ही हैं। प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ इंटरपोल ने ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया है। इस पर कर्नाटक के गृह मंत्री ने कहा, प्रज्वल को वापस लाने की प्रक्रिया चल रही है। जब तक हम उन्हें वापस लाकर कानून के तहत कार्रवाई नहीं करेंगे, तब तक हम नहीं रुकेंगे। भाजपा का आरोप है कि प्रज्वल के विदेश भागने के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है। इन आरोपों पर गृह मंत्री ने कहा कि वे जो चाहे कह सकते हैं, वे हमारे लिए अच्छा नहीं कहेंगे, लेकिन बतौर सरकार हमारी जिम्मेदारी है कि ऐसे मामले हल्के में न लिए जाएंगे और हम अपना काम कर रहे हैं।

स्वाति के बाद ...

इस पर स्वाति ने बिभव कुमार को धक्का देने की कोशिश की। उनका इरादा मुख्यमंत्री केजरीवाल को फंसाने का था।

स्वाति जबरदस्ती मुख्यमंत्री केजरीवाल से मिलना चाहती थीं। अपने आरोपों के बाद मालीवाल थाने गई, लेकिन उन्हें जब एमएलसी कराने के लिए अस्पताल लेकर जाने को कहा गया तो उन्होंने जाने से मना कर दिया। वह अस्पताल नहीं गई।

स्वाति मालीवाल की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर में कहा गया है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार ने स्वाति मालीवाल को कई बार लात और करीब सात-आठ थप्पड़ मारे। स्वाति जब मदद के लिए चिल्लाने लगीं तब भी बिभव नहीं रुके। स्वाति ने बताया कि वह लगातार मदद के लिए चिल्ला रही थीं लेकिन बिभव नहीं रुका। आरोप लगाया कि बिभव ने उनकी छाती, पेट और शरीर के निचले हिस्सों पर लात से हमला किया। स्वाति की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें उन्होंने बिभव कुमार को आरोपी बनाया था।

मुझे सात-आठ ...

आरोप लगाया कि बिभव ने उनकी छाती, पेट और शरीर के निचले हिस्सों पर लात से हमला किया। स्वाति की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें उन्होंने बिभव कुमार को आरोपी बनाया था।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि राज्यसभा की एक सांसद के साथ केजरीवाल के करीबी ने बदसलूकी की। इसके बावजूद दिल्ली के मुख्यमंत्री अब तक चुप हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए थी, लेकिन बिभव कुमार उनके साथ लखनऊ में घूम रहे थे।

चारों धाम में ...

इससे धामों में भीड़ को नियंत्रण करने में दिक्कत हो रही थी। इसलिए प्रसासन ने ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन बंद किया है।

गुरुवार दिनभर उत्तरकाशी से गंगोत्री के 99 किमी और बरकोट से यमुनोत्री के 46 किमी रूट पर करीब 3 हजार गाड़ियां 12 से 15 घंटे इंतजार कर ट्रैफिक में रेंगती रहीं। सबसे ज्यादा समस्या यमुनोत्री हाईवे पर पालीगाड़ के पास बनी हुई है। यहां 12-12 घंटे गाड़ियां रोक रहे हैं। रास्ते संकरे हैं और मोटर लोड ज्यादा है, इसलिए बुधवार पूरी रात ट्रैफिक चालू रहा। यात्रियों ने रात गाड़ी में ही बिताई।

इससे पहले, चार धामों में वीडियो शूट पर आ रही आपत्तियों को लेकर राज्य सरकार का रुख 5 घंटे में दो बार बदला। पहले मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि मंदिरों के 200 मीटर के दायरे में वीडियो या रील्स नहीं बना सकेंगे। फिर सीएम ने समीक्षा बैठक की। इसके बाद जो आदेश आया, उसमें 200 मीटर दायरे की जगह 50 मीटर लिखा गया। केदारनाथ में गुरुवार को 28 हजार, बद्रीनाथ में 12,231, यमुनोत्री में 10,718 तो गंगोत्री में 12,236 लोगों ने दर्शन किए। अब तक चारों धामों में 3.98 लाख लोग दर्शन कर चुके हैं। 28 लाख से ज्यादा लोग रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं।

मणिपुर में प्रतिबंधित ...

करीमगंज में एक अन्य अभियान के तहत एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, उसके पास से 1.2 किलो हेरोइन मिला।

टीएमसी नेता पर गोलीबारी : पश्चिम बंगाल के कूच बिहार में एक स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेता को गोली मार दी गई। इस हादसे के बाद उन्हें अस्पताल में भर्तीय कराया गया। फिलहाल उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इस घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सीतलकूची के लालबाजार में पंचायत प्रधान अनिमेष रॉय गुरुवार की रात को एक सहयोगी के घर से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान उनपर हमला किया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आरसीबी और सीएसके के बीच मुकाबला टक्कर का होगा

हरभजन सिंह बोले-करो या मरो मैच के दिन जो साहस दिखाएगा वह जीतेगा

स्पोर्ट्स डेस्क, 17 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 में लीग स्टेज मुकाबलों का आखिरी हफ्ता जारी है। अब तक केकेआर ही प्लेऑफ में जगह पक्की कर सकी है, बाकी सभी टीम क्वालिफिकेशन की कयास लगा रही है। 18 मई को चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच करो या मरो का मुकाबला खेला जाना है। जो टीम हारेगी वो बाहर हो जाएगी।

इस बीच दैनिक भास्कर के सवाल पर हरभजन सिंह ने मुकाबले के बारे में बात करते हुए कहा, सीएसके और आरसीबी के बीच मुकाबला सीजन का सबसे ज्यादा देखे जाने वाला मैच होगा। साथ ही इस मैच में जो खिलाड़ी मैच के दिन साहस दिखाएगा वह उस दिन करो या मरो मैच जीतेगा। एक ही समय में आक्रामक और शांत रहना महत्वपूर्ण है। विराट कोहली और एमएस धोनी चैंपियन खिलाड़ी हैं। विराट के पास भले ही ट्रॉफी नहीं है, लेकिन वे अपना काम बखूबी करते है। दोनों के लिए यह मुकाबला अहम है। वहीं, अंबाती रायडू ने कहा, एमएस धोनी और विराट कोहली अपने प्रदर्शन और दूसरों के लिए प्रेरणा के मामले में जिस तरह की सकारात्मकता लाते हैं, वह ड्रेसिंग रूम में होना बहुत अच्छी बात होगी। शनिवार को, यह निश्चित रूप से कप्तानों, रुतुराज और फाफ पर निर्भर करेगा और वे क्या रणनीति बनाते हैं या मैदान पर क्या करते हैं। दोनों खिलाड़ी स्टार स्पोर्ट्स एक्सपर्ट पैनल का हिस्सा हैं।

गंभीर ने मेंटर की भूमिका अच्छे से निभाई- हरभजन सिंह

हरभजन सिंह केकेआर के टॉप फॉर्म पर बोले, टीम इस सीजन में वास्तव में बेहतर नजर आ रही है।यही एक मेंटर का काम है। एक अच्छा मेंटर, सुनिश्चित करता है कि हर कोई साथ हो। खान साहब ने जो किया, गंभीर ने भी वही किया। अगर वे जीतेंगे तो सामूहिक रूप से जीतेंगे। एक खुश टीम एक विजेता टीम होती है, सभी खिलाड़ी एक साथ मिल रहे हैं और एक यूनिट के रूप में एक साथ खेल रहे हैं। उनके पास अलग-अलग समय पर प्रदर्शन करने वाले अलग-अलग खिलाड़ी हैं। इससे पता चलता है कि उनके पास महान खिलाड़ी हैं, लेकिन उससे भी बेहतर टीम है। जब वे एक साथ खेलते हैं तो एक अजेय टीम की तरह दिखते हैं। गौतम गंभीर की एक बात जरूर माननी चाहिए कि सभी बराबर हैं और एक साथ खेलेंगे, चाहे हम जीतें या हारें, हम विनम्र रहेंगे।

टीमों के लिए रनरेट मायने रखेगा- रायडु

अंबाती रायडु प्लेऑफ के समीकरण पर बोले, यहां रन रेट काफी मायने रखेगा. आरसीबी का रन रेट फिलहाल अच्छा है और अच्छे रन रेट वाली टीम के पास अभी क्वालिफाई करने का काफी अच्छा मौका है। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए भी आने वाले 2 मैच आसान नहीं होंगे। इसलिए आप कभी नहीं जान पाते कि कौन प्लेऑफ में आएगा और कौन नहीं। राजस्थान रॉयल्स भी उतना अच्छा नहीं खेल रही है इसलिए कुछ भी हो सकता है। हरभजन सिंह का मानना है कि आईपीएल के कारण टीम इंडिया को वर्ल्ड कप की तैयारी का समय नहीं मिलेगा। वे बोले, मुझे लगता है कि इस आईपीएल शेड्यूल के साथ, कुछ मैच खेलने के लिए सभी को एक साथ रखना बहुत मुश्किल है। लेकिन हां, टूर्नामेंट शुरू होने से पहले हमें अमेरिका में दो प्रैक्टिस मैच खेलने हैं।

आईपीएल में पहली बार क्यू कॉलर पहन कर उतरा बैटर

> यह गैजेट सिर पर लगने वाली चोट से बचाता है

> रग्बी-फुटबॉल में इस्तेमाल हो रहा

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से टॉम कोहलर-कैडमोर ने डेब्यू किया। वे डेब्यू मैच में अपने खेल से प्रभावित करने में तो ज्यादा सफल नहीं रहे, लेकिन उनकी गर्दन पर लगे गैजेट ने स्टेडियम में बैठे फैंस से लेकर टीवी पर दर्शकों तक सबको आकर्षित किया। दरअसल, टॉम ने क्यू कॉलर नाम का डिवाइस पहन रखा था। क्यू कॉलर खिलाड़ियों को सिर पर लगने वाली चोट से बचाता है और उसके असर को कम करता है।

यह गर्दन में पहनने वाली डिवाइस है। यह गर्दन में एक निश्चित नस को दबाती है। इससे सिर में खून का फ्लो बढ़ता है और वो खून सिर में ही बना रहता है। इसमें खून एक प्रकार की एक्स्ट्रा प्रोटेक्टिव लेयर का काम करता है, जिससे सिर पर लगने वाली चोट का असर कम होता है। अमेरिका के डॉ. डेविड स्मिथ (इंटरनल मेडिसिन) को कठफोड़वा (वुडपेकर) को देखकर क्यू कॉलर का आइडिया आया। वुडपेकर जब अपनी चोंच से पेड़ के तने में छेद करता है, तब उसकी गर्दन प्राकृतिक रूप से सिकुड़ जाती है। इससे पूरे खून का फ्लो गर्दन में रुक जाता है। इससे वुडपेकर की चोंच पर लग रहा झटका सिर पर नहीं पहुंचता। इसे देखकर ही डॉक्टर स्मिथ ने क्यू कॉलर को डिजाइन किया।

किसी अन्य खेल के परंपरागत हेलमेट सिर को चोट से बचाने पर काम करते हैं। वहीं, क्यू कॉलर डिवाइस सिर पर लगने वाली चोट के असर को कम करने पर केंद्रित होता है। मनोचिकित्सा की प्रो. मार्था शेनटन और फिजियोलॉजी के प्रो. जेम्स स्मोलिगा का मानना है कि क्यू कॉलर की रिसर्च पूरी तरह से दावों पर खरी नहीं उतरती। जेम्स मानते हैं कि क्यू कॉलर के अप्रमाणित दावों की वजह से खिलाड़ी सिर को बचाने की जगह ज्यादा रिस्क लेकर खेलेंगे, जिससे कन्कशन (सिर की इंजरी) के खतरे बढ़ सकते हैं। डॉक्टर्स के विरोध के बावजूद अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने डिवाइस को मेडिकल डिवाइस के रूप में मान्यता दी है।

दुनियाभर में रग्बी, अमेरिकन फुटबॉल (एनएफएल), वहां के कॉलेज स्पोर्ट्स और यूरोपियन फुटबॉल में क्यू कॉलर का इस्तेमाल बहुत हो रहा है। क्यू कॉलर को बनाने वाली कंपनी का दावा है कि इससे न्यूरॉन्स और एक्सॉन को पहुंचने वाला खतरा 83% कम हो जाता है।

टी-20 वर्ल्डकप से पहले एक वार्म-अप मैच खेलेगा भारत

टीम रवानगी की तारीख बदली, पहला बैच 25 और दूसरा 26 मई को अमेरिका जाएगा

स्पोर्ट्स डेस्क, 17 मई (एजेंसियां)। टीम इंडिया अमेरिका और वेस्टइंडीज में अगले महीने खेले जाने वाले टी-20 वर्ल्ड कप से पहले केवल एक वार्म-अप मैच खेलेगी। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई भारत के वार्म-अप मैच को न्यूयॉर्क में कराना चाहता है, क्योंकि टीम अपने चार ग्रुप-स्टेज मुकाबलों में से तीन न्यूयॉर्क के स्टेडियम में ही खेलेगी।

आईसीसी ने अभी तक वार्म-अप मैच का शेड्यूल जारी नहीं किया है, लेकिन इंग्लैंड और पाकिस्तान के भी दो वार्म-अप मैच खेलने की संभावना नहीं है। वहीं बाकी टीमें दो-दो अभ्यास मैच खेलने के लिए तैयार हैं।

दो बैच में रवाना होगी टीम इंडिया

टीम इंडिया वर्ल्डकप के लिए दो बैच में रवाना होगी। टीम की रवानगी में भी बदलाव हुआ है। टीम इंडिया का पहला बैच पहले आईपीएल लीग स्टेज के खत्म होने के तुरंत बाद 21 मई को न्यूयॉर्क के लिए रवाना होना था। अब पता चला है कि टीम 25 और 26 मई को दो बैचों में रवाना होगी। 26 मई को आईपीएल फाइनल में भाग लेने वाले खिलाड़ी बाद की तारीख में रवाना होंगे।

प्लेऑफ में पहुंची एसआरएच, दिल्ली रेस से बाहर

स्पोर्ट्स डेस्क, 17 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल-2024) में ग्रुप स्टेज के 66 मैच खत्म हो चुके हैं। गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के बीच मैच बारिश में धुल गया। इस नतीजे से एसआरएच ने प्लेऑफ में जगह बना ली, वहीं पहले से एलिमिनेट हो चुकी जीटी ने पॉइंट्स टेबल में 8वें नंबर पर रहकर लीग स्टेज फिनिश किया।

टॉप-3 में पहुंची एसआरएच

गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के बीच मैच में टॉस भी नहीं हो सका। बारिश के कारण बेनतीजा मैच से एसआरएच को फायदा हुआ, वहीं पहले से बाहर हो चुकी गुजरात टाइटंस का सफर समाप्त हो गया। एसआरएच के अब 13 मैचों में 7 जीत, 5 हार और एक बेनतीजा मैच से 15 पॉइंट्स हो गए। टीम ने तीसरे नंबर पर पहुंचकर प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली। टीम अब पंजाब के खिलाफ आखिरी मैच जीतकर क्वालिफायर-1 खेलने की दावेदारी पेश कर सकती है।

जीटी के 14 मेचों में 5 जीत, 7 हार और 2 बेनतीजा मैच से 12 पॉइंट्स हो गए। 2022 की चैंपियन टीम ने इस बार अपना सफर 8वें नंबर पर रहकर खत्म किया। खराब रन रेट होने के कारण अब दिल्ली भी बाहर हो गई। टीम के 14 मैचों में 7 जीत और 7 हार से 14 पॉइंट्स हैं, लेकिन उनका रन रेट बेंगलुरु और चेन्नई से खराब है। यही 2 टीमें अब प्लेऑफ में पहुंचने की सबसे मजबूत दावेदार बची हैं।

लखनऊ के पास अब भी एक मौका बाकी

17वें सीजन में लखनऊ सुपरजायंट्स और मुंबई इंडियंस के बीच मुंबई में मैच खेला जाएगा। एलएसजी के 13 मैचों में 6 जीत और 7 हार से 12 पॉइंट्स हैं, टीम फिलहाल 7वें नंबर पर है। मुंबई को हराकर टीम 14 पॉइंट्स के साथ छठे नंबर पर पहुंच जाएगी। हालांकि, प्लेऑफ में पहुंचने के लिए टीम को अपना रन रेट सीएसके से बेहतर करना होगा।

मुंबई बिगाड़ सकती है लखनऊ का खेल

मुंबई इंडियंस इस सीजन प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली पहली ही टीम है। उनके 13 मैचों में 4 जीत और 9 हार से 8 पॉइंट्स हैं और टीम 10वें नंबर पर है। आज लखनऊ को हराकर टीम 10 पॉइंट्स के साथ 9वें नंबर पर पहुंच जाएगी और एलएसजी को भी एलिमिनेट कर देगी। हारने पर टीम 10वें नंबर पर रहकर अपना सफर खत्म करेगी। मैच अगर बेनतीजा रहा तो भी मुंबई 10वें नंबर पर ही रहेगी, लेकिन इससे भी एलएसजी की प्लेऑफ उम्मीदें खत्म हो जाएंगी।

हर्षल हैं टॉप विकेट टेकर

पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल टूर्नामेंट के टॉप विकेट टेकर हैं, उनके नाम 22 विकेट हैं। एमआई के जसप्रीत बुमराह 20 विकेट लेकर दूसरे नंबर पर हैं।

ट्रायल्स को लेकर कुश्ती संघ 21 मई को कर सकता है फैसला

विनेश-अमन ने की थी मांग

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय टीम को चुनने को लेकर 21 मई को चयन मानदंड तय करेगा। न्यूज एजेंसी पीटीआई के सूत्रों के मुताबिक, संघ उसी दिन यह तय करेगा कि कोटा हासिल करने वाले खिलाड़ी ट्रायल में हिस्सा लेंगे या फिर सीधे ओलंपिक की तैयारी में जुट जाएंगे। कुश्ती संघ के ऐसा करने से विनेश फोगाट और अमन सहरावत जैसे पहलवानों को राहत मिलेगी, जो अभी इस अधर में लटके हुए हैं कि वह ट्रायल की तैयारी करें या फिर ओलंपिक की।

भारत ने ओलंपिक खेलों के लिए कुश्ती में छह कोटा स्थान हासिल किए हैं। इनमें से पांच महिला पहलवानों को मिले हैं। अमन सहरावत पुरुषों के फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में कोटा हासिल करने वाले एकमात्र पुरुष पहलवान हैं। कुश्ती संघ ने कहा था कि वह 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले पहलवानों का चयन करने के लिए एक अंतिम ट्रायल आयोजित करेगा।

पहले बताए गए मानदंडों के अनुसार यह कहा गया था कि अंतिम ट्रायल में शीर्ष चार में रहने वाले पहलवान एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे और उनमें से शीर्ष पर रहने वाला पहलवान कोटा विजेता के साथ मुकाबला करेगा। कुश्ती संघ के एक सूत्र ने कहा- डब्ल्यूएफआई ने चयन मानदंड तय करने के लिए 21 मई को दिल्ली में चयन समिति की बैठक बुलाई है। दोनों शैलियों (पुरुष फ्रीस्टाइल और महिला कुश्ती) के दो मुख्य कोच चर्चा का हिस्सा होंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या डब्ल्यूएफआई चयन समिति ट्रायल कराने का फैसला करती है या फिर कोटा विजेताओं को ही खेलों में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देती है।

यदि कोटा विजेताओं को प्रतिस्पर्धा की मंजूरी दी जाती है तो इसका मतलब रवि दहिया (पुरुषों की 57 किग्रा) और सरिता मोर (महिलाओं की 57 किग्रा) जैसे पहलवानों के लिए पेरिस के सपने का अंत होगा क्योंकि वे चयन के लिए अंतिम चुनौती पेश नहीं कर पाएंगे। टोक्यो ओलंपिक खेलों के चार कोटा विजेताओं- बजरंग पूनिया, दीपक पूनिया, रवि दहिया और विनेश फोगाट को अपने-अपने वर्ग में चुनौती पेश करने की स्वीकृति दी गई थी और खेलों के करीब उनका कोई ट्रायल नहीं हुआ था।

पेरिस ओलिंपिक के लिए भारतीय टेबल टेनिस टीम का ऐलान

स्पोर्ट्स डेस्क, 17 मई (एजेंसियां)। कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन शरत कमल और मनिका बत्रा पेरिस ओलिंपिक के लिए छह सदस्यीय भारतीय टेबल टेनिस टीम का नेतृत्व करेंगे। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) ने टीम की घोषणा की। जी साथियान को छह सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिली है। साथियान को मेंस टीम में रिजर्व खिलाड़ी के रूप में जगह मिली है। भारतीय खिलाड़ी पेरिस में सिंगल्स और टीम इवेंट में हिस्सा लेंगे। विमेंस टीम के लिए अयहिका मुखर्जी रिजर्व खिलाड़ी होंगी। पेरिस ओलिंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच होना है। भारत को टोक्यो में पहली बार एथलेटिक्स में गोल्ड मेडल मिला था। नीरज चोपड़ा ने जेवलिन थ्रो में भारत के लिए ओलिंपिक में ट्रैक एंड फील्ड में पहली बार मेडल जीता था। पेरिस ओलिंपिक में केवल ढाई महीने का समय बचा है। इस बार इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी खेलों की सुरक्षा से लेकर मनोरंजन तक में एआई का इस्तेमाल करेगी।

संन्यास के पीछे फिटनेस वजह नहीं : छेत्री

भारत के लिए सबसे ज्यादा 150 मैच खेलकर सबसे ज्यादा 94 गोल कर चुके सुनील छेत्री ने गुरुवार को एलान था किया कि वह कोलकाता में छह जून को कुवैत के खिलाफ मैच के बाद संन्यास लेंगे। छेत्री के संन्यास से भारतीय फुटबॉल के एक युग का अंत हो जाएगा। वह 2011 से टीम इंडिया के कप्तान हैं। बाइचुंग भूटिया के संन्यास लेने के बाद उन्हें कप्तान बनाया गया था। तब से अब तक वह यह जिम्मेदारी संभालते नजर आए हैं। हालांकि, 39 साल की उम्र में भी अभी वह काफी फिट दिखते हैं और पिछले दो साल में कई रिकॉर्ड को धराशाई किया है।

ऐसा कहा जा रहा था कि छेत्री ने बढ़ती उम्र, फिटनेस और थकान की वजह से संन्यास लिया है। अब छेत्री ने इन सभी रिपोर्ट्स को खारिज करते हुए खुद ही संन्यास के पीछे की वजह का खुलासा किया है। छेत्री ने कहा है- संन्यास के फैसले के पीछे शारीरिक कारण नहीं, बल्कि मानसिक पहलू है। मैं अभी भी फिट हूं।

छेत्री ने कहा-अभी भी काफी फिट हूं

छेत्री ने कहा, 'संन्यास का फैसला शारीरिक कारणों से नहीं लिया। मेरी फिटनेस अच्छी है और अभी भी दौड़ रहा हूं। डिफेंड कर रहा हूं, मेहनत करना मुश्किल नहीं है। यह फैसला मानसिक पहलू को ध्यान में रखकर लिया है।' छेत्री ने हालांकि मानसिक स्वास्थ्य के मसले पर ज्यादा कुछ नहीं बताया। मौजूदा दौर में विभिन्न खेलों में यह खिलाड़ियों के बीच चिंता का विषय बना हुआ है। विराट कोहली समेत कई दिग्गज एथलीट्स के मानसिक स्वास्थ्य पर बात कर चुके हैं। छेत्री ने कहा, 'मैं खुद से लड़ रहा था। समग्र रूप से सोचने की कोशिश कर रहा था और अचानक यह फैसला लिया। एक साल बेंगलुरू एफसी के लिए खेलूंगा।

सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शीर्ष 10 एथलीट्स में पांच फुटबॉलर

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। फोर्ब्स ने साल 2024 के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शीर्ष 50 एथलीटों की सूची जारी कर दी है। इस लिस्ट में कोई भी भारतीय नाम नहीं है और न ही क्रिकेट खेलने वाला कोई खिलाड़ी है। पिछली बार 2020 में किसी भारतीय एथलीट ने इस लिस्ट में जगह बनाई थी। तब विराट कोहली शीर्ष 100 की सूची में 66वें नंबर पर रहे थे। 2021 से वह फोर्ब्स की सूची से गायब हैं। 2024 की ताजा लिस्ट में पुर्तगाल और अल नस्र के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो शीर्ष पर हैं। उन्होंने इस साल 260 मिलियन यूएस डॉलर यानी 2167 करोड़ रुपये की कमाई की है। रोनाल्डो ने इस मामले में अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर और कप्तान लियोनल मेसी जैसे खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। रोनाल्डो पिछले साल भी शीर्ष पर थे। हालांकि, तब उनकी कमाई 136 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1133 करोड़ रुपये थी, जो कि इस साल लगभग दोगुनी हो गई है। साल 2024 में शीर्ष-10 कमाई करने वाले एथलीट्स की सूची में फुटबॉल के सबसे ज्यादा पांच खिलाड़ी हैं, जबकि बास्केटबॉल के तीन और गोल्फ-रग्बी (अमेरिकी फुटबॉल) के एक-एक खिलाड़ी हैं।

नेमार ने भी टॉप-10 में बनाई जगह

इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एथलीटों में चौथे नंबर पर स्टार बास्केटबॉल खिलाड़ी लेब्रोन जेम्स हैं। उन्होंने इस साल 128.2 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1069 करोड़ रुपये की कमाई की है। पिछले साल लेब्रोन चौथे नंबर पर ही थी। तब उनकी कमाई 119.5 मिलियन यूएस डॉलर यानी 996 करोड़ रुपये की रही थी। इस साल पांचवें नंबर पर गियानिस हैं। उनकी कमाई 111 मिलियन यूएस डॉलर यानी 925 करोड़ रुपये की रही है। छठे नंबर पर पीएसजी और फ्रांस के स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे हैं। उनकी कमाई 110 मिलियन यूएस डॉलर यानी 917 करोड़ रुपये की रही है। एम्बाप्पे पिछले साल तीसरे स्थान पर थे। तब उनकी कमाई 120 मिलियन डॉलर यानी 1000 करोड़ रुपये की रही थी। सातवें नंबर पर 108 मिलियन यूएस डॉलर यानी 900 करोड़ रुपये की कमाई के साथ ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार हैं।

मेसी लिस्ट में दूसरे से तीसरे स्थान पर लुढ़के

इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एथलीटों में दूसरे नंबर पर गोल्फ के खिलाड़ी जॉन रैम हैं। उनकी कुल कमाई 218 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1818 करोड़ रुपये की है।

तीसरे नंबर पर 135 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1126 करोड़ रुपये की कमाई के साथ मेसी हैं। मेसी पिछले साल दूसरे नंबर पर थे और उनकी कमाई 130 मिलियन यूएस डॉलर यानी 1084 करोड़ रुपये की रही थी। इस साल उनकी कमाई तो बढ़ी है, लेकिन रोनाल्डो की तुलना में बेहद कम रही है। रोनाल्डो को सऊदी फुटबॉल लीग में अल नस्र से जुड़ने का फायदा हुआ, जबकि मेसी पीएसजी छोड़कर मेजर लीग सॉकर में मियामी टीम को जॉइन किया था।

मेरा हैदराबाद

किसान फंड केंद्र से लाने में विफल रहने पर कांग्रेस ने किशन रेड्डी की आलोचना की

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कोदंडा रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी की आलोचना की है, क्योंकि तेलंगाना राज्य अब तक के सबसे खराब सूखे संकट से जूझ रहा है, लेकिन इसके बावजूद वे केंद्र से फंड लाने में विफल रहे हैं। शुक्रवार को गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए कोदंडा रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना में सूखे की गंभीर स्थिति है, लेकिन केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी केंद्र को मनाने और राज्य को फंड लाने के बजाय राज्य सरकार के खिलाफ निराधार बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, तेलंगाना में प्राकृतिक आपदाओं के कारण 97 लोगों की मौत हो गई, लेकिन राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने स्थिति पर एक भी समीक्षा बैठक नहीं की। कांग्रेस नेता ने कहा कि चूंकि तेलंगाना में लोकसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं, इसलिए किशन रेड्डी को दिल्ली जाकर राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के तहत केंद्र से फंड लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी तेलंगाना में पेयजल संकट से निपटने के लिए सभी कदम उठा रहे हैं और उन्होंने कर्नाटक सरकार के साथ भी परामर्श किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोगों को पेयजल में किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े।

राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए आवेदन

आसिफाबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाला पुरस्कार राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए आवेदन स्वीकार कर रही है। कुमराम भीम आसिफाबाद, जिला महिला, बाल, विकलांग और बुजुर्ग कल्याण विभाग के अधिकारी भास्कर ने कहा कि वर्ष 2024-2025 के लिए दिए जाने वाले राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 6 से 18 वर्ष की आयु के लड़के और लड़कियां पात्र हैं। उन्होंने कहा कि नवप्रवर्तन, रचनात्मकता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण, खेल, कला, संस्कृति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में प्रतिभा दिखाने वाले बच्चों से आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। इच्छुक उम्मीदवार 31 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं।

बीआरएस एमएलसी विट्ठल को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली

सर्वोच्च न्यायालय ने उनके एमएलसी चुनाव को रद्द करने के हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाई

नई दिल्ली, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के एमएलसी दांडे विट्ठल को उनके एमएलसी पद को रद्द करने के मामले में भारत के सर्वोच्च न्यायालय से राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने उनके एमएलसी पद को अमान्य घोषित करने के तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगा दी है। देश की सर्वोच्च अदालत ने याचिका पर सुनवाई जुलाई तक के लिए टाल दी है। दांडे विट्ठल को 2022 में आदिलाबाद स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र से बीआरएस पार्टी एमएलसी के रूप में चुना गया है। हालांकि, कांग्रेस नेता पाथी रेड्डी रेजेश्वर रेड्डी ने कहा कि उन्होंने अपना नामांकन वापस नहीं लिया है और उनके हस्ताक्षर एमएलसी द्वारा जाली किए गए हैं। राजेश्वर रेड्डी ने उस समय उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और उच्च न्यायालय से विट्ठल के एमएलसी के रूप में चुनाव को अवैध घोषित करने का आग्रह किया। उन्होंने जालसाजी का पता लगाने के लिए जाली दस्तावेजों को केंद्रीय फोरेंसिक प्रयोगशाला में भेजने का भी उच्च न्यायालय से आग्रह किया। उच्च न्यायालय ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं और विट्ठल

के एमएलसी के रूप में चुनाव को रद्द करने का अपना फैसला सुनाया। हालांकि, अब सुप्रीम कोर्ट ने उसी आदेश पर रोक लगा दी है।

किसानों को मुफ्त में दिए जाएंगे बैल

मंदिर प्रशासन ने आयुक्त को भेजा प्रस्ताव * मनोकामनाएं पूरी करने के लिए अपने ईष्ट को भक्त चढ़ाते हैं बैल

राजन्ना-सिरसिला, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री राजराजेश्वर स्वामी वेमुलावाड़ा में कृषि के उद्देश्य से किसानों को कोडेलु (बैल) मुफ्त देने का फैसला अधिकारियों द्वारा किया है। मंदिर अधिकारी, जिन्होंने धर्मस्व विभाग आयुक्त को प्रस्ताव भेजा है, कार्यक्रम के लिए दिशानिर्देश तैयार कर रहे हैं। आचार संहिता हटने के बाद इसे लॉन्च किए जाने की संभावना है। 'कोडेमोक्कु' मंदिर में एक प्रसिद्ध अनुष्ठान है। भक्तों का दृढ़ विश्वास है कि अगर वेमुलावाड़ा में श्री राजराजेश्वर मंदिर के पीठासीन देवता को 'कोड़े' (बैल) चढ़ाया जाए तो उनकी मनोकामनाएं पूरी होंगी। तीर्थयात्रियों में से अधिकांश, जो मंदिर में आते हैं, इष्टदेव को 'कोडे' चढ़ाएंगे। भक्तों का यह भी मानना है कि यदि वे मंदिर में एक बैल दान करेंगे तो उनके साथ अच्छा होगा, जो लोग अपनी गौशालाओं में बैल पालते हैं वे उन्हें मंदिर में दान कर देते हैं, जबकि अन्य लोग जानवरों को खरीदकर दान करते हैं। चूंकि कई भक्त बैल दान करते हैं, इसलिए जानवरों की संख्या बढ़ गई है और मंदिर उनकी देखभाल के लिए थिप्पापुर में एक गौशाला भी चला रहा है।

मंदिर के सूत्रों ने कहा कि हालांकि मंदिर अधिकारी गौशाला का रखरखाव कर रहे हैं, लेकिन चारे, सुविधाओं और चिकित्सा सहायता की कमी के कारण बीमारी से बैलों के मरने की घटनाएं हुई हैं। बंदोबस्ती आयुक्त हनुमंत राव, जिन्होंने हाल ही में गौशाला का दौरा किया था, ने इसके खराब रखरखाव के लिए अधिकारियों की कड़ी आलोचना की और उन्होंने अधिकारियों को बैलों को सभी सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश दिया। चूंकि मंदिर में 'कोडेममोक्कू' अनुष्ठान के लिए 150 बैल पर्याप्त हैं, इसलिए अधिकारी राज्य गौशाला महासंघ के माध्यम से अतिरिक्त जानवरों को राज्य की अन्य गौशालाओं को देते थे। अनियमितताओं के आरोप सामने आने के बाद यह प्रथा बंद कर दी गई। किसानों की मांग को देखते हुए, मंदिर के अधिकारी अब इन बैलों को किसानों को मुफ्त में देने का प्रस्ताव कर रहे हैं और प्रस्ताव आयुक्त को भेज दिया है।

अधिकारी किसानों को बैल देने की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए राजस्व, पुलिस, पशुपालन और मंदिर के अधिकारियों के साथ एक समिति गठित करने की योजना बना रहे हैं। समिति किसानों से आवेदन स्वीकार करने के बाद पट्टादार पासबुक और आधार कार्ड का सत्यापन कर योग्य किसानों का चयन करेगी। किसानों को एक समझौता करना होगा जिसमें कहा जाएगा कि वे दूसरों को जानवर नहीं बेचेंगे। किसानों को सौंपने से पहले जानवरों को टैग भी लगाया जाएगा ताकि अधिकारी आसानी से उनकी पहचान कर सकें। मंदिर एईओ और गौशाला प्रभारी, बी श्रीनिवास ने कहा कि प्रस्ताव आयुक्त के पास लंबित था। मंजूरी मिलने के बाद वे किसानों को जानवर देना शुरू कर देंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि चुनाव आचार संहिता समाप्त होने के बाद कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। उन्होंने गौशाला में सभी सुविधाएं होने की बात कहते हुए कहा कि पशुओं को चारा उपलब्ध कराने में प्रतिमाह 5 से 6 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं। उन्होंने यह जानकारी देते हुए कहा कि श्रद्धालु सूखी घास उपलब्ध कराएंगे, वे हरी घास और अन्य चारे की वस्तुओं पर राशि खर्च करेंगे।

युवा पर हमला करने वालों पर हो कार्रवाई

आदिलाबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासी अधिकार संगठन तुदुमदेब्बा के सदस्यों और उसके सहयोगी संगठनों ने अधिकारियों से उन भीड़ के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया, जिन्होंने हाल ही में जैनूर मंडल केंद्र में एक आदिवासी युवा पर हमला किया था। उन्होंने शुक्रवार को आईटीडीए परियोजना पदाधिकारी खुशबू गुप्ता को ज्ञापन सौंपा। तुदुमदेब्बा के राज्य कार्यकारी अध्यक्ष गोदम गणेश ने कहा कि अधिकारी दोषियों को जल्द से जल्द सजा दें और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकें।

विदेशी छात्रों को धोखा देने के आरोप में एक आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने 28 वर्षीय एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है, जो अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों को विश्वविद्यालय सेमेस्टर शुल्क पर 10 प्रतिशत की छूट देने के बहाने धोखा दे रहा था। त्रिमुल्घेरी के एक शिकायतकर्ता ने साइबर क्राइम पुलिस से संपर्क किया और कहा कि जालसाजों ने अमेरिका के वेस्ट फ्लोर्डिया विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले उसके बेटे के लिए सेमेस्टर फीस पर 10 प्रतिशत की छूट के बहाने उससे 4.38 लाख रुपये की धोखाधड़ी की। गिरफ्तार संदिग्ध कनोला अशोक कुमार अपने दोस्तों अमेरिका निवासी तरूण और दिल्ली निवासी वकार के साथ अलग-अलग कंसल्टेंसी एजेंसियों में काम करता था, जो छात्रों को पढ़ाई के लिए अमेरिका भेजती थीं। इस प्रकार, उनके पास छात्रों के डेटा बेस तक पहुंच थी और जिसका उपयोग करके उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों से संपर्क किया और उन्हें धोखा दिया और सेमेस्टर शुल्क पर 10 प्रतिशत की छूट की पेशकश की।

जीएचएमसी में कल स्विमिंग चैंपियनशिप

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद में ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) स्विमिंग कॉम्प्लेक्स 19 मई को तेलंगाना स्विमिंग एसोसिएशन द्वारा एक तैराकी चैंपियनशिप का आयोजन किया गया है। 7एच स्पोर्ट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित, इस पहल का उद्देश्य स्कूल स्तर पर तैराकी को बढ़ावा देना, एक मजेदार ग्रीष्मकालीन गतिविधि प्रदान करना और शैक्षणिक दबाव को कम करना है। प्रतियोगिता को तीन आयु वर्गों में बांटा गया है : अंडर-10, अंडर-14 और अंडर-17। प्रतिभागी चार स्ट्रोक में प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं- फ्रीस्टाइल, बैकस्ट्रोक, ब्रेस्टस्ट्रोक और बटरफ्लाई, प्रत्येक स्पर्धा 50 मीटर की होगी। चैंपियनशिप विशेष रूप से गैर-पदक विजेता तैराकों के लिए है, जिसमें प्रति प्रतिभागी दो स्पर्धाओं की सीमा है। अंतिम तिथि 18 मई निर्धारित की गई है। प्रतियोगियों को भाग लेने के लिए आईडी कार्ड और उम्र का प्रमाण प्रस्तुत करना आवश्यक है। प्रतिभागियों को योग्यता से सम्मानित किया जाएगा और भागीदारी प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे।

वाईएस जगन 9 जून को सीएम पद की शपथ लेंगे : मंत्री

विजयवाड़ा, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री बोत्सा सत्यनारायण ने आज कहा कि उनकी पार्टी के अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी 9 जून को विशाखापट्टनम से दूसरी बार राज्य के सीएम के रूप में शपथ लेंगे। उन्होंने राजनीतिक लाभ के लिए शांतिपूर्ण उत्तरी आंध्र क्षेत्र में संघर्ष नहीं पैदा करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने विपक्षी दलों को हिंसा को बढ़ावा नहीं देने की सलाह दी। उन्होंने टिप्पणी की कि वैजाग संसदीय क्षेत्र की सीमा में हुई लड़ाई को राजनीतिक लाभ के लिए अनावश्यक रूप से सनसनीखेज बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि किसी भी पद पर नियुक्ति से पहले किसी भी अधिकारी के पिछले रिकॉर्ड की जांच की जानी चाहिए, उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्य के राज्यपाल के पास शिकायत दर्ज कराई है क्योंकि नियुक्ति नियमों का पालन किए बिना की गई थी। उन्होंने दावा किया कि उन्हें करीब 175 विधानसभा सीटें मिलेंगी। उन्होंने कहा कि शपथ ग्रहण के बाद यह तय किया जाएगा कि रुशिकोंडा में निर्मित भवनों का उपयोग कैसे किया जाना चाहिए और यह स्पष्ट किया कि वे आधिकारिक भवन हैं, हालांकि उनका उपयोग आधिकारिक तौर पर किया जाएगा।

प्रतिद्वंद्वी टीडीपी पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी ने अपने वार्षिक सम्मेलन महानु को रद्द कर दिया क्योंकि उसे विधानसभा चुनावों में जीत दर्ज करने का भरोसा नहीं था। उन्होंने कहा कि वे एक ऐसी केंद्र सरकार चाहते हैं जो उन पर निर्भर हो। बोत्सा सत्यनारायण ने कहा कि वे उत्तरी आंध्र क्षेत्र की 34 में से 34 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करेंगे।

भाजपा 12 एमपी सीटें जीतेगी : ईटेला

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री ईटेला राजेंद्र ने आज भविष्यवाणी की कि भाजपा 12 एमपी सीटें जीतेगी। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी शासन में भारत हिंसा रहित शांति का स्थान बन गया है। नलगोंडा में आयोजित स्नातकों की एक तैयारी बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जब लोगों ने दूसरी बार बीआरएस पार्टी को सत्ता सौंपी, तो उसके प्रमुख केसीआर की अहंकार से काम करने के लिए आलोचना की गई। कांग्रेस असंभव वादों के साथ तेलंगाना में सत्ता में आई। थोड़े समय के भीतर ही लोगों ने कांग्रेस सरकार का विरोध करना शुरू कर दिया। हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में कांग्रेस और बीआरएस नेताओं ने भी भाजपा को वोट दिया। भाजपा स्नातकों के लिए एमएलसी चुनावों में भी अपनी ताकत दिखाएगी।

आंध्र प्रदेश में चुनाव से पहले और बाद में हुई हिंसा की जांच करेगी एसआईटी

अमरावती, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश सरकार राज्य में चुनाव से पहले और बाद में हुई हिंसा की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करेगी। केंद्रीय चुनाव आयोग के निर्देशानुसार एसआईटी का गठन किया जाएगा। एसआईटी चुनाव के बाद हुई हिंसा की हर घटना पर रिपोर्ट पेश करेगी। एसआईटी पलनाडु, माचरला, नरसा रावेट, तिरुपति, चंद्रगिरी और ताड़ीपत्री की घटनाओं की भी जांच करेगी। अधिकारी विशाखापट्टनम में हुई हालिया घटना को भी एसआईटी के दायरे में लाने पर विचार कर रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का मानना है कि ताड़ीपत्री की घटना में डीएसपी चैतन्य ने अपने दायरे से बाहर जाकर काम किया। पुलिस हर घटना पर एफआईआर दर्ज करेगी। चुनाव आयोग ने राज्य सरकार को दो दिन के भीतर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। विभिन्न घटनाओं में पुलिस अधिकारियों की विफलता को देखते हुए चुनाव आयोग ने पहले ही कई अधिकारियों को निशाने पर लिया है।

कविता को अपनी बेगुनाही साबित करने का पूरा भरोसा है : आरएस प्रवीण कुमार

नई दिल्ली, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के नेता आरएस प्रवीण कुमार ने आज कहा कि उनकी पार्टी की एमएलसी के. कविता बहुत बहादुर हैं और उन्होंने कहा कि उन्होंने उनसे कहा कि उन्हें दिल्ली शराब घोटाले में अपनी बेगुनाही साबित करने का पूरा भरोसा है। तिहाड़ जेल में कविता के साथ मुलाकात के बाद पार्टी के पूर्व विधायक बालका सुमन के साथ मीडियाकर्मियों से बात करते हुए आरएस प्रवीण कुमार ने आरोप लगाया कि मामला राजनीतिक उद्देश्यों से दर्ज किया गया था और कहा कि सीबीआई द्वारा कविता को उसके वकील को नोटिस जारी किए बिना गिरफ्तार करना दिखाता है कि स्थिति कितनी खराब थी। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले की सुनवाई कर रहे जज को रातोंरात बदल दिया गया। यह कहते हुए कि संबंधित सरकारें राज्य के राजस्व को बढ़ाने के लिए नीतियां बनाती हैं, उन्होंने आश्चर्य जताया कि नीति बनाने की प्रक्रिया में शामिल सभी लोगों को न्याय के दायरे में कैसे लाया जा सकता है? उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने कृषि कानूनों सहित कई नीतियां लाई हैं। वे किसके फायदे के लिए लाए गए? कविता ने एक भी रुपया नहीं लिया।

पीएमएलए उन पर कैसे लागू होता है, उन्होंने पूछा और कहा कि रिश्वत की मांग का कोई सबूत नहीं है। उन्होंने पूछा, सीबीआई भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तारी कैसे कर सकती है? उन्होंने कहा कि कविता ने उन्हें बताया कि अधिकारी कथित शराब घोटाले में शामिल लोगों के नाम बताने के लिए उन पर दबाव डाल रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी शातिर तरीके से काम कर रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया, ईडी उन लोगों के खिलाफ एक तरह से काम कर रहा है जो भाजपा में शामिल हो गए हैं और उन लोगों के खिलाफ दूसरी तरह से जो भाजपा में शामिल नहीं हुए हैं। उन्होंने भाजपा पर विपक्ष की आवाज दबाने के लिए सीबीआई और ईडी का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

जगतियाल में युवक की हत्या

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बुग्गाराम मंडल के गोपुलापुर में गुरुवार रात अज्ञात व्यक्तियों ने 35 वर्षीय युवक बेस्टा श्रीनिवास की हत्या कर दी। हत्या का कारण जमीन विवाद बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, चेहरे को नकाब से ढके 5 बदमाशों ने श्रीनिवास के साथ-साथ उनके भाई महेश पर लोहे की रॉड और पाइप से हमला कर दिया। श्रीनिवास की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि महेश गंभीर रूप से घायल हो गया। महेश को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एलोपैथिक दवा पाउडर मिक्स रैकेट का भंडाफोड़

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन तेलंगाना ने घटकेसर में मधुमेह के उपचार के लिए आयुर्वेदिक दवा के रूप में एलोपैथिक दवा पाउडर मिक्स की बिक्री से जुड़े एक रैकेट का भंडाफोड़ किया। डीसीए ने मेडचल-मलकाजगिरी जिले के घटकेसर गांव में संपूर्ण आयुर्वेद निलयम पर छापा मारा और 1.5 लाख रुपये का स्टॉक जब्त किया, जिसके बारे में दावा किया गया था कि वह आयुर्वेदिक दवा है, लेकिन उसमें मेटफॉर्मिन, ग्लिमेपिराइड और ग्लिक्लाजाइड जैसी एलोपैथिक एंटी-डायबिटिक दवाएं थीं। एक अलग छापे में, डीसीए अधिकारियों ने दो अधिक कीमत वाली दवाएं जब्त कीं- केंद्र सरकार द्वारा उत्पाद के लिए तय की गई सीलिंग प्राइस की तुलना में एमआरपी बहुत अधिक थी। नरसामपेट में ज़ेनबैक्ट ऑइंटमेंट (म्यूपिरोसिन ऑइंटमेंट आईपी 27 डब्ल्यू/डब्ल्यू)। गोदावरीखानी में थाइमीन इंजेक्शन (थियामिन इंजेक्शन आईपी 100 मिलीग्राम/एमएल)। एक अन्य घटना में, डीसीए ने जादचेरला में आयुर्वेदिक दवा 'फेमिजोय सिरप' को जब्त कर लिया, क्योंकि यह एक भ्रामक विज्ञापन था जिसमें दावा किया गया था कि यह 'मासिक धर्म के विकारों' का इलाज करता है। एक अलग घटना में, डीसीए ने एक झोलाछाप के क्लिनिक पर छापा मारा और मेडक जिले के निज़ामपेट मंडल के निज़ामपेट गांव में बिक्री के लिए रखी गई दवाओं को जब्त कर लिया। घटकेसर के सम्पूर्ण आयुर्वेद निलयम पर छापा मारा गया और एलोपैथिक दवाओं के साथ मिश्रित आयुर्वेदिक दवाएं जब्त की गईं।

आईआईआईटीएच अगस्त से अंशकालिक एमएस शुरू करेगा

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद ने उन्नत शोध कौशल को बढ़ावा देने और व्यक्तियों को तकनीक आधारित नवाचारों को आगे बढ़ाने के लिए सशक्त बनाने हेतु कार्यरत पेशेवरों के लिए अंशकालिक उद्योग प्रायोजित मास्टर ऑफ साइंस (एमएस) शुरू करने की घोषणा की है। आवेदन खुले हैं और पहला बैच अगस्त 2024 से शुरू होगा। अंशकालिक मास्टर ऑफ साइंस (एमएस) शोध कार्यक्रम कार्यरत पेशेवरों और प्रौद्योगिकी कंपनियों की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। अंशकालिक कार्यक्रम एक लंबी थीसिस परियोजना के इर्द-गिर्द संरचित है, जिसे कंपनी और आईआईआईटीएच संकाय द्वारा संयुक्त रूप से सलाह दी जाती है, जिसमें थीसिस के लिए आवश्यक मूलभूत ज्ञान के साथ-साथ कुछ पाठ्यक्रम भी लिए जाते हैं। बल्क पंजीकरण के साथ, कंपनियां तकनीकी क्षेत्रों और सलाहकारों को चुन सकती हैं, साथ ही आईआईआईटीएच के साथ मिलकर परियोजनाएँ बना सकती हैं, जो कंपनी की ज़रूरत के हिसाब से विशिष्ट समाधानों पर केंद्रित होंगी। विज्ञान/इंजीनियरिंग की डिग्री और कम से कम 1 वर्ष का तकनीकी उद्योग का अनुभव रखने वाले पेशेवर आवेदन कर सकते हैं। प्रतिभागी प्रत्येक सेमेस्टर में अलग-अलग पाठ्यक्रम चुन सकते हैं और थीसिस प्रोजेक्ट के साथ-साथ 3 वर्षों तक आईआईआईटीएच में पूर्णकालिक छात्रों के साथ नामांकन कर सकते हैं। विशेषज्ञ मार्गदर्शन और व्यावहारिक शिक्षा उभरती हुई तकनीक और कौशल विकास प्रयासों में सफलता सुनिश्चित करेगी। आईआईआईटीएच के निदेशक, प्रो.पी.जे. नारायणन ने कहा, आज की दुनिया में, तकनीक के गहन क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वालों के पास बड़ी बढ़त होगी। आईआईआईटीएच हैदराबाद में आईटी कंपनियों के कर्मचारियों को इस थीसिस-उन्मुख कार्यक्रम के माध्यम से ऐसी विशेषज्ञता हासिल करने की सुविधा प्रदान करना चाहता है। यह अनूठा उद्योग-अकादमिक सहयोग कंपनियों को आईआईआईटीएच की शोध शक्तियों का लाभ उठाने के अवसर प्रदान करेगा। यह पेशेवरों को आईआईआईटीएच के नियमित छात्रों के समान पाठ्यक्रमों में नामांकन करके और हमारे नियमित छात्रों के समान शोध समूहों के साथ काम करके शोध की मास्टर्स स्तर की समझ हासिल करने की अनुमति देता है।

चिन्ना शेष वाहन सेवा आयोजित

तिरुपति, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गोविंदराज स्वामी मंदिर में चल रहे वार्षिक ब्रह्मोत्सव के एक भाग के रूप में, शुक्रवार सुबह तिरुपति में चिन्ना शेष वाहन सेवा आयोजित की गई। बाद में उत्सव देवताओं के लिए स्नैपना तिरुमंजनम का प्रदर्शन किया गया। तिरुमाला चिन्ना जीयर स्वामी, अगामा सलाहकार सीतारामाचार्युलु, मोहना रंगाचार्युलु, मंदिर निरीक्षक राधाकृष्ण और अन्य, भक्त उपस्थित थे।

लिफ्ट सिंचाई योजना की विद्युत मोटर, ट्रांसफार्मर चोरों ने जलाया

तांबे के तार चोरी न कर पाने की ओछी हरकत

कुमरम भीम आसिफाबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कौटाला मंडल के गुंडायीपेट गांव में गुरुवार की रात वर्धा नदी से पानी खींचने के लिए बनी एक छोटी लिफ्ट सिंचाई योजना के पंप सेट, ट्रांसफार्मर और स्टार्टर की बिजली की मोटर को चोरों ने जला दिया। दरअसल वे उपकरण में लगे तांबे के तार चोरी करने में असफल थे। कौटाला उप-निरीक्षक एन मधुकर ने बताया कि लिफ्ट सिंचाई योजना से संबंधित बिजली की मोटर, ट्रांसफार्मर और स्टार्टर को चोरों ने जला दिया क्योंकि वे मोटर और ट्रांसफार्मर से तांबे के तार नहीं निकाल सके। बिजली उपकरणों को सुरक्षा प्रदान करने की योजना पर गश्त कर रहे

ग्रामीणों ने आग की लपटें देखीं और उन्हें पता चला कि रात 9 बजे मोटर, स्टार्टर और ट्रांसफार्मर जल गए हैं। ग्रामीणों ने आग बुझाई और घटना की सूचना पुलिस को दी। उन्होंने अधिकारियों से लिफ्ट सिंचाई योजनाओं और कृषि बोरवेलों में स्थापित बिजली की मोटरों से तांबे के तार को उठाने से रोकने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया। उन्हें संदेह था कि चोरों का एक कुख्यात गिरोह तांबे के तार के लिए मोटरों को निशाना बना रहा है। उनका आरोप है कि चोर कबाड़ी के व्यापारियों को तार बेचकर मोटी कमाई करते थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.